शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तापमान बढ़ने से राज्य में तेजी से बढ़ रही बिजली की खपत @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 07 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-127

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता पर विदेश मंत्री ने बेलौस कहा

मोदी जैसे प्रधानमंत्री हों तो सदस्यता मिलना तय है

कटक, 06 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता मिलना तय है। देश में नरेंद्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री हों तो सदस्यता मिलने की प्रक्रिया और तेज हो जाएगी, क्योंकि वर्तमान में नरेंद्र मोदी को कोई न नहीं कर सकता। ओड़ीशा के कटक में विदेश मंत्री ने कहा, यह बेहद कठिन समय है। उससे भी महत्वपूर्ण, आप किसपर भरोसा करना चाहते हैं? आप किसे इस देश का प्रभारी देखना चाहते हैं? आपको ऐसा कौन दिखता है जो इन चुनौतियों का मुकाबला कर देश को आगे ले जा सकता है। आप सुरक्षा परिषद के बारे में पूछ रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि हम उसका सदस्य बनेंगे। लेकिन हम जल्दी सदस्य बनेंगे यदि हमारे पास एक ऐसा मजबूत प्रधानमंत्री हो जिसे दुनिया किसी चीज के लिए मना न कर सके। और अभी हम यही करने की कोशिश कर रहे हैं। जयशंकर ने एक सवाल के जवाब में कहा, धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सभी धर्मों का सम्मान करना है और इसका अर्थ अपने धर्म को नकारना या अपनी संस्कृति या विरासत पर गर्व न करना नहीं है।

आप किस तरह के व्यक्ति पर भरोसा करना चाहते हैं?

आप कैसे व्यक्ति को भारत का प्रमुख देखना चाहते हैं?

ऐसा कौन है जो चुनौतियों का डट कर सामना कर सके?

धर्मनिरपेक्षता का मतलब दूसरों को गाली देना नहीं होता

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 15 सदस्य होते हैं जिनमें से पांच स्थायी जबकि 10 अस्थायी होते हैं। अस्थायी सदस्य हर दो साल में बदलते रहते हैं जबकि अमेरिका, रूस, इंग्लैंड, फ्रांस और चीन स्थायी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र में इन पांचों सदस्यों के पास किसी भी प्रस्ताव को रोकने के लिए वीटो का अधिकार है जो अस्थायी सदस्यों के पास नहीं होता। भारत लंबे समय से इस व्यवस्था में बदलाव की मांग उठा रहा है। उसका दावा है कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सदस्यता पर उसका स्वाभाविक हक है। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र संकल्प पत्र में वादा किया है कि सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए पूरा प्रयास करेगी।

एक धर्म की अंधभक्ति करने वाली तथाकथित धर्मनिरपेक्षता को लेकर जयशंकर ने कहा, धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सभी धर्मों का सम्मान करना है और इसका अर्थ अपने धर्म को नकारना या अपनी संस्कृति या विरासत पर गर्व न करना नहीं है।

जयशंकर ने खोली ट्रूदो की पोल खालिस्तान को बढ़ावा देता है कनाडा

कटक, 06 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूदो की कलई खोल कर रख दी। जयशंकर ने साफ-साफ कहा कि ट्रूदो अपने देश में खालिस्तानियों और आतंकवादियों को पनाह देता है और ऐसे भारत विरोधी तत्वों को बढ़ावा देता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सिखों की हत्या के मामले में भारत की संलिप्तता की जांच करना कनाडा की राजनीतिक मजबूरी है। उन्होंने कहा कि कनाडा के राजनीतिक दलों ने उग्रवाद, अलगाववाद व हिंसा के पैरोकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर वैधता दे दी है। लेकिन राजनीति में भी न्यूटन का नियम लागू होता है। इसकी प्रतिक्रिया जरूर होगी।

ताइवान ने चीन को महासभा से निकालने की मांग की

म्यूनिख, 06 मई (एजेंसियां)। जर्मनी में ताइवान के राजदूत शीह झाई-वे ने कहा कि चार्टर की शर्तों के अनुरूप चीन संयुक्त राष्ट्र का हिस्सा होने की काबिलियत नहीं रखता है। चीन में उइगरों, तिब्बतियों, हांगकांग और उसके लोगों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों को देखते हुए उसे बहुत पहले ही संयुक्त राष्ट्र से निष्काषित कर दिया जाना चाहिए था।

म्यूनिख में मनाई जा रही विश्व उइगर कांग्रेस की 20वीं वर्षगांठ पर ताइवान के दूत ने अपने कब्जे वाले क्षेत्रों पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के अत्याचारों का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि उनके कब्जे वाले क्षेत्रों के लोग समान चीन की ओर से पैदा किए गए दुर्भाग्य का सामना कर रहे हैं और इसके लिए विभिन्न देशों को एकजुट होने की जरूरत है। झाई-वे ने अपने बयान में चीन और संयुक्त राष्ट्र की आलोचना की और कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवता के खिलाफ अत्याचारों जानते हुए भी चीन पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर का हवाला देते हुए कहा, यदि चीन द्वारा उइगुरों, तिब्बतियों, हांगकांग और उसके लोगों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों पर एक साथ बात रखी जाती तो सीपीसी को बहुत पहले संयुक्त राष्ट्र बाहर कर दिया गया होता।

ओड़ीशा पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने लगाई दहाड़

पड़ोसी राज्य में मिल रहा है नोटों का पहाड़

नवरंगपुर (ओड़ीशा), 06 मई (एजेंसियां)। पीएम ने ओड़ीशा में कहा कि पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों का पहाड़ मिला है। लोग कह रहे हैं कि चोरी हो गया और माल पकड़ रहा मोदी वहां। अब आप ही बताइए, यदि मैं उनकी चोरी रोकूंगा, उनकी आमदनी बंद कर दूंगा, उनकी लूट बंद कर दूंगा तो वे मोदी को गाली देंगे नहीं देंगे तो और क्या करेंगे?

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से झारखंड में भारी मात्रा में नकद जब्त किए जाने का जिक्र पीएम नरेंद्र मोदी ने ओड़ीशा में एक चुनावी रैली में की।

ओड़ीशा के नबरंगपुर में एक चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई की कुछ लोग सराहना कर रहे हैं तो कुछ लोग इस भ्रष्टाचार और लूट को रोकने की आलोचना कर रहे हैं।

पीएम ने कहा, आज, पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों का पहाड़ मिला है।

लोग कह रहे हैं कि चोरी हो गया और माल पकड़ रहा मोदी वहां। अब आप ही बताइए, यदि मैं उनकी चोरी रोकूंगा, उनकी आमदनी बंद कर दूंगा, उनकी लूट बंद कर दूंगा तो वे मोदी को गाली देंगे नहीं देंगे तो और क्या करेंगे। पीएम ने चुनावी सभा में कहा, क्या गालियों के बावजूद मुझे यह काम नहीं करना चाहिए? क्या मुझे आपके पैसों की रक्षा नहीं करनी चाहिए।

मंत्री के पीएस के नौकर के घर मिला नोटों का अंबार

रांची, 06 मई (एजेंसियां)। देश में चल रहे चुनाव के बीच झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम के कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय ने छापा मारा। छापे में भारी मात्रा में नकद बरामद हुआ है। दिलचस्प यह है कि करोड़ों रुपए का भंडार मंत्री आलमगीर के पीएस के नौकर के घर से बरामद हुआ है। झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पर्सनल असिस्टेंट (पीएस) संजीव लाल के घरेलू सहायक के रांची स्थित आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई है।

मतदान का तीसरा चरण आज

दांव पर शाह, सिंधिया, शिवराज जैसे दिग्गजों की किस्मत

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का चुनाव प्रचार रविवार शाम छह बजे थम गया। तीसरे चरण में 11 राज्यों की 92 सीटों पर सात मई को मतदान होंगे। इस चरण में कुल 1300 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसमें 120 महिलाएं हैं। तीसरे चरण में कई दिग्गज नेताओं की साख दांव पर लगी है। इनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह (गांधीनगर), केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया (गुना), केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया (पोरबंदर), केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला (राजकोट), केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी (धारवाड़) और एसपी सिंह बघेल (आगरा) शामिल हैं।

तीसरे चरण में गुजरात में 25 सीटों पर मतदान होगा। इसी तरह कर्नाटक में 14 सीटों पर, महाराष्ट्र में 11 सीटों पर, मध्य प्रदेश में 8 सीटों पर, छत्तीसगढ़ में 7 सीटों पर, बिहार में 5 सीटों पर, असम में 4 सीटों पर, उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर, पश्चिम बंगाल में 4 सीटों पर, गोवा में 2 सीटों पर और दादर-नागर हवेली की 2 लोकसभा सीटों पर 7 मई को मतदान होंगे।

18वीं लोकसभा के लिए अब तक दो चरणों में 190 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में इसके लिए 2963 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया था। जिसमें से 1563 नामांकन वैध पाए गए थे और अब चुनावी मैदान में 1351 उम्मीदवार हैं। प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में ताल ठोंक कर संदेश दिया। राहुल गांधी ने तेलंगाना, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम बंगाल में जमकर चुनाव प्रचार किया। राजनाथ सिंह ने हल्ला बोल की तर्ज पर आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के जम्मलमाडुगु में कहा कि अगर सत्ता में आए तो एक देश एक चुनाव प्रणाली लागू होगी।

राधिका खेड़ा ने कांग्रेस नेताओं के असली चरित्र का किया पर्दाफाश

कांग्रेस में महिलाओं की इज्जत हर वक्त खतरे में

रायपुर, 06 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने वाली राधिका खेड़ा ने कहा कि राम मंदिर बनने के बाद वे भी भगवान राम का दर्शन करना चाहती थी। उद्घाटन के समय तो उन्हें समय नहीं मिल पाया, लेकिन बाद में 27 मार्च को वे अयोध्या पहुंची और भगवान राम के दर्शन किए। अयोध्या की तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर अपडेट किए थे। फोटो अपडेट करने के बाद से ही कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने उनके इस व्यवहार पर आपत्ति जताई। उन्हें भगवान राम का दर्शन करने के लिए डांटा गया। इसके बाद उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। 30 अप्रैल को उनके साथ अभद्रता की चरम सीमा पार कर दी गई।

राधिका खेड़ा ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के एक नेता सुशील आनंद शुक्ला ने अपने दो साथियों के साथ रायपुर के पार्टी ऑफिस में उनके साथ अभद्रता करने की कोशिश की। लेकिन जब उन्होंने इसके बारे में पार्टी के शीर्ष नेताओं को जानकारी दी, तब आरोपी नेताओं के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और जयराम रमेश तक सबको इस आपत्तिजनक घटना के बारे में बताया गया, लेकिन आरोपी नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद हताश होकर उन्होंने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह दिया। राधिका खेड़ा ने अपने साथ हुई घटना के बारे में को विस्तृत जानकारी दी है।

आंख पर पट्टी बांधे हैं राहुल, प्रियंका समेत सारे नेता

राधिका खेड़ा ने कहा, जब राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे थे, मैं छत्तीसगढ़ में यात्रा की प्रभारी थी। उसी समय से मेरे साथ अभद्रता करने की कोशिश की गई थी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान मैं कोरबा में जिस होटल में ठहरी थी, सुशील आनंद शुक्ला मुझसे यह जानने की कोशिश करता था कि मैं होटल के किस कमरे में रुकी हुई हूं। मुझे शराब ऑफर की जाती थी।

यह पूछा जाता था कि किस कमरे में रुकी हुई हूं और मुझे कौन सी शराब भेज दी जाए। इस घटना की दो लड़कियां गवाह भी हैं। लेकिन यह बेहद अपमानजनक और शर्मनाक था। इसके बारे में उस समय भी मैंने अपनी पार्टी के बड़े नेताओं को जानकारी दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन समझदारी बरतते हुए मैं उन नेताओं से दूरी बरत रही थी।

राधिका खेड़ा ने कहा, 30 अप्रैल की शाम लगभग छः बजे मैं पार्टी ऑफिस में कुछ काम कर रही थी। उसी समय छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला अपने दो साथियों नितिन भंसाली और सुरेंद्र वर्मा के साथ कमरे में आया। ये दोनों लोग भी छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रवक्ता हैं। इसके एक साथी ने कमरा पीछे से बंद कर लिया।

चमोली से पिथौरागढ़ तक सड़क निर्माण शुरू

चीन से दूरी घट कर रह जाएगी 80 किमी

गोपेश्वर (चमोली), 06 मई (एजेंसियां)। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने चमोली के लप्थल से पिथौरागढ़ तक के लिए सड़क कटिंग का काम शुरू कर दिया है। यहां 80 किमी सनचुतला-टोपीढुंगा-मिलम सड़क बननी है, जिसमें से करीब 40 किमी तक हिल कटिंग की जा चुकी है। चमोली जिले से लगे चीन सीमा क्षेत्र में अब सेना और आईटीबीपी की आवाजाही सुगम और आसान हो जाएगी। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने चमोली के लप्थल से पिथौरागढ़ तक के लिए सड़क कटिंग का काम शुरू कर दिया है।

हैदराबाद निजाम के पापों का उपसंहार

मैं पासबाने दीन हूं, कुफ्र का जल्लाद हूं

हैदराबाद एक ऐसा रजवाड़ा था जिसका निजाम एक मुसलमान था परंतु राज्य में बहुमत हिंदुओं का था। निजाम हिंदुओं से नफरत करते थे। ोधी था। उसके हरम में 360 स्त्रियां थीं। उनमें से अधिकतम काफिर अर्थात् गैर मुस्लिम थीं। निजाम को खुश करने के लिए उसके अधीनस्थ अफगानिस्तान विचारों में उस्मानिस्तान प्रांत का भी उल्लेख है, जो कि डेक्कन में पाकिस्तान के एक अंत:क्षेत्र के तौर पर प्रस्तावित किया गया था। रहमत अली ने रहने के इच्छुक थे। निजाम की निजी फौज के तौर पर मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के सशस्त्र दस्ते के रूप में रजाकारों की फौज खड़ी की गई। यह हैदराबाद में घूम-घूम कर आतंक मचाने लगी और जजिया इकट्ठा करने लगी।

हिंदू महासभा और आर्य समाज ने इसका विरोध किया और भारत में सम्मिलित होने के लिए आंदोलन चलाया। डॉक्टर बुगुर्ला रामाकृष्ण राव इस आंदोलन के प्रखर नेता थे। रजाकारों की फौज गांव-गांव में जाकर लूटपाट कर रही थी, निदोर्षों की हत्या कर रही थी, स्त्रियों की इज्जत लूट रही थी।

मैं इस्लाम का रक्षक और हिंदुओं का भक्षक हूं : निजाम

अपनी एक कविता में निजाम ने लिखा है, मैं पासबाने दीन हूं, कुफ्र का जल्लाद हूं। अर्थात मैं इस्लाम का रक्षक हूं और हिंदुओं का भक्षक हूं। निजाम के अंतर्गत हैदराबाद में 13 प्रतिशत ही मुसलमान थे परंतु उच्च पदों पर 88 प्रतिशत मुसलमान थे। इसी तरह 77 प्रतिशत हाकिम मुसलमान थे। हैदराबाद की आमदनी का 97 प्रतिशत हिंदुओं से वसूला जाता था। इसके बावजूद निजाम हिंदू विरोधी था। उसके हरम में 360 स्त्रियां थीं। उनमें से अधिकतम काफिर अर्थात् गैर मुस्लिम थीं। निजाम को खुश करने के लिए उसके अधीनस्थ अफगानिस्तान से चुरा कर लाई गई 10-12 साल की गैर-मुस्लिम लड़कियां भी खरीद कर लाते थे।

मुसलमान निजाम पाकिस्तान में मिलना चाहता था। परंतु हैदराबाद पाकिस्तान से बहुत दूर था और चारों तरफ से भारत से घिरे द्वीप की भांति था। 1933 में चौधरी रहमत अली द्वारा लिखे एक घोषणापत्र अब या कभी नहीं में पाकिस्तान की स्थापना का विचार पहली बार रखा गया था। इसके बाद मुहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग ने 1940 में पाकिस्तान की औपचारिक मांग की थी। चौधरी रहमत अली के

हिंदुओं को गोली मारते हुए रजाकारों की फौज, गोलियां मारने से पहले फोटो खिंचवाते थे रजाकार। (फाइल फोटो)।

शुभ-लाभ सरोकार

उन्हीं पापों की विरासत संभाले हुए हैं असदुद्दीन ओवैसी

उस्मानिस्तान नाम हैदराबाद के आखिरी निजाम उस्मान अली खान के सम्मान में दिया था।

1948 में कासिम रिजवी मजलिस-ए-इत्तेहादुलमुस्लिमीन के अध्यक्ष थे।

मजलिस-एतिहाद-उल-मुस्लिमीन आज के एआईएमआईएम का पूर्ववर्ती संगठन था। यह संगठन चाहता था कि हैदराबाद का विलय पाकिस्तान में हो। हिंदू बहुल हैदराबाद के नागरिक भारत में

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,010/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 84,079/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

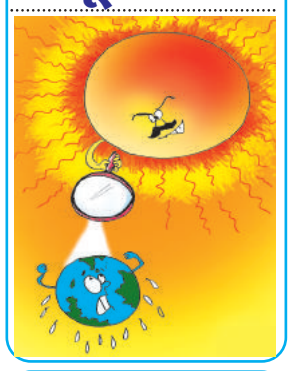

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,895.54
+17.39 +0.02% ↑
एनएसई :22,442.70
-33.15 (-0.15%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33°
न्यूनतम : 23°

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मेहता 11 टीम बनी रेदासनी कप 2024 की चैम्पियन

बीएसपीएल सीजन 2 का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा बीएसपीएल सीजन 2 रेदासनी बॉक्स क्रिकेट कप का आयोजन किया गया, जिसकी चैम्पियन मेहता 11 टीम बनी। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि टूर्नामेंट में बारह टीमों की ओर से एक सौ बीस खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। बहुत ही रोमांचक उन्नीस मैचों में सभी टीमों के बीच कांटे की टक्कर रही। फाइनल मुकाबले में मेहता इलेवन ने बहुत ही रोमांचक तरीके से एजिंग एवेंजर्स को हराकर रेदासनी कप पर अपना कब्जा जमाया। खेल की शुरुआत में श्री ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष और कैप प्रायोजक पदमचंद बोहरा, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, मंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी के साथ कप प्रायोजक चेतन रेदासनी, भोजन प्रायोजक जयप्रकाश मकाना, टी शर्ट प्रायोजक सज्जनराज कोठारी, टॉस का बॉस दिलीप मरलेचा आदि ने दीप प्रज्वलन कर खेल की शुरुआत की। खेल समिति के संयोजक यश रांका, अंजन मेहता और रोशन लोढा ने परमात्मा के चित्र पर माल्यार्पण किया और सभी खिलाड़ियों को खेल के नियम बताए। नितेश बोहरा ने नवकार मंत्र द्वारा मंगलाचरण किया। टूर्नामेंट में मुख्य कप के प्रायोजक चेतन रेदासनी और ऑक्शन तथा पूरे खेल कार्यक्रम के दौरान फूड प्रायोजक जयप्रकाश मकाना परिवार थे। सभी बारह टीमों को टी-शर्ट के प्रायोजक सज्जन राज कोठारी और कैप प्रायोजक पदम चन्द बोहरा थे। टॉस का बॉस प्रायोजक दिलीप कुनाल मरलेचा रहे, जिन्होने खेल के दौरान प्रत्येक मैच में टॉस में मुख्य भूमिका निभाई। बारह टीमों में चेतन रेदासनी और अमित डांगी की मां क्रियेशन्स, प्रदीप छाजेड़ की तनिष्कास तूफान, सज्जन सिंह खटोड़ की मणिधारी पैंथर्स, प्रवीण कक्कड़ की कक्कड़ वॉरियर्स, ललित बम्ब की एक्यूरेट चैलेंजर्स, दिनेश लोढ़ा की मां ऊर्जा स्विंगर्स, शैलेंद्र डाकलिया की मयूर कंप्यूटर मार्वल्स, ताराचंद मेहता की मेहतास 11, रूपचंद कुमट और महावीर पगारिया की महावीर फार्मलेंड स्मैशर्स, भागचंद श्रीश्रीमाल की एजिंग अवेंजर्स, लोकेश पंकज सांखला की आईटी 360 हब, विजय सिंघवी की सिंघवी वॉरियर्स में जबरदस्त मुकाबला हुआ।

पूरी युवा शाखा कार्यकारिणी का सहयोग

सभी टीम ऑनर्स को ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी मुकाबलों को निर्विवाद सम्पादित करवाने में तकनीकी सहयोग मयंक मेहता, महावीर गुगलिया, कुनाल मरलेचा और भरत कोठारी का रहा। सभी खिलाड़ियों और दर्शकों के भोजन की व्यवस्था सुचारू रूप से अल्केश हिंगड़, मनीष बाफना और लकी बोहरा ने संभाली। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी युवा शाखा कार्यकारिणी का सहयोग रहा। सभी उन्नीस मैचों में से मैन ऑफ द मैंच खिलाड़ी का चयन किया गया और उन्हें ट्राफियां प्रदान की गई। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और सर्वश्रेष्ठ बॉलर एजिंग एवेंजर्स के राहुल जैन, सर्वश्रेष्ठ बैट्समैन मेहता इलेवन के जिनेन्द्र जैन रहे। खेल के अन्त में मंत्री कुलदीप छाजेड़ और खेल संयोजकों ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री मिश्री शत्रुंजय यात्रा संघ ने दिव्यांगों को कराई तीर्थ यात्रा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री मिश्री शत्रुंजय यात्रा संघ बेंगलूरु ने शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगजनों, कैंसर जैसे असाध्य रोग से पीड़ित व आर्थिक रूप से कमजोर जिन्होंने आज तक जैन महातीर्थों के दर्शन नहीं किये, को श्री शत्रुंजय यात्रा संघ द्वारा तीर्थ यात्रा करवाकर समाज में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

यात्रा संघ परिवार के प्रमुख सिद्धार्थ सुंदेशा मुथा ने बताया कि समाज के दिव्यांगजनों, आर्थिक कमजोर जनों, कैंसर जैसे असाध्य रोग से पीड़ितों एवं जिन्होंने आज तक जैन महातीर्थों की यात्रा नहीं की, को संघ द्वारा जैन महातीर्थों की यात्रा करवाई गयी। जिसमें सम्मेत शिखर, पावापुरी, राजगीर, रंजु बालिका, क्षत्रिय कुंड, लछुपाड, कुंडलपुर आदि अनेक जैन महातीर्थों की सफल यात्रा करवाई गई। इस आठ दिवसीय यात्रा संघ के सफल संपादन पर संघ द्वारा रविवार को वी.वी.पुरम स्थित वृद्धाश्रम में अन्नदान किया गया। वहीं गौरव शर्मा ने बताया कि संघ ने जे.पी.नगर स्थित सूर्य मंदिर में दर्शन कर सरजापुर रोड़ स्थित माध्यम गौशाला में गौ माता की सेवा पूजा कर संघ सदस्यों ने धर्मलाभ लिया। अंत मे रविवार सायं सुशीलधाम में स्नेह मिलन का आयोजन कर वहां पूजा-अर्चना कर सभी का आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर कमलाबाई, चंद्रप्रकाश सुंदेशामुथा, ऋषभ जैन, तेजराज बोहरा, मुकेश गोगक, चेतन जैन, हितेश जैन, डॉ. हंसराज, ललित खांटेड, निर्मल कोठारी, महेंद्र जैन, धीरज सहित कई लोग उपस्थित थे।

साध्वी सुधाकंवर जी का अगला चातुर्मास विजयनगर स्थानक भवन में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु से विजयनगर संघ से अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर के नेतृत्व में 40 श्रावक श्राविकाओं ने तमिलनाडु के इरोड शहर में होली चातुर्मासार्थ विराजित पूज्य गुरुवर्या यशकंवर जी की सुशिष्या साध्वी श्री सुधाकंवर जी के दर्शन वंदन कर इस वर्ष के सन 2024 हेतु चातुर्मास की विनती की।

संघ की प्रबल भावना को देखते हुए पूज्य साध्वी मंडल ने भरी सभा में साधुमार्यादा के तहत काल, भाव, क्षेत्र के सभी आगारों सहित विजयनगर स्थानक भवन में इस वर्ष के चातुर्मास की स्वीकृति प्रदान की। जिससे पूरा सभागार हर्ष हर्ष व जय जयकारे से गुंजायमान हो गया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने इस हेतु सभी को बधाई दी। संघ के सहमंत्री सुनील लोढ़ा व रविन्द्र जैन ने चातुर्मास को ऐतिहासिक बनाने हेतु योजनाबद्ध तरीके से काम करने का सभी से निवेदन करते हुए सहयोग की अपील की। युवा संघ के अध्यक्ष पारसमल मेहता एवं मंत्री शंकरलाल दक ने संघ ले जाने की सुंदर व्यवस्था की। महिला अध्यक्षा किरन बाई भंडारी, कमलाबाई बोहरा, मंजू बाई बांठिया, वरिष्ठ श्राविका सुशीलाबाई लोढ़ा सहित बहुमंडल की अध्यक्षा मीना देसरडा, मंत्री चंदा पामेचा, विहार सेवा चेयरमैन विनोद रूणवाल तथा वरिष्ठ श्रावक तेजमल भंडारी, ज्ञानचंद कटारिया, दिनेश पोरवाड़ सहित कई धर्मनिष्ठ महानुभाव उपस्थित रहे।

दस दिवसीय बाल संस्कार शिविर के समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विजयनगर स्थानक भवन में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय बाल संस्कार शिविर के समापन समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ ज्ञानशाला की अध्यापिकाओं द्वारा मंगलाचरण से किया गया। संघ के मंत्री एवं ज्ञानशाला के चेयरमैन कन्हैयालाल सुराना ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। ज्ञानशाला के मुख्य प्रबंधक पंकज मेहता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए ज्ञानशाला के अनुशासन व गतिविधियों तथा भावी योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध करायी। साथ ही सभी से तन, मन धन से सहयोग करने की अपील की। सह प्रबंधक शंकरलाल दक ने दस दिवसीय शिविर तथा समापन कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था संभाली। इस हेतु ट्रस्ट के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर ने धन्यवाद देते हुए खूब खूब अनुमोदना की। ट्रस्ट के वरिष्ठ श्रावक वसंतराज रांका तथा जैन

कान्फ्रेंस के प्रान्तीय अध्यक्ष पुखराज मेहता ने विजयनगर ज्ञानशाला के अनुशासन, बच्चों के संस्कार व धार्मिक ज्ञान से अभिभूत होकर खूब प्रसन्नता जाहिर करते हुए सबको धन्यवाद दिया। कर्नाटका जैन स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष भंवरलाल कवाड़, कोषाध्यक्ष पन्नालाल कोठारी, कांतिलाल गाँधी, विजयनगर ट्रस्ट के अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर, उपाध्यक्ष गौतमचंद दक, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद खाब्या, सह मंत्री सुनील लोढा, रविंद्र कुमार जैन, तेजमल भंडारी, प्रवीण कुमार आँचलिया, महावीर कुमार सुराना, सुरेश चंद बोहरा, रतनलाल बोहरा, दिनेशकुमार पोरवाड, चेनराज छाजेड इत्यादि कई गणमान्य उपस्थित रहे। कर्नाटक स्वाध्याय संघ के अध्यक्ष भँवरलाल कवाड़, ज्ञानशाला की अध्यापिका पायल गूगलिया व बच्चों ने ज्ञान शालाओं की आवश्यकता पर विचार रखते हुए इसी पर आधारित एक सुन्दर नाटिका की प्रस्तुति दी गयी। कई बच्चों ने शिविर में सीखे गये ज्ञान, संस्कार के बारे मे सुनाया जिसके अंतर्गत जीवन में दैनिक अपनाने योग्य बीस नियमों को सुनाकर सबको मन्त्रमुग्ध कर दिया। जिन बच्चों ने बीस नियम कंठस्थ सुनाये उन सभी को संघ की ओर से पुरस्कृत किया गया। शिविर में भाग लेने वाले बच्चों को दैनिक प्रभावना के साथ जिनकी पूर्ण उपस्थिती रही उन बच्चों को विशिष्ट गिफ्ट तथा सभी अध्यापिकाओं को पुरस्कार स्वाध्याय संघ की ओर से प्रदान किए गए।

7 दिवसीय कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग की 7 दिवसीय कार्यशाला सोमवार को तेरापंथ सभा भवन, राजाजीनगर में सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से शुरू हुई। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने पधारे हुए ट्रेनर धर्मेश कोठारी एवं सीपीएस प्रोविजनल ट्रेनर और सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं संप्रेषित की। सीपीएस प्रशिक्षक धर्मेश कोठारी ने कार्यशाला के प्रथम दिन सभी प्रतिभागियों का एक दूसरे से परिचय कराते हुए कार्यशाला प्रारंभ किया। उन्होंने कला की आवश्यकता बताते हुए एक अच्छे वक्ता के लिए उसके परिधान का महत्व, खड़े रहने का तरीका, बात करने की कला और लोगों को अपने वक्तव्य के प्रति आकर्षित करना और किस तरह से आत्मविश्वास के साथ मंच पर आकर बात करना और अपने अंदर छिपे भय को कैसे बाहर निकालना है के बारे में विस्तार से समझाया। इस कार्यशाला में 33 प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर परिषद परिवार से सीपीस कार्यशाला प्रभारी जयंतीलाल गांधी, संयोजक संजय मांडोत, जीतु मेहता एवं परिषद से राजेश देरासरिया, सुनील मेहता, ललित मुणोत, दीपक गिलुण्डिया की उपस्थिति रही। मंच संचालन तेयुप मंत्री कमलेश चौरड़िया ने किया।

एटीडीसी में आई केयर क्लिनिक का शुभारम्भ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर में रविवार को आई केयर क्लिनिक का शुभारंभ जैन संस्कार विधि से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक नवकार मंत्र के जप से की गई। संस्कारक राकेश दुधेड़िया एवं सह संस्कारक डॉ आलोक छाजेड़ ने पूरे विधि विधान के साथ मंत्र उच्चारण कर कार्यक्रम को संपन्न किया और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत एवं अभातेयुप पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने उद्घाटन किया। इसके पश्चात एटीडीसी में सहयोग देने वाले दानदाताओं के सम्मान का कार्यक्रम तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में रखा गया। विजय गीत का संगान तुलसी संगीत सुधा के साथियों द्वारा किया गया।

श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन विमल कटारिया ने किया। आरआर नगर के अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ने पधारे हुए सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज से 6 वर्ष पूर्व आज ही के दिन इस एटीडीसी की शुरुआत संस्थापक अध्यक्ष राजेश भंसाली के कार्यकाल में हुई थी और संयोग से आज के दिन हम आई केयर क्लीनिक का शुभारंभ भी कर रहे हैं। एटीडीसी संयोजक नरेश बांठिया ने एटीडीसी की गतिविधियों की जानकारी दी एवं बताया कि आई केयर क्लीनिक में डॉ प्रकाश जैन अपनी टीम के साथ सेवाएं देंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने आई क्लिनिक की शुरुवात करने पर परिषद को बधाई देते हुए कहा कि आज कल हम जिस प्रकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे है हमें आई केयर की उतनी ही जरूरत है। ऐसे में आर आर नगर परिषद ने ए टी डी सी में आई केयर क्लिनिक खोल के मानव सेवा का काम किया है। डॉ प्रकाश ने कहा कि उन्हें यहां सेवा देकर बहुत गौरव की अनुभूति हो रही है। इस अवसर पर अभातेयुप सदस्य, संघीय परिषद के अध्यक्ष मंत्री एवं पदाधिकारीगण, सभा अध्यक्ष छतर सिंह सेठिया, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

10 दिवसीय धार्मिक बाल संस्कार एवं शिक्षा शिविर का समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में श्री कर्नाटक स्वाध्याय संघ द्वारा आयोजित एवं युवक मंडल द्वारा संचालित 10 दिवसीय धार्मिक बाल संस्कार एवं शिक्षा शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया।

जिसमें 108 बच्चों ने भाग लिया। जितेंद्र मेहता ने मंगलाचरण किया। तत्पश्चात सर्वप्रथम अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। मंत्री सुरेश धोका ने कहा की स्थानकवासी परंपरा में स्थानक भवन में आवागमन एवं धार्मिक गतिविधियों की सख्त जरूरत है।

इस हेतु निवेदन किया कि वार्षिक शिविर को अर्ध वार्षिक के रूप में शुरू किया जाना चाहिए। इस अवसर पर कर्नाटक स्वाध्याय संघ के मंत्री मीठालाल पटवा, जसवंत छाजेड, संजय कचोलिया, प्रभाबाई गुलेछा, युवा अध्यक्ष शीतल रांका, गुरुकुल चेयरमैन लतेश लोढ़ा, शिल्पा सुराणा ने अपने विचार रखे। अध्यापक संजय कचोलिया के साथ अध्यापिका माला बोहरा, रेखा भंडारी, वंदना चोपड़ा, प्रभा गोलेच्छा, पिंकी मुथा, दीपिका मांडोत, मधु देवड़ा ने अपनी सेवाए प्रदान की। निशा बरौला, विक्की बाफना, लहर बाफना, हर्षवर्धन बाफना, निर्वी गोलेछा, काशवी जैन, चहल जैन आदि बच्चो ने शिविर के फायदे के बारे में अपनी बात रखी। व्यवस्था में युवक मंडल एवं महेश शर्मा ने सहयोग प्रदान किया। संचालन किशोर बाफना ने किया।

राजस्थान सरकार के मंत्रियों का बेंगलूरु में हुआ बहुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत, विधि न्याय एवं संसदीय मंत्री जोगाराम पटेल तथा आहोर के विधायक छगन सिंह राजपुरोहित के रविवार को बेंगलूरु पहुंचने पर राजस्थानी समाज की ओर से उनको सम्मानित किया गया। मंत्री गहलोत ने भाषण देते हुए राजस्थानी समाज को एकजुट रहते हुए आपसी भाईचारा कायम रखने की बात कही। मंत्री जोगाराम पटेल ने अपने सम्बोधन में बड़े व्यापारियों से कहा कि छोटे व्यापारी की मदद करते हुए उनका मार्गदर्शन करें। मंत्री ने कहा कि आप लोगों ने यहां स्थानीय लोगों के बीच रहकर जो आपसी तालमेल बनाया है वह सराहनीय है। समाजसेवी बाबू सिंह मोहराई, महेंद्र सिंह कालप्पा, ढगल सिंह, चंद्र सिंह, हापू सिंह एवं बेंगलूरु आंजणा पटेल समाज के अध्यक्ष दुर्गाराम, चांमुडामाता गौशाला मोहराई के अध्यक्ष हिरसिंह, सज्जनसिंह केमडोढ़ी, लक्ष्मीनारायण गौशाला बाडवा के अध्यक्ष सम्पत सिंह मौजूद थे।

प्रज्वल रेवन्ना यौन उत्पीड़न मामला

सीएम ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और एसआईटी टीम से ली जानकारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और एसआईटी टीम के नेताओं के साथ बैठक कर जानकारी हासिल की। दो दिन पहले रेवन्ना को पुलिस ने अपहरण के एक मामले में गिरफ्तार किया था। फिलहाल रेवन्ना एसआईटी अधिकारियों की हिरासत में हैं। हासन में कथित यौन उत्पीड़न मामले में सांसद प्रज्वल रेवन्ना का अब तक पता नहीं चल पाया है। ऐसी अफवाहें हैं कि वह विदेश में हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि सिद्धरामैया ने बैठक कर प्रज्वल को हिरासत में लेने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया। शनिवार को सिद्धरामैया ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इसके बाद रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया। विदेश में बताए जा रहे प्रज्वल रेवन्ना की जानकारी हासिल करने के लिए इंटरपोल ने सीबीआई के जरिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक कहा जा रहा है कि ब्लू कॉर्नर नोटिस सक्रिय होने के बाद प्रज्वल रेवन्ना की सटीक जानकारी एसआईटी अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। इसी पृष्ठभूमि में सिद्धरामैया ने पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और मामले की जांच के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने निष्पक्ष एवं कानूनी जांच कराने का निर्देश दिया। इस बात का ध्यान रखा जाए कि अपराधी बच न सकें। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने बिना किसी प्रभाव या दबाव में आए सबूतों के आधार पर जांच जारी रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री की बैठक के बाद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ जांच में तेजी आने की संभावना है।

ऊर्जा विभाग कर रहा संघर्ष

तापमान बढ़ने से राज्य में तेजी से बढ़ रही बिजली की खपत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तापमान बढ़ने से राज्य में बिजली की खपत बढ़ रही है। ऊर्जा विभाग लोगों की मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। बारिश और संसाधनों की कमी के कारण उत्पादन में भी गिरावट आयी है। इसके चलते राज्य सरकार ने फिर से बड़ी मात्रा में बिजली खरीदनी शुरू कर दी है। राज्य भीषण सूखे का सामना कर रहा है।

प्री-मानसून बारिश से भी मदद मिली है। तापमान बढ़ रहा है। बारिश की कमी के कारण राज्य के अधिकांश प्रमुख जलाशय सूख रहे हैं। इससे राज्य की तीन प्रमुख जलविद्युत इकाइयों में बिजली उत्पादन आंशिक रूप से बंद हो गया है। हालाँकि ताप विद्युत संयंत्रों के माध्यम से अधिक उत्पादन किया जा रहा है, लेकिन

यह मौजूदा मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है। इसके चलते बिजली की मांग को पूरा करने के लिए एस्कॉम्स भारी मात्रा में बिजली खरीद रहे हैं। राज्य में औसत तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहता है। परिणामस्वरूप, बिजली की खपत अधिक होती है।

ऊर्जा विभाग की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक अप्रैल के अंत में राज्य की बिजली खपत 330.50 मेगावाट तक पहुंच गयी है। पिछले साल 30 अप्रैल को राज्य की बिजली खपत 230 मेगावाट थी। इसका मतलब है कि पिछली बार की तुलना में अप्रैल के अंत में राज्य की कुल बिजली खपत 100 मेगावाट बढ़ गई है और राज्य की अधिकतम बिजली की मांग 16,693 मेगावाट तक पहुंच गई है। चालू वर्ष में राज्य की तीन प्रमुख जलविद्युत इकाइयों से 1,638 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। पिछले साल यह 2,212 मेगावाट थी। यानी इस साल करीब 574 मेगावाट की कमी है। ऊर्जा विभाग ने कहा कि इस साल के चार महीनों में (30 अप्रैल तक) तीनों जलविद्युत संयंत्रों से केवल 18.97 मेगावाट बिजली पैदा हुई। प्रदेश के ताप विद्युत गृहों से अधिकांश बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। रायचूर थर्मल पावर प्लांट ने अप्रैल माह में 783 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया। बेल्लारी थर्मल पावर प्लांट से 756 मेगावाट और यारामारास थर्मल पावर प्लांट से 659 मेगावाट बिजली पैदा किया गया। केपीटीसीएल ने जानकारी दी है कि राज्य में थर्मल पावर प्लांट, हाइड्रो पावर प्लांट और सोलर से अप्रैल 30 तक कुल 96 मिलियन यूनिट बिजली पैदा की गई है। बढ़ते तापमान, घटते जलाशयों और बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एस्कॉम्स को बिजली खरीदने की जरूरत है। जनवरी से अप्रैल 2024 तक कुल 4,811 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी गई है। 4 महीने में दामोदर वैली कॉर्पोरेशन से करीब 1,163 मिलियन यूनिट और उडुपी पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड से करीब 2,196 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी गई। ऊर्जा विभाग ने आंकड़े दिये हैं कि करीब 1452 मिलियन यूनिट बिजली दूसरे राज्यों से खरीदी गयी है। जनवरी महीने में कुल 1,143 मिलियन यूनिट, फरवरी में 1,198 मिलियन यूनिट, मार्च में 1,244 मिलियन यूनिट और अप्रैल में 1,226 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी गई।

पेन ड्राइव मामले में देवेगौड़ा, कुमारस्वामी के नाम के उपयोग पर प्रतिबंध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सत्र न्यायालय ने पेन ड्राइव मामले में पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के नाम के इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी द्वारा मामलों की खबरें प्रसारित करते समय उनके नाम का अनावश्यक रूप से इस्तेमाल करने से रोकने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई कर रही सत्र अदालत ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

सांसद प्रज्वल रेवन्ना का पेन ड्राइव मामला और पूर्व मंत्री रेवन्ना का महिला अपहरण का मामला गरमाया हुआ है। मामले में राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो

गया है, कांग्रेस पार्टी बार-बार पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी का नाम लेकर आरोप लगा रही थी। अनावश्यक आरोपों की पृष्ठभूमि में इन दोनों नेताओं ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। ओक्कालिगा अवेयरनेस फोरम के अध्यक्ष के.सी. गंगाधन ने कहा कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना की बताई जा रही पेन ड्राइव के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा का नाम बिना वजह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बारे में प्रेस को बयान इसलिए दिया है क्योंकि हासन की पेन ड्राइव में पूर्व प्रधानमंत्री का नाम इस्तेमाल करने से देवेगौड़ा का मन आहत होगा। इसलिए उन्होंने अनुरोध किया कि कोई भी उनके नाम का इस्तेमाल न करे। राजनीतिक नेताओं, चाहे वे किसी भी दल के हों, को पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा को मानसिक साहस देना चाहिए। विधायक एच.डी. रेवन्ना और सांसद प्रज्वल के मामले की राज्य सरकार एसआईटी से निष्पक्ष जांच कराए और तथ्य जनता के सामने लाए। यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म मामले की जांच कर रही एसआईटी ने सोमवार को शहर के बसवनगुड़ी स्थित रेवन्ना के आवास पर जाकर तलाशी ली। तीन महिला अधिकारियों सहित छह लोगों की एक टीम पीड़िता को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच बसवनगुड़ी में रेवन्ना के आवास पर ले गई और जांच की। पुलिस ने पीड़िता की मौजूदगी में महाजरू आयोजित कर उसका बयान दर्ज किया। इस समय, किसी को भी घर के पास आने से रोकने के लिए पुलिस की कड़ी व्यवस्था की गई थी।

एमजी रोड मेट्रो स्टेशन के पास एक दुकान में लगी आग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु के एमजी रोड मेट्रो स्टेशन के नजदीक स्थित एक दुकान के गोदाम में रविवार रात को आग लग गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, दो फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण अज्ञात है और पुलिस ने इसका पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। घटना में कोई घायल नहीं हुआ। हालाँकि, आग को तुरंत बुझाना मुश्किल था क्योंकि यह दुकान के गोदाम के पीछे लगी थी।

परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों ने प्रज्वल रेवन्ना पर एसआईटी के सामने पेश होने का बनाया दबाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
यौन उत्पीड़न और हासन की अश्लील पेन ड्राइव के आरोपों का सामना कर रहे सांसद प्रज्वल रेवन्ना के परिवार के सदस्य और शुभचिंतक उन पर जल्द ही विशेष जांच दल के सामने पेश होने का दबाव बना रहे हैं। आरोपों की भनक लगते ही राज्य सरकार ने जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया। मालूम हो कि प्रज्वल रेवन्ना के परिवार वाले और करीबी उनसे एसआईटी के सामने पेश होने का आग्रह कर रहे हैं। एसआईटी के सुनवाई से दूर रहने पर संदेह बढ़ेगा। साथ ही यह आरोप-प्रत्यारोप का मामला दिन पर दिन तूल पकड़ता जा रहा है। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने सुना है कि मुकदमे में शामिल हुए बिना

सुरक्षा पाना मुश्किल हो सकता है। आरोप लगते ही यह खबर तेजी से फैल गई कि प्रज्वल रेवन्ना विदेश चले गए हैं। एसआईटी ने प्रज्वल रेवन्ना का पता लगाने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी किया है। उनकी गिरफ्तारी की भी पूरी तैयारी कर ली गई है। इस स्तर पर एसआईटी के सामने पेश होने की सलाह दी जाती है। या फिर कानूनी लड़ाई शुरू करने पर आपको और भी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर वह सुनवाई में शामिल होंगे तो सच्चाई भी सामने आ जायेगी। परिवार और पार्टी की पहले ही काफी फजीहत हो चुकी है। ऐसे में पूछताछ से मुंह मोड़ना उचित नहीं है। वकील से इस मामले पर चर्चा की और उन्हें जल्द से जल्द एसआईटी के सामने पेश होने की सलाह दी।

महिलाओं की गरिमा को बनाए रखने के लिए

अश्लील वीडियो के प्रसार को रोकने के जेडीएस नेताओं ने हासन एसपी से की मुलाकात

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
हासन में जनता दल (सेक्युलर) के नेताओं ने जिले में अश्लील वीडियो के प्रसार को रोकने के लिए उपाय करने की अपील के साथ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद सुजीता से मुलाकात की। जिला जद(एस) अध्यक्ष के.एस. लिंगेश, श्रवणबेलगोला विधायक सी.एन. बालकृष्ण और अन्य लोगों ने अधिकारी से मुलाकात की। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बालकृष्ण ने कहा

कि पार्टी ने एसपी से घटनाक्रम पर नजर रखने के लिए कुछ पुलिसकर्मियों को सौंपने का अनुरोध किया था। कुछ लोग अफवाहें फैलाने में लगे हुए हैं, कुछ व्यक्तियों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस को महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली किसी भी घटना से बचना चाहिए। हमारा अनुरोध समाज और जिले के लोगों के हित में है। कर्नाटक में भाजपा की सहयोगी पार्टी जद (एस) हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना और होलेनरसीपुरा के विधायक एच.डी. रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद खबरों में है।

5 माह से वेतन नहीं दे रही गारंटी सरकार

108 एंबुलेंस कर्मचारियों की हड़ताल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले पांच महीनों से वेतन न मिलने और वेतन में कटौती जैसे मुद्दों को हल करने की मांग को लेकर 108 एम्बुलेंस कर्मचारियों ने राज्य भर में हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। हड़ताल सोमवार रात 8 बजे से शुरू हुई। इससे पूरे राज्य में एंबुलेंस सेवा में बदलाव आएगा। पूरे कर्नाटक में 108 एम्बुलेंस एसोसिएशनों में लगभग

715 एम्बुलेंस और लगभग 3,500 कर्मचारी काम कर रहे हैं। ऐसे में हड़ताल से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। यह हड़ताल जी-वीके, जो एम्बुलेंस सेवा संचालित करती है, और राज्य सरकार के बीच शिकायत के कारण है, जहां 108 एम्बुलेंस कर्मचारी फरवरी, मार्च और अप्रैल के महीनों के लिए ड्राइवरों और चिकित्सा तकनीशियनों सहित कर्मचारियों को वेतन का भुगतान न करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। एसोसिएशन के कर्मचारियों ने बताया कि पिछले पांच माह से उन्हें मात्र दो माह का वेतन मिला है। एसोसिएशन बेंगलूरु में लगभग 90 एम्बुलेंस संचालित करती है और इसमें 400 से अधिक कर्मचारी हैं। कर्नाटक राज्य स्वास्थ्य बीमा 108 कर्मचारी संघ हड़ताल कर रहा है। यूनियन ने साफ कर दिया है कि अगर उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं तो कर्मचारी सेवाएं बंद करने के लिए तैयार हैं। स्वास्थ्य विभाग को प्रार्थना पत्र देकर मांग की गई है कि इतने महीनों से काटा गया वेतन जल्द ही जारी किया जाए। ऐसा न करने पर कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि वे निर्धारित समय पर हड़ताल पर चले जायेंगे। इस कड़े फैसले से कई लोगों पर असर पड़ने की आशंका है। विशेषकर उन लोगों के लिए यह बहुत कठिन होगा जिन्हें चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है। यूनियन ने साफ कर दिया है कि अगर एंबुलेंस सेवा नहीं मिलने से मरीजों को कोई परेशानी होती है तो सीधे तौर पर सरकार जिम्मेदार होगी। हमने पहले ही 108 सेवा प्रदाताओं को आवश्यक सेवा प्रबंधन अधिनियम (ईएसएमए) नोटिस जारी कर दिया है। इसलिए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों को भरोसा है कि 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवाएं किसी भी समय बाधित नहीं होंगी।

सोशल मीडिया पोस्ट का मामला

नड्डा, अमित मालवीय और विजयेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस ने कहा कि एससी और एसटी समुदाय के सदस्यों को एक विशेष उम्मीदवार को वोट न देने के लिए कथित तौर पर धमकाने वाले एक सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय और कर्नाटक इकाई के प्रमुख बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ सोमवार को एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) द्वारा रविवार को चुनाव आयोग और पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने के बाद यह कार्रवाई की गई। एक वरिष्ठ पुलिस

अधिकारी ने कहा कि उन पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धाराओं और भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सरकार राज्य के 108 एम्बुलेंस में काम करने वाले ड्राइवरों का करे भुगतान: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस ने मांग की है कि राज्य के 108 एम्बुलेंस में काम करने वाले ड्राइवरों को भुगतान किया जाना चाहिए। इस संबंध में जेडीएस ने एक पोस्ट कर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बागलकोट में दिए गए भाषण का हवाला दिया जिसमें उन्होंने गरजते हुए कहा था कि अगर राज्य का एक भी सरकारी कर्मचारी मेरे पास आकर मुझसे कहे कि उसका वेतन नहीं दिया गया है तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। सिद्धरामैया आप कब इस्तीफा देंगे? उन्होंने कुर्सी छोड़ने से पहले एंबुलेंस चालकों को भुगतान करने की मांग की। प्रदेश की कांग्रेस सरकार को जनता से ज्यादा लोकप्रियता की लत है। सूखा प्रबंधन से ज्यादा गैरजिम्मेदारी है। गारंटी देकर लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने का दावा करने वालों के पास 108 एंबुलेंस चालकों को वेतन देने के लिए भी पैसे नहीं हैं। लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले इन ड्राइवरों को वेतन की गारंटी देना संभव नहीं है। यह शर्म की बात है कि उन्हें तीन महीने से भुगतान नहीं किया गया है।

एसआईटी ने पीड़ितों के लिए हेल्पलाइन की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हासन जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने पीड़ितों के लिए उनसे संपर्क करने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। एसआईटी प्रमुख और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बी के सिंह ने एक बयान में कहा कि पीड़ित 6360938947 पर कॉल कर सकते हैं। सिंह ने कहा कि पीड़ितों को एसआईटी कार्यालय जाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि टीम उन्हें राहत देने के लिए

व्यक्तिगत रूप से उनसे संपर्क करेगी। एसआईटी ने बड़े पैमाने पर लोगों को चेतावनी दी कि वे सोशल मीडिया या व्यक्तिगत मैसेंजर एप्लिकेशन पर रेवन्ना द्वारा कथित तौर पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ करने वाले वीडियो साझा न करें। सिंह ने कहा मैसेंजर सेवाओं पर इन वीडियो को साझा करने वाले लोगों का पता लगाना आसान है, इसलिए ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे वीडियो साझा करने से पीड़ितों की प्रतिष्ठा और सम्मान को नुकसान होगा।

पुंछ हमले में पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर का हाथ

पुंछ, 06 मई (ब्यूरो)।

सूरनकोट इलाके में शनिवार को वायुसेना के काफिले पर आतंकी हमले में पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा का हाथ बताया जा रहा है। ऐसी आशंका है कि हमले में तीन से चार आतंकी शामिल रहे हैं, जिन्होंने घात लगा रखा था।

हमले का मास्टर माइंड अबू हमजा बताया जा रहा है जो सीमावर्ती जिले राजोरी-पुंछ में आतंकी वारदातों को ऑपरेट कर रहा है। हमले में अधिक नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से स्टील बुलेट का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, अभी किसी संगठन ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है।

वहीं, दहशतगर्दों की तलाश रविवार को दूसरे दिन भी जारी रही। सुरक्षाबल 20 किलोमीटर से अधिक के दायरे को घेरकर आतंकियों का पता लगाने में जुटे हैं। तलाशी अभियान में हेलीकॉप्टर, ड्रोन, डॉग स्कवायड व पैरा कमांडो को लगाया गया है। इस दौरान संदेह के आधार पर पूछताछ के लिए छह से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आतंकियों ने अधिक से अधिक लोगों को हताहत करने के लिए एके असॉल्ट राइफलों के अलावा अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन और स्टील की गोलियों का भी इस्तेमाल किया। हमले के बाद हमलावर जंगल में भागकर छिप गए हैं। जम्मू केआईजीपी आनंद जैन और सेना और खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों को मार गिराने के लिए शाहसितार, गुरसाई, सनाई और शीनदारा टॉप समेत कई इलाकों में सेना और पुलिस का संयुक्त अभियान चल रहा है। सीमावर्ती पुंछ जिले के साथ-साथ निकटवर्ती राजोरी में पिछले दो वर्षों में बड़े आतंकी हमले हुए हैं। इस क्षेत्र में 2003 से 2021 के बीच आतंकवाद समाप्त हो गया था।

इस बीच एक्स पर किए एक पोस्ट में वायु सेना ने बलिदानी कॉर्पोरल विक्की पहाड़े के के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और भारतीय वायु सेना के सभी कर्मियों ने बहादुर कॉर्पोरल के सर्वोच्च बलिदान को सैल्यूट किया है। शोक संतप्त के प्रति हमारी गहरी संवेदना जताते हुए लिखा दुख की इस घड़ी में हम आपके साथ मजबूती से खड़े हैं।

पाकिस्तान का सारा जोर राजौरी और पुंछ पर

जम्मू, 06 मई (ब्यूरो)।

एलओसी से सटे जुड़वा जिले राजौरी व पुंछ सेना और अन्य सुरक्षाबलों के लिए फिलहाल सिरदर्द बने हुए हैं। हालत यह है कि पाकिस्तान द्वारा अपने पूर्व सैनिकों को आतंकी बना इन जिलों में धकेलने के कारण पिछले साल ये सुर्खियों में तो रहे ही, इस साल भी इससे मुक्ति मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। हालांकि सेना ने एक और नई पूरी ब्रिगेड को आतंकियों के सफाए के लिए धकेली जा चुकी है पर सैंकड़ों वर्ग किमी में फैले दोनों जिलों में आतंकियों का सफाया फिलहाल दूर की कौड़ी लग रहा है।

सीमावर्ती जिले राजौरी में 2023 में दर्जनों मुठभेड़ें और हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी हुई है। पिछले साल जिले के लिए साल की शुरुआत ढांगरी आतंकी हमले से हुई थी जिसके हत्यारे अभी तक गिरफ्त से बाहर है। यह सिलिसिला अब साल 2024 में भी जारी है। जिले में 2023 के दौरान बाजी माल और केसरी हिल में दो बड़ी मुठभेड़ें भी देखी गईं। इन मुठभेड़ों में 11 जवानों की जान चली गई जबकि आठ आतंकियों को ढेर कर दिया गया। पिछले साल 1 जनवरी को ढांगरी गांव में एक घातक आतंकवादी हमले में सात नागरिक मारे गए थे और तेरह अन्य घायल हो गए थे। इसके अतिरिक्त राजौरी जिले में ढांगरी हमला, बाजी माल, केसरी हिल मुठभेड़ सहित दर्जनों घटनाएं दर्ज की गईं।

जानकारी के लिए राजौरी जिला अपने 2630 वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्रफल के कारण आतंकवाद विरोधी मोर्चे पर सबसे कठिन जिलों में से एक माना जाता है। इसे मोटे तौर पर छह उपमंडलों में विभाजित किया गया है, इनमें राजौरी, थन्नामंडी, कोटरांका, कालाकोट, नौशहरा और सुंदरबनी शामिल हैं। जिला ऊपरी पीर-पंजाल पर्वत श्रृंखलाओं से शोपियां के साथ-साथ दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिलों के साथ सीमा भी साझा करता है। यह पाक कब्जे वाले कश्मीर के भिंबर, कोटली जिले से जुड़ा है। और अगर पुंछ की बात करें तो 2021 के अगस्त महीने से पिछले तीन वर्षों के दौरान सीमावर्ती पुंछ जिले में लगभग डेढ़ दर्जन आतंकी घटनाएं हुई हैं। हालांकि फरवरी 2021 में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच संघर्ष विराम समझौते के बाद पुंछ जिले में एलओसी के 115 किमी लंबे हिस्से पर स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन आंतरिक इलाकों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई है।

अगस्त, 2021 से, जिले में सेना पर चार घातक हमलों सहित लगभग डेढ़ दर्जन आतंकी घटनाएं देखी गई हैं। अनेकों मुठभेड़ और रहस्यमय विस्फोट भी हुए हैं। पुंछ जिला, जो मोटे तौर पर पुंछ मुख्यालय, मंडी और सुरनकोट सहित तीन उपमंडलों में विभाजित है, एक चुनौतीपूर्ण स्थलाकृति वाला है। इसमें 115 किमी लंबा एलओसी क्षेत्र है, जो भिंबर गली से शुरू होकर साब्जियां तक है। जिले का सुरनकोट उपमंडल मुगल रोड के माध्यम से शोपियां जिले से जुड़ता है और यहां बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखलाएं हैं, जबकि पुंछ उपमंडल के लोरन और सौजियान क्षेत्र बारामुल्ला जिले के कुछ हिस्सों से जुड़ते हैं और यहां पर्वत श्रृंखलाएं हैं जहां सर्दियों में भारी बर्फबारी होती है।

इससे पहले आतंकियों ने 12 जनवरी को कृष्णा घाटी इलाके में सैन्य वाहनों को निशाना बनाया था, जिसमें चार जवान बलिदान हो गए थे। इससे पहले 22 दिसंबर 2023 को डेरा की गली इलाके में सैन्य वाहनों पर हमला किया गया था। अब यह तीसरा हमला है। इन तीनों हमलों में पांच जवान बलिदान हो गए, जबकि कई जवान घायल हुए हैं। पुंछ में पिछले 30 महीनों में आतंकियों की ओर से हमले की यह छठी घटना है। 2021 से शुरू हुई घटनाओं में अब तक 21 जवान बलिदान हो गए हैं। इन घटनाओं में कई जवान घायल भी हुए हैं। दरअसल 2020 तक लगभग एक दशक तक जिला शांतिपूर्ण रहा, लेकिन भीतरी इलाकों की सुरक्षा के मामले में चीजें तेजी से बदल गईं, जिससे सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के बीच चिंता की लहर फैल गई। सुरक्षाबलों की चिंता इन दोनों जिलों में यह है कि कश्मीर से आतंकी इन्हीं जिलों में एक्टिव हो चुके हैं तो सेना आप मानती है कि पाकिस्तान अपने दर्जनों पूर्व सैनिकों को आतंकी बना इन जिलों में धकेल चुका है।

सेना की चिंता आतंकियों की स्टील की गोलियां

जम्मू, 06 मई।

जम्मू कश्मीर में आतंकियों द्वारा अब घातक हमलों में स्टील की गोलियों का इस्तेमाल भारतीय सेना की चिंता का सबब इसलिए बन गया है क्योंकि वह अभी तक अपने सभी सैनिकों लेवल 4 की बुलेट प्रूफ जैकेटें मुहैया नहीं करवा पाई हैं। नतीजतन इन गोलियों का इस्तेमाल कर आतंकी दहशत भी इसलिए फैला रहे हैं क्योंकि ये बख्तरबंद वाहनों को भी भेद्य रही हैं।

दरअसल राजौरी तथा पुंछ में सेना पर हुए प्रत्येक घातक हमले में आतंकियों ने इन गोलियों का इस्तेमाल किया है। अधिकारियों के बकौल, इसी कारण अधिकतर सैनिकों की जानें गई हैं। स्टील गोलियों से आतंकी जवानों की बुलेट प्रूफ जैकेट, बुलेट प्रूफ टोपियों व पटकों को भेदने में कामयाब रहे। यहां तक की बख्तरबंद वाहन भी इन गोलियों की मार को सहन नहीं कर पाए थे। वैसे यह कोई पहला अवसर नहीं था कि हमलों में आतंकियों ने स्टील बुलेट का इस्तेमाल किया हो। कश्मीर में आतंकी कई बार इसका इस्तेमाल कर चुके हैं। इस बुलेट को बेहद घातक माना जाता है। सबसे पहले स्टील बुलेट का इस्तेमाल जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने अगस्त 2016 में पुलवामा में सुरक्षाबलों के एक शिविर पर हमले में किया था। इसके बाद 31 दिसंबर 2017 की रात को लेथपोरा, पुलवामा में सीआरपीएफ के कैंप पर आत्मघाती हमले में शामिल आतंकियों ने भी स्टील बुलेट का इस्तेमाल किया था। जून 2019 में अनंतनाग में भी आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर हमले में स्टील बुलेट का ही इस्तेमाल किया था। इसी साल मार्च में शोपिया में मारे गए जैश आतंकी सज्जाद के पास से भी स्टील बुलेट मिली थी।

सामान्य तौर पर एके-47 में या फिर किसी अन्य राइफल में इस्तेमाल होने वाली गोली का अगला हिस्सा तांबे का बना होता है, जो बुलेट प्रूफ स्टील या कांच के कवच को नहीं भेद सकता। स्टील बुलेट एक खास तरह के मजबूत स्टील से तैयार होती है। यह छह से सात इंच मोटी स्टील की चादर या बुलेट प्रूफ को भी आसानी से भेद सकती है। कश्मीर में आतंकियों के पास यह स्टील बुलेट पाकिस्तान से पहुंचती है और पाकिस्तान को चीन ने इनकी टैक्नोलाजी दी है। स्टील बुलेट को स्विस आर्मी के कर्नल एडवर्ड रुबिन ने 1982 में बनाया था, जबकि इनका इस्तेमाल 1886 में फ्रांस में विद्रोह के खिलाफ हुआ था।

बताया तो यह भी जा रहा है कि जम्मू कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों ने स्टील कोर बुलेट और कनाडाई नाइट साइट्स का उपयोग करना शुरू कर दिया है, जिन्हें अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन ने अफगानिस्तान से पीछे हटने के लिए मजबूर होने के बाद छोड़ दिया था। कथित तौर पर अमेरिकी सेनाएं अफगानिस्तान में अरबों डालर के हथियार और उपकरण छोड़ गई थीं। अगर अधिकारियों पर विश्वास करें तो आतंक के खिलाफ युद्ध शुरू करने के 20 साल बाद अफगानिस्तान छोड़ने वाली अमेरिकी सेना ने एम-16 असाल्ट राइफलों और एम-4 कार्बाइन के साथ स्टील बुलेटों को बड़ी संख्या में पीछे छोड़ दिया है। उसके पीछे हटने के बाद, अफगानिस्तान तालिबान के नियंत्रण में आ गया।

भारतीय सुरक्षा बलों को आशंका थी कि बचे हुए हथियार पाकिस्तान के रास्ते भारत पहुंच चुके हैं। इनसे निपटने के लिए सेना ने

सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में तीन माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उच्च न्यायालय से अपनी याचिका खारिज होने के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देते हुए सोमवार को शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष श्री सोरेन का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने रखा।उन्होंने लोकसभा के लिए 13 अप्रैल से शुरू और एक जून के अंतिम चरण के होने वाले मतदान के साथ ही अनुच्छेद 32 के तहत पहले दायर अपनी याचिका का जिक्र करते हुए (उच्च न्यायालय के आदेश के बाद दायर) विशेष अनुमति याचिका पर शीघ्र सुनवाई के अनुरोध पर किया। इस पर पीठ उनसे कहा कि वह दोनों याचिकाओं के संबंध में ईमेल संदेश के जरिए सूचित करें।

झारखंड उच्च न्यायालय ने श्री सोरेन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका तीन मई को खारिज कर दी थी।अदालत ने इस मामले में सुनवाई पूरी कर 28 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 32 के तहत दायर श्री सोरेन की याचिका पर सुनवाई करते हुए 29 अप्रैल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया था। साथ ही, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि उच्च न्यायालय छह मई से शुरू होने वाले सप्ताह से पहले चाहे तो कोई आदेश पारित कर सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति

संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने 29 अप्रैल को पारित करते हुए इस मामले को अगले छह मई से शुरू होने वाले सप्ताह के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था।

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि इस बीच झारखंड उच्च न्यायालय (जिसने इस मामले में 28 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था) चाहे तो कोई आदेश पारित कर सकता है। न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष 28 अप्रैल को पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्री सिब्बल ने 24 अप्रैल को भी झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता श्री सोरेन का पक्ष रखते हुए उनकी ओर से अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया था। श्री सिब्बल ने पीठ के समक्ष 'विशेष उल्लेख' के दौरान कहा था कि इस मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय ने 27 और 28 फरवरी को सुनवाई की थी, लेकिन अभी तक (24 अप्रैल) कोई आदेश पारित नहीं किया गया है।

पीठ के समक्ष उन्होंने कहा था कि उच्च न्यायालय के आदेश पारित कराने में देरी का मतलब यह होगा कि पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन को लोकसभा चुनाव के दौरान जेल में ही रहेंगे। उन्होंने दलील देते हुए कहा था कि उच्च न्यायालय की ओर से इस मामले में कोई आदेश पारित करने में देरी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन ने अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत के समक्ष याचिका दायर की थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी) ने 31 जनवरी 2024 को पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के मद्देनजर उसी दिन उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने तब राहत की गुहार लगाते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन तब उन्हें को राहत नहीं मिली। उनकी याचिका दो फरवरी को खारिज कर दी गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की विशेष पीठ ने तब (दो फरवरी को) याचिका खारिज करते हुए सोरेन को अपनी जमानत के लिए झारखंड उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा था।

पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन को झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जनवरी 24 को एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद में गिरफ्तार किया था। राज्य की एक विशेष अदालत ने एक फरवरी को उन्हें एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जिसकी अवधि सामय-समय बढ़ाई गई। शीर्ष अदालत की पीठ ने दो फरवरी को याचिका खारिज

छात्रों को 21 वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाना जरूरी: मुर्मु

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि प्रौद्योगिकी और कौशल के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों को देखते हुए छात्रों को 21 वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाना होगा। श्रीमती मुर्मू ने धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है लेकिन अब इसकी गति बहुत तेज़ है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे नए क्षेत्र तेजी से उभर रहे हैं जिसके कारण प्रौद्योगिकी और आवश्यक कौशल भी बहुत तेज़ी से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 21 वीं सदी के शुरू में कोई नहीं जानता था कि अगले 20 या 25 वर्षों में लोगों को किस तरह के कौशल की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, कई मौजूदा कौशल अब भविष्य में उपयोगी नहीं रहेंगे, इसलिए हमें लगातार नए कौशल अपनाने होंगे। युवाओं को इस तरह से ढाला जाना चाहिए कि वे तेजी से हो रहे बदलावों के साथ तालमेल बैठा सके। हमें छात्रों में सीखने की जिज्ञासा और इच्छा को मजबूत कर उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो छात्रों को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाए और उनके चरित्र तथा व्यक्तित्व का निर्माण करे। शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में अपनी संस्कृति, परंपरा और सभ्यता के प्रति जागरूकता लाना भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस संबंध में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उनका कार्य क्षेत्र केवल शिक्षण तक ही सीमित नहीं है, उन पर देश के भविष्य के निर्माण की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा, हमारा ध्यान क्या सीखें के साथ-साथ कैसे सीखें पर भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब छात्र बिना किसी तनाव के स्वतंत्र रूप से सीखते हैं, तो उनकी रचनात्मकता और कल्पना को उड़ान मिलती है। ऐसे में वे शिक्षा को सिर्फ आजीविका का पर्याय नहीं मानते. बल्कि, वे नवप्रवर्तन करते हैं, समस्याओं का समाधान ढूंढते हैं और जिज्ञासा के साथ सीखते हैं।

राष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि हर व्यक्ति में अच्छाई और बुराई दोनों की क्षमता होती है इसलिए छात्रों को कभी बुराई को अपने उपर हावी नहीं होने देना चाहिए चाहे वे कितनी भी कठिन परिस्थिति में क्यों न हों। उन्होंने छात्रों से करुणा, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता जैसे मानवीय मूल्यों को आदर्श बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों के आधार पर वे सफल और सार्थक जीवन जी सकते हैं।

भारतीय तटरक्षकों ने केरल के निकट ईरानी नौका की जब्त

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

भारतीय तटरक्षकों ने केरल में बेपोर के निकट समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने वाली ईरान की एक नौका जब्त कर उस पर सवार भारतीय चालक दल के छह सदस्यों को हिरासत में लिया है। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि तटरक्षक पोत और विमानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस नौका की घेराबंदी कर इसे पकड़ा।

भारतीय तटरक्षकों ने रविवार को इस नौका को जब्त करने के बाद इसकी तलाशी ली जिससे यह पता लगाया जा सके कि इस नौका के जरिये किसी तरह की देश विरोधी गतिविधि को तो अंजाम नहीं दिया जा रहा था। आरंभिक जांच में पता चला कि नौका का मालिक ईरान का है और उसने तमिलनाडु से कुछ भारतीय मछुआरों को मछली पकड़ने के लिए ठेके पर रखा था। उसने इन सभी को ईरान का वीजा भी दिलाया था। भारतीय मछुआरों ने आरोप लगाया कि नौका के मालिक ने उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया और उनका पासपोर्ट जब्त कर उन्हें बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित रखा है। उन्होंने कहा कि वे सभी इस नौका में ईरान से जान बचाकर आये हैं। जब्त की गयी नौका को मामले में आगे की जांच के लिए कोच्चि ले जाया गया है।

उपराज्यपाल ने की केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफ़ारिश

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस से कथित तौर पर धन प्राप्त करने के मामले में सोमवार को मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) जांच की सिफारिश की है।

केंद्रीय गृह सचिव को लिखे पत्र में उपराज्यपाल सचिवालय ने कहा कि सक्सेना को शिकायत मिली थी कि केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी को कथित तौर पर देवेन्द्र पाल भुल्लर की रिहाई के लिए चरमपंथी खालिस्तानी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर की वित्तीय मदद मिली थी। पत्र में कहा गया है कि उपराज्यपाल को यह पत्र वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन-इंडिया नामक संगठन ने लिखा है। इसमें बताया गया है कि आम आदमी पार्टी ने यह चंदा 2014 से 2022 के बीच में लिया। उपराज्यपाल ने अपने पत्र ने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के फॉरेंसिक परीक्षण सहित जांच की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय है कि श्री केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

आज भारत की तरफ कोई आंख नहीं उठा सकता, ये है मोदी की गारंटी: योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को किया संबोधित

उन्नाव, 06 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस और सपा का इतिहास प्रभु राम का विरोध करने वाला रहा है। कांग्रेस कहती थी कि प्रभु राम हुए ही नहीं जबकि सपा कहती थी कि अयोध्या में एक भी परिंदा पर नहीं मार सकता है। यह इनका दोहरा चरित्र है। ऐसे में आप सभी को इन पर कभी विश्वास नहीं करना है। देश को सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए तीसरी बार फिर से मोदी सरकार बनानी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सोमवार को उन्नाव में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए

अब तक दो चरणों में 191 सीटों पर मतदान हो चुका हैं। यहां पर लोगों के मन में मोदी सरकार को दोबारा लाने के लिए एक नई उत्सुकता देखने को मिली है। यह अचानक नहीं हुआ बल्कि पिछले 10 वर्षों में देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जो परिवर्तन किया गया है, यह इसी का नतीजा है। हम अगर वर्ष 2014 से पहले और बाद के कार्यों की तुलना करें तो जमीन-आसमान का अंतर नजर आएगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उन्नाव लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी और सांसद साक्षी महाराज के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने शासनकाल में आतंकवादियों के मुकदमे वापस ले रही थी। इन लोगों ने अयोध्या, रामपुर में सीआरपीएफ कैंप, काशी में संकटमोचन मंदिर, लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी की कचहरी पर हमला करने वाले आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने का प्रयास किया था। इस पर न्यायालय ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि आज आप इनके मुकदमे वापस लेने की बात कह रहे हैं और कल इन्हें पद्म पुरस्कार से नवाजेंगे। इसके बाद न्यायालय ने समाजवादी पार्टी को रोका था। सरकार का यह कृत्य खतरनाक व निंदनीय है। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में जहां एक ओर रामलला विराजमान हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े माफिया की राम नाम सत्य की यात्रा निकल रही है। सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन के मेनिफेस्टो में अल्पसंख्यकों को खाने पीने की पूरी स्वतंत्रता देने की बात कही गयी है। यह जनता को नहीं बता रहे हैं कि ऐसा कौन सा खानपान है जो बहुसंख्यक समाज नापसंद करता है। दरअसल, बहुसंख्यक समाज गौ माता की पूजा करता है और वह गौकशी को बर्दाश्त नहीं कर सकता है। वहीं अल्पसंख्यक समाज गौमांस को पंसद करता है। ऐसे में हम किसी की रुचि के अनुसार खान-पान की स्वतंत्रता कतई नहीं देंगे। इसके लिये चाहे हमे कोई भी कीमत चुकानी पड़े।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपील की कि आतंकवादियों के समर्थक और राम का अपमान करने वालों को वोट नहीं देना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर में धारा 370 समाप्त करके दुनिया को बता दिया कि देश में सशक्त और दृढ़ इच्छा रखने वाली सरकार है। सीएम ने कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ही ऐसे कड़े कदम उठा सकती है, जो पिछले सरकारें नहीं कर सकीं। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोग देशवासियों को न सम्मान दिला सकते हैं और न ही सुरक्षा दे सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि मोदी सरकार ने दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ाने के साथ नए भारत और उसकी सोच को साफ कर दिया है। अब भारत की तरफ कोई भी आंख उठाकर नहीं देख सकता है। यही मोदी की गारंटी है। उन्होंने कांग्रेस पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि विनाश काले विपरीत बुद्धि यही कांग्रेस का हाल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जीवन भर पाप किया। उन्हे अब जाते-जाते अच्छे काम करने चाहिये, लेकिन वह जाते-जाते भी अपना नरक बिगाड़ना चाहते हैं। सीएम ने वोटिंग की अपील करते हुए कहा कि हमें अति आत्मविश्वास से बचना होगा। 13 मई को भीषण गर्मी होगी, लेकिन उस दौरान हम सभी को अपना दायित्व निभाना है। हम सभी को पहले मतदान फिर जलपान को आत्मसात करते हुए अपने साथ दो और परिवारों को मतदान के लिए साथ लेकर जाना है।

कांग्रेस के डीएनए में है रामद्रोह और राष्ट्रद्रोह : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन पर साधा निशाना

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें रामद्रोही और राष्ट्रद्रोही बताया है। अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने लगातार रामभक्तों और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का अपमान किया है। उसका ये आचरण दिखाता है कि वह वास्तव में सनातन राष्ट्र का अपमान करती रही है। कांग्रेस ने कभी कोई अवसर नहीं छोड़ा जब उसने देश और दुनिया में भारत को अपमानित न किया हो और सनातन धर्म को गाली न दी हो। उन्होंने कहा कि ये इंडी गठबंधन का करेक्टर है। ये लोग लगातार भारत की आत्मा को गाली देते हैं। हर प्रकार का प्रयास करते हैं कि बहुसंख्यक समाज अपमानित महसूस करे। चाहे कांग्रेस हो, सपा हो, नेशनल कांफ्रेंस हो या डीएमके हो, इन सभी का आचरण निंदनीय है और इनका आचरण ही इन्हें रसातल की ओर धकेल रहा है। कांग्रेस की नेता राधिका खेड़ा को रामलला के दर्शन करने पर उनकी पार्टी द्वारा अममानित किए जाने को लेकर पूछे गये

सवाल पर योगी ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में रामद्रोह है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ श्रीराम का ननिहाल है, कोई भी रामभक्त किसी भी पार्टी का हो सकता है। कांग्रेस नेताओं द्वारा अपनी पार्टी की नेत्री का अपमान किया गया है, ये दिखाता है कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन के डीएनए में रामद्रोह है और जो रामद्रोही है वो राष्ट्रद्रोही भी है। भारत का कोई भी जागरूक नागरिक इन्हें वोट नहीं करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने आचरण से मजबूर हैं। सीएम योगी ने सभी रामभक्तों और नागरिक से अपील करते हुए कहा, जाके प्रिय न राम-बदैही, तजिये ताहि कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही।। उन्होंने कहा कि कोई कितना भी आपका स्नेही हो, अगर वह राम विरोधी आचरण कर रहा है, तो मान के चलिए कि वह राष्ट्र विरोधी आचरण कर रहा है।

तीसरे चरण में 10 सीटों पर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए तैयार यूपी

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 10 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया 7 मई मंगलवार को संपन्न होगी। तीसरे चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील की है। उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश के संभल, हाथरस, आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला और बरेली लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव होने जा रहा है। यह लोकसभा क्षेत्र प्रदेश के 12 जिलों में अवस्थित हैं। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदेय स्थलों पर जो मतदाता सायं 6:00 बजे उपस्थित रहेंगे, उन मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया जा सकेगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि तृतीय चरण में कुल 1,89,14,788 मतदाता हैं, जिसमें 1,01,44,345 पुरुष मतदाता तथा 87,69,696 महिला मतदाता एवं 747 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। सबसे अधिक मतदाता आगरा (20 लाख 72 हजार 685) तथा सबसे कम मतदाता एटा (17 लाख 524) लोकसभा क्षेत्र में हैं। 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 100 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमे 8 महिला प्रत्याशी भी शामिल हैं। सबसे अधिक 13 प्रत्याशी बरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में तथा सबसे कम 7 प्रत्याशी फिरोजाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में है। उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में कुल 20415 मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) तथा 12339 मतदान केंद्र हैं। इन मतदेय स्थलों में से 4390 क्रिटिकल हैं।

मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 3 विशेष प्रेक्षक, 10 सामान्य प्रेक्षक, 6 पुलिस प्रेक्षक तथा 14 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1887 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 241 जोनल मजिस्ट्रेट, 668 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 2859 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने के लिए 4783 भारी वाहन, 5462 हल्के वाहन तथा 88420 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। चुनाव में मतदान के लिए 25819 ईवीएम की कंट्रोल यूनिट, 25819 बैलट यूनिट तथा 27597 वीवीपैट तैयार किए गए हैं। चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गई है। तीसरे चरण के निर्वाचन के दौरान अर्द्ध सैनिक बलों/पुलिस बलों के व्यवस्थापन के दृष्टिगत आकस्मिकता की स्थिति में मेडिकल सहायतार्थ एयर एम्बुलेंस एवं हेलीकाप्टर की व्यवस्था भी की गई है। हेलीकाप्टर की लोकेशन 6 व 7 मई को आगरा में तथा एयर एम्बुलेंस की लोकेशन 7 मई को बरेली में रहेगी।

कांग्रेसियों की मति मारी गई है, जो भगवान का विरोध कर रहे हैं : योगी

हरदोई के भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश रावत के समर्थम में हुई जनसभा

हरदोई, 06 मई (एजेंसियां)। सृष्टि के प्रारंभ से ही दो प्रकार के मानव रहते आए हैं। एक वे जीव हैं जो श्रीहरि विष्णु के विरोधी हैं और दूसरा वे, जो ईश्वरीय सत्ता के स्नेही हैं। हरदोई वाले श्रीहरि विष्णु के स्नेही हैं। देश में एक तरफ भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के भक्त हैं तो दूसरी तरफ रामद्रोही हैं। एक तरफ ईश्वरीय सत्ता पर विश्वास करने वाली भाजपा है तो दूसरी तरफ राम का द्रोह करने वाले। कांग्रेस ने अपने प्रवक्ता के खिलाफ इसलिए कार्रवाई कर दी, क्योंकि वे रामलला का दर्शन करने गई थीं। कांग्रेसियों की मति मारी गई है, जो भगवान का विरोध कर रहे हैं। इनकी दुर्गति तय है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने हरदोई के सांसद व भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश रावत के लिए सोमवार को शाहाबाद में जनसभा

की। भीड़ देख अभिभूत सीएम ने कहा कि भीषण धूप में गर्मी व लू की परवाह किए बिना आप भाजपा को आशीर्वाद देने आए हैं। आपका उत्साह बता रहा कि आएंगे फिर मोदी ही। पूरे देश में जनता कह रही है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। राम को लाने रामभक्त ही आएंगे, रामद्रोही नहीं। सीएम योगी ने कहा कि हरदोई में भी मेडिकल कॉलेज बन गया। गंगा एक्सप्रेसवे भी हरदोई से होकर जा रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे के जरिए हरदोई से दिल्ली महज चार व प्रयागराज डेढ़-दो घंटे में पहुंच जाएंगे। इसमें औद्योगिक क्लस्टर बनेंगे। हजारों नौजवानों के लिए नौकरी व रोजगार के अवसर भी आएंगे। कांग्रेस व सपा सरकार के समय गरीब भूखों मरता था, आज 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा है। इन लोगों ने 65 वर्ष शासन किया पर कुछ कर नहीं पाए। उप्र में किसी के बीमार होने पर हम पीड़ित के जनधन अकाउंट में पैसा भेजते हैं और कहते हैं कि इलाज कराओ। अब आने वाली सहायता में कोई कमीशन नहीं ले सकता, क्योंकि जनधन अकाउंट खुल गया है। कांग्रेस-सपा शासन में किसान आत्महत्या करता था, आज उसे किसान सम्मान निधि मिल रही है।

सीएम योगी ने कहा कि चेहरा देखकर काम नहीं होता है। संसाधन पर किसी वर्ग विशेष का अधिकार है, अब यह दावा करने वाले प्रधानमंत्री नहीं हैं। वे सबका साथ-सबका विश्वास की बात कहते हैं। मोदी सपने नहीं, हकीकत बुनते हैं, इसलिए बार-बार आमजन मोदी जी को चुनते हैं। सुरक्षा, सम्मान, समृद्धि, विकास के कारण पनपे जनविश्वास से ही बार-बार सरकार बन रही है। सीएम ने कहा कि रामलला कब विराजमान होंगे, यह देखने पीढ़ियां तड़प रही थीं। कांग्रेसी कहते थे कि राम हुए ही नहीं, लेकिन मोदी जी रविवार को फिर अयोध्या गए थे। प्रभु राम को साष्टांग प्रणाम किया। भगवान श्रीराम आरती की, फिर रात 9 बजे तक उनका रोड शो चलता रहा। अयोध्या के साथ ही पूरे देश से भी एक लाख लोग वहां पहुंचे थे। काशी विश्वनाथ धाम हो या विंध्यवासिनी धाम। अपने यहां के मठ-मंदिरों को देखिए, यहां भी धनराशि उपलब्ध कराई है। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सरकार में भेदभाव के दिन दूर हो गए कि कब्रिस्तान के लिए पैसा आएगा और श्मशान घाट के लिए नहीं आएगा। बिजली केवल चार जिलों को नहीं, बल्कि सभी 75 जिलों को समान रूप से मिल रही है।

सीएम ने कहा कि युवाओं के लिए भारत को विकसित बनाना है। आने वाली पीढ़ी 25 साल बाद भी खुशहाल रहे। कोई गरीब, कमजोर, बदहाल न रहे। ऐसा भारत चाहिए और इसके लिए मोदी आज जरूरी है। 2022 में शाहाबाद से रजनी तिवारी को जिताया और सरकार बनवाई।

अकबर और औरंगजेब की औलादों को बताना जरूरी, यह नया भारत है: योगी

शाहजहांपुर, 06 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव में पंच प्रण की बात कही। इसमें उन्होंने गुलामी के अंशों को समाप्त करना और विरासत के सम्मान की भी बात कही थी। अयोध्या में राम लला के दिव्य-भव्य मंदिर का निर्माण, काशी में विश्वनाथ धाम, शाहजहांपुर में अमर शहीदों का म्यूजियम और हनुमंत धाम में बजरंगबली की विराट प्रतिमा का निर्माण विरासत के सम्मान को दर्शाता है। देश में एक तरफ भारत के अमर बलिदानियों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखने वाली भारतीय जनता पार्टी है तो वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का इंडी गठबंधन है। सपा के गुंडों ने दो दिन पहले मैनपुरी में राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप की मूर्ति पर चढ़ कर उनकी आन-बान-शान के प्रतीक भाला को तोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने प्रतिमा को अपवित्र करने के साथ गाली गलौज की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सोमवार को शाहजहांपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए।

अकबर और औरंगजेब की इन औलादों को बताना जरूरी है कि यह नया भारत है, जो राष्ट्रनायकों का अपमान स्वीकार नहीं करता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार शाहजहांपुर लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने सांसद व लोकसभा प्रत्याशी अरुण सागर के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा के गुंडों ने पहले भी भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को भी अपवित्र करने का प्रयास किया था। प्रदेश में कानून का राज स्थापित होने के बाद भी चुनाव आने पर सपा के गुंडों की गर्मी चढ़ने लगती है। इनको लगता है कि अब यह फिर से जनता पर अपना कहर ढहाने लग जाएंगे, लेकिन यह इनकी गफलत है। सीएम योगी ने कहा कि चुनाव परिणाम आएंगे और इन गुंडों की गर्मी भी धीरे-धीरे करके अपने आप शांत होती जाएगी। उन्होंने कहा कि शाहजहांपुर से एक्सप्रेसवे गुजर रहा है। इस पर एक एयर स्ट्रिप भी बनाने जा रहे हैं ताकि अगर कभी किसी दुश्मन से युद्ध करना पड़े तो भारतीय वायु सेवा के विमान शाहजहांपुर के एक्सप्रेस-वे पर उतर करके हमला कर सकें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी और लू में भी जनसभा में आए लोगों को धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को पुष्ट और मजबूत करने के लिए अपनी सहभागिता के जरिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की संकल्प को साकार करने का आपका योगदान मुझे अभिभूत कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के बलिदानियों का सपना और संकल्प साकार कर रहे हैं। इन महानायकों का ही आशीर्वाद है कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया का सिरमौर बनता दिखायी दे रहा है। हमारी वर्तमान पीढ़ी धन्य है, जिन्होंने 500 वर्षों के बाद रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को अपनी आंखों से देखा है। यही सपना हमारे बलिदानियों का था, जिन्होंने फांसी के समय भी बार-बार भारत की धरती पर जन्म लेने की बात कही थी। देश के क्रांतिकारियों महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह महाराज, महारानी लक्ष्मीबाई, मंगल पांडे आदि का लंबा इतिहास रहा है, जो बिना डगे और थके भारत की स्वाधीनता के लिए लगातार लड़ते रहे।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, जितिन प्रसाद, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, पूर्व मंत्री सुरेश राणा, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, लोकसभा प्रभारी राम गोपाल मिश्रा, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, विधायक वीर विक्रम सिंह, चेतराम, हरि प्रकाश वर्मा, सलोनी कुशवाहा, एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता आदि शामिल हुए।

मंगलवार को प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों पर होगा मतदान

तीसरे चरण में और मजबूत होगी भाजपा की बढ़त

लखनऊ, 06 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में भाजपा को पिछले दो चरणो की तरह एक बार फिर विपक्ष पर बढ़त हासिल करने का भरोसा है। तीसरे चरण में मंगलवार को प्रदेश की कुल 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न होने जा रहे हैं। इन 10 सीटों (संभल, बरेली, बदायूं, एटा, आंवला, फतेहपुर सीकरी, हाथरस, फिरोजाबाद, मैनपुरी और आगरा) पर सभी प्रत्याशी भाजपा से होंगे। इन उम्मीदवारों के लिए पीएम मोदी और सीएम योगी द्वारा जमकर चुनाव प्रचार किया गया है। इन रैलियों व जनसभाओं में सीएम योगी ने राज्य में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पा रहे लाभार्थी वर्ग से बढ़चढ़कर मतदान की अपील की है। इन दस सीटों पर 2017 से 2024 के बीच डबल इंजन सरकार द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि हो या कन्या सुमंगला योजना, पीएम स्वनिधि योजना से लेकर उज्ज्वला योजना तक दर्जनों योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति और महिला तक पहुंचाया है। बिना लीकेज जन-जन तक पहुंची योजनाओं के लाभार्थियों का रुझान भी एनडीए की ओर है। मंगलवार को यह लाभार्थी वर्ग पीएम मोदी के 400 पार और सीएम योगी के 80 में 80 के संकल्प को पूरा करने के लिए ईवीएम पर कमल का बटन दबाएगा।

यदि सिर्फ इन 10 लोकसभा सीटों की बात करें तो किसानों के लिए शुरू की गई योजनाओं का बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला है। इसके अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि के तहत यहां 24,35,533 किसानों के खातों में धनराशि हस्तांतरित की गई है। प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत इन 10 सीटों पर 2017 से 2024 के बीच कुल 1,47,352 आवास वितरित किए गए हैं। इसमें बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री आवास भी शामिल हैं। यही नहीं,इन लोकसभा क्षेत्रों में कुल मिलाकर 23,28,799 शौचालयों का निर्माण कराया गया है, जिनमें व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों तरह के शौचालय शामिल हैं।

प्रदेश में योगी सरकार ने निराश्रित, वृद्धावस्था और दिव्यांग पेंशन के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया है। इसी क्रम में इन 10 सीटों पर 6,41,702 महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन का लाभ मिल रहा है, जिसमें एक हजार रुपए प्रतिमाह प्रदान किया जा रहा है। इसी तरह, 11,40,101 वृद्धजनों को सरकार की ओर से इन सीटों पर वृद्धावस्था पेंशन का लाभ भी मिल रहा है। वहीं 1,14,926 दिव्यांगों को दिव्यांगजन पेंशन प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त इन 10 लोकसभा सीटों पर 37,249 बेटियों का सामूहिक विवाह भी संपन्न कराया गया है। इसी तरह, 2,06,266 बेटियों को कन्या सुमंगला योजना का लाभ मिला है, जिसके तहत बेटी के जन्म से लेकर स्नातक की पढ़ाई तक विभिन्न चरणो में धनराशि प्रदान की जाती है।

पुदीने के तेल के स्वास्थ्य लाभ

लगभग सभी आवश्यक तेलों में से पुदीने का तेल सबसे ज्यादा उपयोगी और स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। इसे विश्व की सबसे पुरानी औषधि भी कहा जाता है। इस तेल में विटामिन 'ए' और 'सी' के साथ मैंगनीज, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फोलेट, पोटेशियम और कॉपर जैसे मिनरल पाए जाते हैं। इसके अलावा यह ओमेगा 3 फैटी एसिड भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। आप पुदीने के तेल के इस्तेमाल से कैसे रोगमुक्त हो सकते हैं।

इन समस्याओं में मिलता है फायदा

पाचन क्रिया को दुरुस्त रखे: औषधीय गुणों से भरपूर पुदीने का तेल पेट की समस्याओं जैसे अपच, गैस और पेट में मरोड़ आदि के लिए वरदान माना जाता है। समस्या होने पर थोडा सा पुदीने का तेल खाने में डाले या खाने के बाद इस तेल की कुछ बूंदें एक गिलास गर्म पानी में डालकर पीएं। यह आपके भूख न लगने की समस्या का भी बेहतरीन इलाज है। यह दस्त, मतली, पेट में अन्य प्रकार की गड़बड़ी आदि समस्याओं को ठीक करने में सक्षम है।

दांतों की देखभाल: पुदीने के तेल में एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं और यह सांसों की बदबू को दूर करता है। यह आपके दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ बनाता है तथा कीटाणुओं से लगता है। यह दांत दर्द में लाभदायक होने के साथ पुदीने के तेल को कई टूथपेस्ट में भी मिक्स किया जाता है।

सांस संबंधी रोगों में लाभकारी: पुदीने के तेल में मौजूद मेंथॉल से आपकी सांसों की तकलीफ काफी प्रभावी रूप से दूर होती है। यह एक उपयोगी एक्सपेक्टरेंट है, जिसकी वजह से यह आपको तुरंत राहत प्रदान करता है। पुदीने का तेल सांस संबंधित बीमारियां जैसे साइनसाइटिस, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस में भी लाभदायक है। अगर सर्दियों में आपका नाक बंद हो गया है, तो पुदीने के तेल को अपनी चेस्ट पर मलें या पानी में डालकर इसकी भाप लें। ऐसा करने से आपको तुरंत राहत मिलेगी।

सिरदर्द दूर करे: सिरदर्द की समस्या को दूर करने के लिए पुदीने का तेल काफी प्रभावी उपचार है। इस तेल को लेकर पानी मिलाकर मिक्स कर लें। इसे अपने सिर पर लगाकर अच्छे से मालिश करें। या पुदीने के तेल की कुछ बूंदें अपने रुमाल पर या कलाई पर डालकर सूंघे। यह न सिर्फ दर्द को दूर करता है, बल्कि सिर के उस भाग को सुकून भी प्रदान करता है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए: कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग आसानी से बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आप पुदीने के तेल का प्रयोग कर सकते हैं। पुदीने के तेल में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों के इलाज में मदद करता है।

मिर्गी के लिए प्रोटीन भोजन है आवश्यक

मिर्गी के रोगी को ज्यादा फैट वाला और कम कार्बोहाइड्रेड वाला डायट लेना चाहिए। मिर्गी के रोगी को प्रोटीन और विटामिन युक्त भोजन करना चाहिए। मिर्गी के रोग से पीड़ित रोगी को सुबह के समय गुनगुने पानी के साथ त्रिफला के चूर्ण का सेवन करना चाहिए। तथा फिर सोयाबीन को दूध के साथ खाना चाहिए इसके बाद कच्ची हरे पत्तेदार सब्जियां खाने चाहिए। बकरी का दूध मिर्गी के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

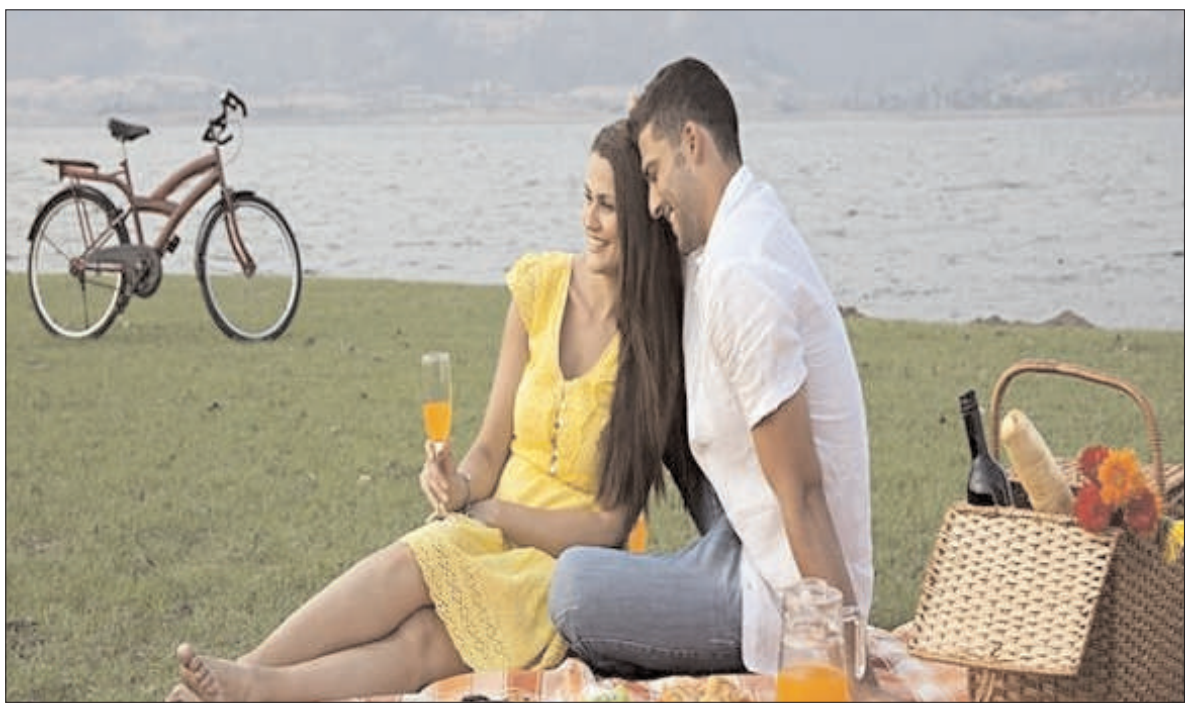

ये टिप्स मिटा देंगे रिश्तों के बीच की दूरियां

रिश्तों में प्यार हो तो जिंदगी बड़े अच्छे से गुजर जाती है। प्यार का अहसास कई बार रिश्तों की कड़वाहट को भी खत्म कर देता है। पति-पत्नी का रिश्ते में अगर एक-दूसरे की भावनाओं का ख्याल रखा जाए तो दोनों के बीच कभी कड़वाहट नहीं आती। ऐसी ही कुछ और बातें भी हैं जिनको ध्यान में रखकर दोनों के बीच कभी दूरिया नहीं आएगी।

1. साथ रहे हमेशा

कुछ पति-पत्नी दोनों ही नौकरीपेशा होते हैं। उनको एक-दूसरे के लिए समय बिताने का मौका ही नहीं मिलता। जिससे दोनों एक-दूसरे से कटे-कटे से रहते हैं। अपने कामों से थोड़ा-सा समय निकाल कर दोनों एकसाथ समय जरूर बिताएं। ऐसा करने से रिश्ता मजबूत होता है।

2. जल्दबाजी न करें

दोनों एक दूसरे की बात को समझे, प्यार से बात को सुनें और उसका हल भी निकालें। जल्दबाजी जा नजरअंदाज करने से रिश्ते उलझने लगते हैं।

3. गलती भी मानें

यह बात भी सच है कि गलती इंसान से ही होती है। अगर आपसे कोई गलती हो जाए तो उसे छिपाने की बजाए मान लें। ऐसी कोई बात नहीं होती जिसे पार्टनर आपकी मदद न करें। कोशिश करें कि जो गलती एक बार हो गई है वह दोहराई न जाए।

4. बनावटी पन से रहे दूर

कुछ लोग अपने पार्टनर को खुश करने के लिए बनावटी पन का सहारा लेते हैं। आपका यह दिखावा आज नहीं तो कल रिश्ते में खट्टास का कारण बन सकता है। ऐसे में बनावटी पन से बचें और रिश्ते की अहमियत को समझें।

दर्पण का सही तरीके से इस्तेमाल बनायेगा भाग्यशाली

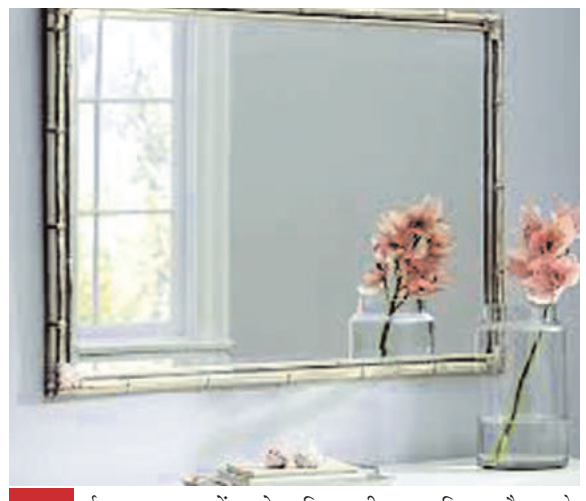

दर्पण या आइना हमें हमारे व्यक्तित्व की झलक दिखाता है। उसके बिना अच्छे से सजने-संवरने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आइना कहां लगाना चाहिए और कहां नहीं इस संबंध में विद्वानों और वास्तुशास्त्रियों द्वारा कई महत्वपूर्ण बिंदू बताए हैं। इनका सही ढंग से उपयोग हमें भाग्यशाला बना सकता है।

भोजन कक्ष में रखे हुए बड़े आईने अथवा दीवार पर लगे आईने, ऊर्जा के अद्भुत स्रोत साबित हुए हैं। भोजन करने के लिए फेंगशुई भाग्य अर्जित करने का यह बहुत ही अच्छा उपाय है। डाइनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करने वाला आईना डाइनिंग टेबल पर रखे खाने के दुगुने होने का आभास कराता है। डाइनिंग टेबल के सामने आईना फेंगशुई में अच्छा माना जाता है।

इस बात का खास खयाल रखा जाना चाहिए कि आईना टूटा-फूटा , नुकीला , चटका हुआ , धुंधला या गंदा न हो और उसमें प्रतिबिंब , लहरदार या टेढ़ा-मेढ़ा न दिखाई दे। हमारी शक्ल को ठीक ढंग से न दिखाने वाला दर्पण हमारे प्रभामंडल यानी ' ऑरा ' को प्रभावित करता है और ऐसे आईने के लंबे समय तक , लगातार इस्तेमाल से नेगेटिव एनर्जी पैदा होती है।

वास्तु के मुताबिक दर्पण का फ्रेम भी काफी अहम होता है। दर्पण का अपना असर इतना ज्यादा होता है कि यह जहां भी इस्तेमाल किया जाता है वहां की ऊर्जा को दोगुना कर सकता है , इसलिए फ्रेम का रंग कभी भी गर्म , तीखा या भड़कीला नहीं होना चाहिए। सुर्ख लाल , गहरे नारंगी या गुलाबी रंग के फ्रेम के इस्तेमाल से बचा जाना चाहिए। इसकी बजाए अगर फ्रेम नीला , हरा , सफेद , क्रीम या ऑफ व्हाइट हो तो बहुत अच्छा रहता है।

दर्पण हमेशा उत्तर अथवा पूर्व दिशा की ओर लगाए जाने पर ही शुभ होते है। दर्पण जितने हलके और बड़े होंगे, उनका प्रभाव उतना ही अधिक होगा। उत्तर और पूर्व की दीवार पर गोल दर्पण कभी नहीं लगाना चाहिए क्योंकि गोल दर्पण में समस्त सारी ऊर्जा उसके निचले बिंदु पर केंद्रित हो जाती है। जो भार वजन का प्रतिनिधित्व करती ह। भवन में नुकीले व तेजधार वाले दर्पण नहीं लगाने चाहिये। ये हानिकारक होते है। दर्पण का टूटना अशुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि कोई मुसीबत इस दर्पण पर टल गयी है। टूटे दर्पण को तुरंत ही फेंक देना चाहिए। दुकानों और शोरूमों की छत पर दर्पण लगाने की परम्परा आधुनिक युग में है। दूकान और शोरूम के ईशान और मध्य में छत पर दर्पण नहीं लगाना चाहिए। अगर दर्पण फ्रेम कहीं से टूट-फूट जाए या उसकी लकड़ी गिर जाए तो उसे जल्द से जल्द ठीक करवाना चाहिए।

दर्पण के संबंध में एक सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बेड रूम में आइना लगाना अशुभ है। ऐसा माना जाता है कि इससे पति-पत्नी को कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां झेलनी पड़ती है। यदि पति-पत्नी रात को सोते समय आइने में देखते हैं तो इसका उनकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह वास्तु दोष ही है। इससे आपके आर्थिक पक्ष पर बुरा प्रभाव पड़ता है। साथ ही पति-पत्नी दोनों को दिनभर थकान महसूस होती है, आलस्य बना रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लगे दर्पणों से एक प्रकार की ऊर्जा बाहर निकलती है। यह ऊर्जा कितनी अच्छी या कितनी अधिक खराब हो सकती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दर्पण किस स्थान पर लगा हुआ है।

दर्पण का निगेटिव प्रभाव कम करने के लिए उन्हें ढक कर रखना चाहिए अथवा इन्हें अलमारियों के अन्दर की ओर लगवाने चाहिए। पलंग पर सो रहे पति-पत्नी को प्रतिबिंबित करने वाला दर्पण तलाक तक का कारण बन सकता है। इसलिए रात्रि के समय दर्पण दृष्टि से ओझल होना चाहिए। भवन में छोटी और संकुचित जगह पर दर्पण रखना चमत्कारी प्रभाव पैदा करता है। कमरें में दरवाजे के अंदर की ओर दर्पण नहीं लगाना चाहिए।

अपने महंगे कपड़ों की ऐसे करें देखभाल

कपड़े आपके व्यक्तित्व को उभारने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन्हें लंबे समय तक सहेज कर रखने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है। ऊनी कपड़ों को ड्राई क्लीन कराएं, जबकि सफेद कपड़ों को अलग से धोएं।

डिजाइनर दिव्यम और डिजाइनर गौरव ने आसानी से कपड़ों की देखभाल करने से संबंधित ये सुझाव दिए हैं

1. कपड़ों की अलमारी के हर भाग में रूटीन के हिसाब से इस्तेमाल में लाए जाने वाले कपड़े रखें, जैसे रोजाना पहने जाने वाले कपड़े अलग हिस्से में रखें, स्पोर्ट्सवेयर, शाम को पहने जाने वाले या पटी में पहने जाने वाले और रात को पहने जाने वाले कपड़े अलग हिस्से में रखें।

2. कपड़ों को लंबे समय तक बेहतर स्थिति में बनाए रखने के लिए उन्हें फैब्रिक के हिसाब से धोएं। ऊनी और सिल्क के कपड़ों को सिर्फ ड्राई क्लीन कराएं और इन्हें उचित तापमान पर प्रेस करें।

3. सूती और लिनेन के कपड़ों को हाथ से धोकर छाया में सुखाना चाहिए। बुने हुए कपड़ों को सपाट सुखाना चाहिए। इन कपड़ों को टांगने से नेकलाइन के पास इनकी शेप बिगड़ सकती है।

4. सफेद कपड़ों को हमेशा अन्य रंग के कपड़ों से अलग धोएं, क्योंकि इन पर दूसरे रंग के कपड़े का रंग चढ़ जाने की संभावना रहती हैं।

5. अच्छे फैब्रिक वाले कपड़े खरीदें, जिससे ये ज्यादा दिन तक टिके रहें।

फैशन की चमक-दमक में कुछ भी न खरीद लें, क्योंकि ये ज्यादा दिन नहीं टिकते।

6. चाहे साड़ी हो, लहंगा, दुपट्टा या ब्लाउज, इन कपड़ों को सफेद सूती कवर में सहेज कर रखें।

आपके बहुत काम आएंगे ये छोटे-छोटे नुस्खे

सेहत को स्वस्थ्य रखने और बीमारियों से दूर रहने के लिए खान-पान और हैल्दी लाइफस्टाइल का होना बहुत जरूरी है। कई बार मौसम के बदलाव और एलर्जी के कारण शरीर को छोटी-छोटी परेशानियों से जूझना पड़ता है। ऐसे में हर बार दवाइयों का सेवन करने से बेहतर है कि कुछ घरेलू नुस्खे अपनाएं जाएं।

1. कफ : कफ से छुटकारा पाने के लिए गर्म दूध में सौंठ और चुटकी भर हल्दी डालकर पीने से कफ बाहर निकल जाता है।

2. पेट साफ : सुबह खाली पेट 1 गिलास पानी में थोड़ा-सा एलोवीरा जैल मिलाकर पीएं। पेट साफ हो जाएगा।

3. दमा रोग : रात को सोने से पहले भूने हुए चने के साथ एक कप गर्म दूध का सेवन करें। इससे सांस की नली साफ हो जाएगी और धीरे- धीरे दमा रोग से भी छुटकारा मिल जाएगा।

4. खून की कमी : खून की कमी दूर करने के लिए1 गिलास दूध में 5 ग्राम बेल का चूर्ण मिलाकर कुछ दिन लगातार पीएं। इससे खून की कमी पूरी हो जाती है।

5. बवासीर : बवासीर है तो 10 ग्राम काले तिल को धोकर घर में बनाए हुए ताजे मक्खन के साथ खाएं। कुछ दिनों आराम मिल जाएगा।

6. मोटापा कम: मोटापा कम करना चाहते हैं और खाना नहीं छोड़ पा रहे तो खाने में काली मिर्च शामिल करनी शुरू कर दें। तीखा खाने से भूख कम लगती है।

बदबूदार बालों से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

गर्मी के मौसम में पसीना आने के कारण शरीर से ही नहीं बल्कि बालों से भी बदबू आने लगती है। शरीर से आने वाली बदबू को तो परफ्यूम की सहायता से खत्म किया जा सकता हैं लेकिन सिर्फ शरीर से ही नहीं बालों से भी बहुत बदबू आती है। ऐसे में ऑयली स्कैल्प वाले लोगों को इस समस्या का सामना कुछ ज्यादा ही करना पड़ता है। यह कोई गंभीर समस्या नहीं है, इस समस्या से घर पर ही आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

1. नींबू : बालों को शैम्पू से धोने के बाद 1 कप पानी में 2 नींबू के रस को निचोड कर मिक्स कर लें और बालों में रिन्स कर लें। हफ्ते में एक बार इसका प्रयोग करें।

2. टमाटर: बालों की लंबाई के अनुसार इसका रस निकाल लें और बालों में मालिश करें। 20 - 30 मिनट के बाद शैम्पू कर लें।

3. जैतून का तेल: बाल धोने से पहले जैतून के तेल की मालिश करें। यह बालों के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है।

4. प्याज : इसको पीस कर पेस्ट तैयार करें और स्कैल्प पर लगा लें । आधे घण्टे बाद शैम्पू कर लें।

5. बेकिंग सोडा : बालों के अनुसार पानी और बेकिंग सोडा को मिला लें और गीले बालों में लगाएं। 5 मिनट बाद बालों को अच्छे से धोएं। यह ऑयल को कम करनें में मदद करता है।

6. शहद और दालचीनी : 1 कप उबलते पानी में आधा चम्मच दालचीनी पाइडर मिलाएं। 30 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड दें। ठंडा होने पर इसमें 1 चम्मच शहद मिलाएं। 45 मिनट सिर पर लगा रहने दें और फिर बालों को शैम्पू से धोएं।

7. वोडका : एक बोतल पानी में 1 चम्मच वोडका मिलाकर मिश्रण तैयार करें। शैंम्पू के बाद इसका छिडकाव बालों पर कर लें और इसके बाद बालों को न धोएं। हफ्ते में इसका एक बार ही प्रयोग करें।

सूट के हिसाब से हो टाई का रंग, जानें कलर कनेक्शन

आपको पार्टी में जाना हो, ऑफिस की किसी जरूरी मीटिंग अटैंड करना हो तो आप फॉर्मल सूट पहनना पसंद करते हैं लेकिन अगर आपको खुद को बेहतर तरीके से पेश करना होता है तो सूट पर आपने कैसी टाई पहनी है। सूट पर किस रंग की टाई पहनना चाहिए अगर आपको पता हो तो लुक परफेक्ट होगा। आइए जानते हैं किस सूट पर किस रंग की टाई पहनी जाए।

क्लासिक कलर

ब्राउन, ब्लैक, व्हाइट, नेवी और ग्रे, ये सभी कलर क्लासिक कलर माने जाते हैं। ऐसे में नेवी और ग्रे कलर का कॉम्बिनेशन एक स्मार्ट लुक देता है।

नेवी ब्लू सूट

शाम के समय डार्क कलर की टाई संग नेवी ब्लू कलर का सूट खिलता है। वहीं अगर यह पिन-स्ट्राइप्स में हो तो पर्सनालिटी और ज्यादा निखर जाती है।

डार्क लाइट कलर

कलर कॉम्बिनेशन च्वॉइस पर भी निर्भर करता है। डार्क के साथ लाइट कलर बेस्ट लुक देता है। जैसे क्रीमी पैंट के साथ ब्लैक ब्लेजर फिट बैठता है।

डार्क में डीसेंट लुक

वहीं एक दूसरा ऑप्शन यह भी यलो और ब्लू, रेड और ब्लू जैसे कलर वाली ड्रेसेज भी डीसेंट लुक पाने के लिए पहनी जा सकती हैं।

दो तीन कलर

एक डिफरेंट लुक पाने के लिए आप एक साथ दो से तीन अलग-अलग कलर्स वाले कॉम्बिनेशन में आप सूट या फिर कोई और ड्रेस पहन सकते हैं।

रेसिपी

गोभी सोया कोरमा

सामग्री

80 ग्राम सोया (पीसा हुआ), गर्म पानी, 1 टेबलस्पून तेल,150 ग्राम फूलगोभी (कद्दू कस की हुई),1 टेबलस्पून तेल ,4 लौंग, 2 इलायची, 1/2 इंच दालचीनी का टुकड़ा, 1 तेज पत्ता, 70 ग्राम प्याज, 1 टीस्पून लहसुन,170 ग्राम टमाटर,1 टेबलस्पून हरी मिर्च, 1 टीस्पून अदरक,1 टीस्पून धनिया पाऊडर, 1/2 टीस्पून जीरा पाऊडर, 1/2 टीस्पून हल्दी,1 टीस्पून लाल मिर्च,1/2 टीस्पून नमक,125 मि.ली पानी,1/4 टीस्पून गरम मसाला

विधि

गर्म पानी में सोया को भिगोकर 10-15 मिनट के लिए रख दें।एक पैन में 1 टेबलस्पूव तेल डालक गर्म करें। अब इसमें फूलगोभी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकाएं। बाद में इस एक साइड रख दें।अब एक कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल डालकर लौंग, इलायची, दालचीनी का टुकड़ा, तेज पत्ता और प्याज डालकर फाई करें। प्याज ब्राउन होने पर इसमें लहसुन और टमाटर डाल कर मिक्स करें।अब इसमें हरीमिर्च, अदरक, धनिया पाऊडर, जीरा पाऊडर, हल्दी, लालमिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें 125 मिली पानी डालें और उबलने दें। अब इसमें सोया डाल कर अच्छे से मिक्स करें और 10-15 मिनट के लिए पकाएं।तैयार मिश्रण में फूलगोभी और गरम मसाला डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसे 5-6 मिनट पकाएं। गोभी सोया कोरमा तैयार है। इसे सर्व करें।

क्रिस्पी पनीर फिंगर्स

सामग्री

पनीर - 400 ग्राम, लाल मिर्च - 1 चम्मच, नमक - 1 चम्मच, धनिया - 1/2 चम्मच, सफेद मिर्च - 1 चम्मच, मैदा - 60 ग्राम, कॉर्न स्टार्च - 35 ग्राम, पानी - 100 मिलीलीटर, ब्रैड क्रुम्ब - डिप करने के लिए

विधि

सबसे पहले 400 ग्राम पनीर ले और 1 चम्मच लाल मिर्च, 1 चम्मच नमक, 1/2 चम्मच धनिया, 1 चम्मच सफेद मिर्च डालकर पनीर के टुकड़ों को अच्छी तरह से मिश्रित कर लें।अब इसे15 मिनट के लिए मेरिनेट करने के लिए रख दें। अब एक कटोरे में 60 ग्राम मैदा, 35 ग्राम कॉर्न स्टार्च, 100 मि.ली पानी डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। मिश्रित पनीर के टुकड़ों को मिक्चर में डिप करें और ब्रैड क्रुम्ब में डालकर अच्छे तर से रोल कर लें। अब एक पैन में तेल डालकर इनको रोल्स को हल्का सुनहरा और कुरकरे होने तक तलें। अब इनको तलने के बाद शोषक कागज में पर रखें। सॉस के साथ गर्मा-गर्म परोंसे।

संपादकीय

कसम चुनाव की

चुनाव के तपते महीने के मुहाने पर खड़ा ऋण किसी भी पार्टी के लिए अपवाद नहीं। खुशखबरी यह कि दिसंबर तक की वित्तीय मोहलत में 6200 करोड़ तक का कर्ज उठाने का सामर्थ्य हमें इस लायक बना रहा है कि चुनाव परिणाम कुछ भी रहें, प्रदेश की तकदीर में उधार का भूसा भरा रहेगा। अप्रैल-मई में हजार जमा सात सौ करोड़ की ऋण अनुमति के हम सिकंदर हैं, लेकिन कसम चुनाव की, इसको लेकर कोई बहस नहीं होगी। बहस तो यह होगी कि आखिर कंगना रनौत खाती और पहनती क्या है या आनंद शर्मा कितने अपने-कितने प्रतिशत बाहरी हैं। हमारे मुद्दे टकराऊ हैं जरूर। अगर आप में सामर्थ्य है तो बताएं मेडिकल कालेजों, एम्स तथा पीजीआई सेटेलाइट सेंटर का श्रेय किसे दें। वैसे हम श्रेय लूट कर ही कंगाल हो रहे हैं। घाटे के बस डिपो खोलने का श्रेय, छात्रों के बिना स्कूल-कालेज खोलने का श्रेय और अस्पताल खोलकर डाक्टर की तलाश करने का श्रेय लूटना कोई हिमाचल से सीखे। हमारे चुनाव की सुर्खियां इस काबिल भी नहीं कि पिछले साल के उठाए गए 8300 करोड़ के कर्ज पर अफसोस कर सकें। हमें कौन सी आफत है कि राज्य के मुकद्दर पर बैठे करीब सत्तर हजार करोड़ के ऋण का दुख मनाएं। दुखी तो हम तब होते हैं जब विपक्ष में पहुंचा दिए जाते हैं, वरना सत्ता में रहते हुए तो अदना सा विधायक भी कह उठता है कि प्रदेश में धन की कमी आने नहीं देंगे। वाकई धन है सरकारी नौकरी में और ओल्ड पेंशन स्कीम में। सरकार की हर गारंटी में। हमें मुफ्त में बिजली और महिला होने पर पंद्रह सौ का वजीफा मिल जाए तो दुख काहे का। हमें एचआरटीसी का बढ़ता घाटा नहीं सताता, क्योंकि महिला यात्री बनते ही आधा किराया और करवा चौथ व राखी पर मुफ्त में सरकारी बस पर चढने का मौका मिल जाता है। जिस प्रदेश की हर साल कर्ज उठाने से नाक नहीं कटती, वहां नागरिक समाज क्यों मुफ्त में खाने से न नुकर करें। हम बीपीएल होकर वीआईपी हो जाते हैं और शुक्रगुजार हैं केंद्र सरकार के कि कुछ हो या न हो, मुफ्त के राशन में हिमाचल का भाषण भी शरीक हो जाता है। हम राज्य और केंद्र की सत्ता में परोसी जा रही रेवडियों के इतने मुरीद हैं कि न प्रदेश और न ही देश की आर्थिकी रास आती है। इस पर तुर्रा यह कि डबल इंजन सरकार बन कर भी हमारी लालटेन में तेल खरीदने की शक्ति नहीं। कहने को हम विद्युत राज्य और शुक्रिया शांता कुमार और नरसिंहा सरकार का कि हिमाचल में पैदा होने वाली बिजली में से मुफ्त की आपूर्ति रायल्टी स्वरूप मिल रही, वरना बीबीएमबी में लटके हमारे वित्तीय अधिकार आज भी सजायाफ्ता हैं। सुक्खू सरकार ने जोश जोश में बीबीएमबी को ललकारा तो केंद्र को पसंद नहीं आया। वाटर सैस लगाकर खजाने को धूप टीका दिया, तो फिर केंद्र को मजा नहीं आया। इधर सुक्खू सरकार आत्मनिर्भरता के लिए शानन विद्युत परियोजना की लीज खत्म होने के बाद, वापसी की प्रतीक्षा कर रही उधर केंद्र व पंजाब के चुनाव हमारे अपने चुनावों को आंखें दिखा रहे हैं। अटल सरकार ने कभी औद्योगिक पैकेज दिया तो बीबीएन ने आर्थिक दवाई बनानी शुरू कर दी, लेकिन इस पैकेज को रोकने वाले अब हिमाचल के हित में वोट मांग रहे हैं। हिमाचल चुनाव की फेहरिस्त में वेतन-भत्तों की चर्बी एक तरफ और दूसरी तरफ उधार की कड़छी में सारा दारोमदार शीर्षासन कर रहा। चुनाव की डगर में तमाम प्रत्याशियों की वचनबद्धता को सलाम। आम मतदाता को अपने सपने दिखाएं, भले ही चिड़ियां न जाने कब खेत को चुग चुकी हैं। अब शराब बेचेंगे, तो राज्य की आमदनी बढ़ेगी, वरना रेत-बजरी तो माफिया की नजर में घर कर चुकी है। जिन्हें रोजगार नहीं मिलता चुनाव की दिहाड़ी मिल सकती है। पोस्टर चिपकाने, ढोल बजाने, नारे लगाने या भीड़ बन जाने के लिए चुनाव की हैसियत तो राज्य के खजाने से बेहतर है, लेकिन उधारी में फटेहाल हिमाचल के दांतों में मंजन करने के लिए हम जनादेश के लिए बाध्य और मजबूर रहेंगे। चुनाव को इससे क्या लेना देना कि आर्थिक संसाधन विहीन हिमाचल को करना क्या चाहिए।

अप्रैल-मई में हजार जमा सात सौ करोड़ की ऋण अनुमति के हम सिकंदर हैं, लेकिन कसम चुनाव की, इसको लेकर कोई बहस नहीं होगी। बहस तो यह होगी कि आखिर कंगना रनौत खाती और पहनती क्या है या आनंद शर्मा कितने अपने-कितने प्रतिशत बाहरी हैं। हमारे मुद्दे टकराऊ हैं जरूर। अगर आप में सामर्थ्य है तो बताएं मेडिकल कालेजों, एम्स तथा पीजीआई सेटेलाइट सेंटर का श्रेय किसे दें। वैसे हम श्रेय लूट कर ही कंगाल हो रहे हैं। घाटे के बस डिपो खोलने का श्रेय, छात्रों के बिना स्कूल-कालेज खोलने का श्रेय और अस्पताल खोलकर डाक्टर की तलाश करने का श्रेय लूटना कोई हिमाचल से सीखे। हमारे चुनाव की सुर्खियां इस काबिल भी नहीं कि पिछले साल के उठाए गए 8300 करोड़ के कर्ज पर अफसोस कर सकें। हमें कौन सी आफत है कि राज्य के मुकद्दर पर बैठे करीब सत्तर हजार करोड़ के ऋण का दुख मनाएं। दुखी तो हम तब होते हैं जब विपक्ष में पहुंचा दिए जाते हैं, वरना सत्ता में रहते हुए तो अदना सा विधायक भी कह उठता है कि प्रदेश में धन की कमी आने नहीं देंगे। वाकई धन है सरकारी नौकरी में और ओल्ड पेंशन स्कीम में।

भारत में मध्यम आय वर्ग के लोगों की संख्या में तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है

भारत 2047 तक ऐसे बनेगा विकसित देश

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपने को साकार कर सकेगा। गौरतलब है कि इस समय दुनिया में कोई 40 ही देश विकसित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से विकसित यूरोपीय देश हैं। भारत इस समय विकासशील देश है। अब भारत के विकसित राष्ट्र बनने की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होने की संभावनाओं के कई आधार हैं। भारत दुनिया में वैश्विक सुस्ती की चुनौतियों के बीच आर्थिक विकास की डगर पर लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 26 अप्रैल को प्रकाशित वैश्विक परामर्श एजेंसी डेलॉयट इंडिया की नई रिपोर्ट के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.6 से 7.8 प्रतिशत कर दिया है।

इन दिनों पूरे देश में ही नहीं पूरी दुनिया में अर्थ विशेषज्ञ एकमत से टिप्पणी कर रहे हैं कि यदि भारत अपने विकास मॉडल में तेज विकास के साथ समावेशी विकास तथा रोजगार एवं साझी समृद्धि की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ेगा, तो भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपने को साकार कर सकेगा। गौरतलब है कि इस समय दुनिया में कोई 40 ही देश विकसित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से विकसित यूरोपीय देश हैं। भारत इस समय विकासशील देश है। अब भारत के विकसित राष्ट्र बनने की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होने की संभावनाओं के कई आधार हैं। भारत दुनिया में वैश्विक सुस्ती की चुनौतियों के बीच आर्थिक विकास की डगर पर लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 26 अप्रैल को प्रकाशित वैश्विक परामर्श एजेंसी डेलॉयट इंडिया की नई रिपोर्ट के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.6 से 7.8 प्रतिशत कर दिया है। कहा गया है कि भारत में मध्यम आय वर्ग के लोगों की संख्या में तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 2 साल से वृद्धि के मजबूत आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था को कोविड के पहले के स्तर में आने में मदद की है। बुनियादी ढांचे पर सरकार के व्यय में तेजी से निवेश को समर्थन मिला है। इससे भारत को वृद्धि की रफ्तार तेज रखने में मदद मिली है। निस्संदेह यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मजबूत घरेलू मांग और कामकाज करने वाली आबादी को देखते हुए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही विश्व बैंक ने भी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। निश्चित रूप से विकसित भारत बनने के लिए भारत की मुट्ठियों में कई महत्त्वपूर्ण संभावनाएं हैं। भारत में पिछले वर्ष 2023 में आयोजित जी-20 के शानदार सफल आयोजन से भारत के पास विकास के नए सूत्र आए हैं। भारत के पास पिछले 10 वर्षों की शानदार विरासत है। यह भारत का ऐसा समय है जब हमारी आर्थिक वृद्धि लगातार बढ़ रही है। भारत में स्थिति मैन्युफेक्चरिंग, निवेश और निर्यात के मद्देनजर उपयुक्त है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान से देश तेजी से आगे बढ़ा है। वैश्विक

स्तर पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट के रुझान के बीच भारत दुनिया के सर्वाधिक एफडीआई प्राप्त करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से बढ़ा है। वैश्विक सुस्ती के बीच भारत का शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर है। पिछले एक दशक में हुए रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफार्म देश के विकास के लिए गेमचेंजर रहे हैं। भारत में अहम आर्थिक सुधार हुए और इन सुधारों में जन धन, आधार और मोबाइल आधारित सब्सिडी सुधार (जेएएम) वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (आईबीसी) प्रमुख हैं। निस्संदेह इस समय भारत के पास टिकाऊ विकास के अभूतपूर्व अवसर हैं। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत दी जा रही है। भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थाई सदस्य देश बनाने के लिए अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस का समर्थन रेखांकित हो रहा है और भारत वैश्विक मंच पर बड़ी भूमिका के लिए तैयार है। भारत के तेजी से बढ़े कृषि क्षेत्र से दुनिया की उम्मीदें बढ़ गई हैं। तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार के कारण भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बढ़ रहे हैं। प्रवासी भारतीयों के द्वारा लगातार भारत की ओर अधिक रेमिटेंस भेजा जा रहा है। इस समय देश के वैज्ञानिकों के द्वारा अंतरिक्ष आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा तथा नए तकनीकी विकास के कारण आर्थिक विकास को गति मिल रही है चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के मद्देनजर भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में उभरकर सामने आया है। अब भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी आने लगी है। इतना ही नहीं भारत दुनिया के 85 देशों को हथियार व सैन्य सामग्रियों का निर्यात भी कर रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार के द्वारा विगत 10 वर्षों में किए गए आर्थिक और वित्तीय सुधारों के साथ-साथ कठोर प्रशासनिक निर्णयों से देश में आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ी है। इसके साथ-साथ दुनिया में मजबूत लोकतंत्र और स्थिर सरकार के रूप में भारत की पहचान, स्टार्टअप का दुनिया में सबसे तेजी से बढना, भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के लिए बढ़ते हुए नए दौर के कौशल निर्माण कार्यक्रम, बड़े पैमाने पर पूंजीगत खर्च, गैर जरूरी आयात में कटौती, खेलों के क्षेत्र में भारत की लंबी छलांगों से लाभान्वित होती भारतीय अर्थव्यवस्था और बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता देश के टिकाऊ विकास की बुनियाद बन गई है। निश्चित रूप से भारत को विकसित देश बनाने के लिए वर्तमान विकास मॉडल में सुधार करना होगा। विकास मॉडल में समृद्ध भारत के साथ समावेशी भारत की तस्वीर को हरदम सामने रखना होगा। जहां देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ाते रहना होगा, वहीं रोजगार वृद्धि व आम आदमी के सशक्तिकरण के अधिक प्रयास करने होंगे। यद्यपि पिछले 10 वर्षों में बहुआयामी गरीबों में बड़ी कमी आई है। लेकिन अब बकाया 15 करोड़ से अधिक गरीबों को नई मुस्कराहट देने का जोरदार अभियान आगे बढ़ाना होगा। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि देश के आम आदमी के कमजोर जीवन स्तर को अच्छे जीवन स्तर में बदला जाए। देश में 19 करोड़ से अधिक महिलाओं को पेड वर्कफोर्स में शामिल करने की रणनीति को अमलीजामा पहनाना होगा। हमें विकास के लिए चीन की कम कौशल वाले विनिर्माण की नीति को अपनाने की बजाय हमारे शक्तिशाली सर्विस सेक्टर के जरिए विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढना होगा। कई अहम सुधारों को वैधानिक बनाते हुए उनका तेजी से क्रियान्वयन करना होगा। कृषि, श्रमिक, भूमि भ्रष्टाचार के उन्मूलन और अन्य सुधारों की डगर पर तेजी से बढना होगा। यद्यपि केंद्र सरकार 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में तबदील करने की महत्त्वाकांक्षी योजना को आकार देने में सफल रही है, लेकिन ये अब तक लागू नहीं हुई है। अब एक ऐसे समय में जब कई देशों की कंपनियां चीन से बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार स्थानांतरित करते हुए दिखाई दे रही हैं तब हम अच्छे श्रम कानूनों से इसका लाभ उठा सकते हैं। देश के तेज विकास के लिए उभरते क्षेत्रों में शोध एवं विकास क्षेत्र में जरूरी निवेश पर्याप्त नहीं है।

दृष्टि कोण

हिंदू राष्ट्रनीति व हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज

शिवाजी के भीतर भारतीय संस्कृति के महान संस्कार कूट-कूट कर भरे थे। वह सदैव अपने माता – पिता और गुरु के प्रति श्रद्धालु और सेवाभावी बने रहे। उन्होंने कभी भी अपनी माता की किसी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया और पिता के विरुद्ध पर्याप्त विपरीत परिस्थितियों के होने के उपरांत भी कभी विद्रोही स्वभाव का परिचय नहीं दिया। वह उनके प्रति सदैव एक कृतज्ञ पुत्र की भांति ही उपस्थित हुए। शिवाजी महाराज को अपने पिता से स्वराज की शिक्षा मिली। जब बीजापुर के सुल्तान ने शाहजी राजे को बन्दी बना लिया तो एक आदर्श पुत्र की भांति उन्होंने बीजापुर के शाह से सन्धि कर शाहजी राजे को मुक्त करा लिया। इससे उनके चरित्र की उदारता का बोध हमें होता है और हमें पता चलता है कि वह हृदय से कृतज्ञ रहने वाले महान शासक थे। उस समय की राजनीति में पिता की हत्या कराकर स्वयं को शासक घोषित करना एक साधारण सी बात थी। यदि शिवाजी चारित्रिक रूप से महान नहीं होते तो वह अपने पिता की हत्या तक भी करा सकते थे, परंतु उन्होंने ऐसा कोई विकल्प नहीं चुना। शाहजी राजे के निधन के उपरांत ही उन्होंने अपना राज्याभिषेक करवाया। यद्यपि वह उस समय तक अपने पिता से स्वतंत्र होकर एक बड़े साम्राज्य के अधिपति हो गये थे। कहने का अभिप्राय है कि उनकी अधिपति होने की यह स्थिति उनके भीतर अहंकार का भाव उत्पन्न कर सकती थी, परंतु शिवाजी सत्ता को पाकर भी मद में चूर नहीं हुए। उनके नेतृत्व को उस समय सब लोग स्वीकार करते थे। यही कारण है कि उनके शासनकाल में कोई आन्तरिक विद्रोह जैसी प्रमुख घटना नहीं हुई थी। यह भी एक विचारणीय तथ्य है कि जिस समय शिवाजी शासन कर रहे थे, उस समय इस प्रकार की स्वाभाविक स्वामीभक्ति सचमुच हर किसी शासक को उपलब्ध नहीं थी। शिवाजी शत्रु के प्रति दुष्ट के साथ दुष्टता का व्यवहार करने की नीति में विश्वास रखते थे, अर्थात जैसे के साथ तैसा करना

वह उचित समझते थे। यही उस समय की राजनीति का तकाजा भी था। तुर्की ब तुर्की प्रत्युत्तर देना राजनीति का धर्म होता है। हमने 'सद्गुण विकृति' के कारण कई बार अपनी उदारता का परिचय देते हुए शत्रु पर अधिक विश्वास किया और अंत में उससे हानि ही उठाई। परंतु शिवाजी ऐसा करने को कभी भी तत्पर नहीं होते थे। शिवाजी शत्रु को परास्त करने की नीति में विश्वास रखते थे। शिवाजी महाराज ने अपने राज्याभिषेक (6 जून 1674) के अवसर पर हिंदू पद पातशाही की घोषणा की थी। वह देश में हिंदू राजनीति को स्थापित कर देश से विदेशियों को खदेड़ देना चाहते थे। उनकी राजनीति का मूल आधार नीति, बुद्धि तथा मर्यादा-ये तीन बिंदु थे। रामायण, महाभारत, तथा शुक्रनीतिसार का उन्होंने अच्छा अध्ययन किया था। इसलिए अपने राज्य को उन्होंने इन्हीं तीनों महान ग्रंथों में उल्लेखित राजधर्म के आधार पर स्थापित करने का पुरूषार्थ किया। वह राष्ट्रनीति में मानवतावाद को ही राष्ट्रधर्म स्वीकार करते थे। शुक्र नीति में तथा रामायण व महाभारत में राजा के लिए 8 मंत्रियों की मंत्रिपरिषद का उल्लेख आता है। इसलिए शिवाजी महाराज ने भी अपने राज्य में 8 मंत्रियों का मंत्रिमंडल गठित किया था। शेजवलकर का मानना है कि ये अष्टप्रधान की कल्पना शिवाजी ने 'शुक्रनीतिसार' से ही ली थी। अंग्रेज व मुस्लिम इतिहासकारों ने शिवाजी को औरंगजेब की नजरों से देखते हुए 'पहाड़ी चूहा' या एक लुटेरा सिद्ध करने का प्रयास किया है। अत्यंत दुःख की बात ये रही है कि इन्हीं इतिहासकारों की नकल करते हुए कम्युनिस्ट और कांग्रेसी इतिहासकारों ने भी शिवाजी के साथ न्याय नही किया। छल, छदम के द्वारा कलम व ईमान बेच देने वाले इतिहासकारों ने शिवाजी के द्वारा हिंदू राष्ट्रनीति के पुनरूत्थान के लिए जो कुछ महान कार्य किया गया उसे मराठा शक्ति का पुनरूत्थान कहा ना कि हिंदू शक्ति का पुनरूत्थान। शिवाजी की नीति धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना करने की थी। खानखां जैसे इतिहास कार ने भी उनके लिए ये कहा है कि शिवाजी के राज्य में किसी अहिंदू महिला के साथ कभी कोई अभद्रता नही की गयी। उन्होंने एक बार कुरान की एक प्रति कहीं गिरी देखी तो अपने एक मुस्लिम सिपाही को बड़े प्यार से दे दी। याकूत नाम के एक पीर ने उन्हें अपनी दाढ़ी का बाल प्रेमवश दे दिया तो उसे उन्होंने ताबीज के रूप में बांह पर बांध लिया। साथ ही बदले में उस मुस्लिम फकीर को एक जमीन का टुकड़ा दे दिया।

कुछ अलग

चुनावी रण में नेतृत्व की परीक्षा

हिमाचल में आजकल जम कर चुनाव प्रचार हो रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस अध्यक्षा प्रतिभा सिंह सरकार और संगठन में सब कुछ ठीक है, का आभास देते नजर आ रहे है। यह लेख लिखे जाने के वक्त कांगड़ा और हमीरपुर लोकसभा सीट पर काफी माथापच्ची के बाद क्रमशः आनंद शर्मा और सतपाल रायजादा को लोकसभा का प्रत्याशी घोषित कर ही दिया है। खैर, यह लेट लतीफी का कांग्रेसी कल्चर है जो खबरों में बना रहता है। सरकार को बने 15 महीने हो गए है। जमीनी हालात यह है कि जनता यह सब सोचने को मजबूर है कि विधान सभा के लिए क्या उपचुनाव राजनीतिक सूझबूझ से टाले नहीं जा सकते थे। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को उपचुनाव के मुद्दे पर जनता को उत्तर देना होगा। सरकार का मुखिया होने के नाते सुखविंदर सिंह सुक्खू और उनकी टीम को अपने 15 महीने के शासन के रिकॉर्ड पर जनता के बीच उतरना होगा अपनी सरकार को बचाने व संभाले रखने के लिए यह उपचुनाव जीतना अत्यंत आवश्यक है। भाजपा के विषय में तो यह प्रसिद्ध है कि वह चुनावी मूड में रहने वाली पार्टी है और प्रधानमंत्री मोदी को हर समय चुनावों में सबसे ज्यादा व्यस्त रहने वाले प्रधानमंत्री का तमगा प्राप्त है। प्रधानमंत्री के तौर पर वह कैसे हैं यह लेख का मंतव्य नहीं। उस पर फिर कभी। मुख्यमंत्री सुक्खू के सामने सबसे बड़ी चुनौती और प्राथमिकता विधान सभा उपचुनावों की छहों सीटों पर विजयी हासिल करना होगा। लोकसभा के चुनावों में चारों सीटें जीता कर हाई कमान की झोली में डाल कर वह उनके विश्वास को पुख्ता कर सकेंगे। उन के लिए यह एक अवसर आया है। इस जीत से वह हाई कमान के सामने और प्रदेश कांग्रेस संगठन में विरोधी होली लॉज कैंप के समक्ष नेतृत्व क्षमता साबित करेंगे। जनता का विश्वास और दिल जीतने में सफल हो सकते है। दूसरे, यह जीत इस बात की भी द्योतक होगी कि हाई कमान का सुक्खु को मुख्यमंत्री बनाना और प्रतिभा सिंह की सीएम पद की दावेदारी को नजर अंदाज करने का उनका निर्णय सही था। ऐसे वो कौन से कारण रहे जिनके चलते भली चंगी सरकार पर संकट के बादल मंडराए और उपचुनावों की नौबत झेलनी पड़ गई? याद करें तो एक राजनीतिक घटनाक्रम के चलते प्रदेश की एक मात्र राज्य सभा सीट के लिए चुनाव में भजपा के हाथों मानों छींका ही फूट पड़ा। अल्पमत की भाजपा बहुमत की कांग्रेस की जमीन तले कालीन खिसका कर राज्य सभा सीट का निवाला छीन ले गई। परिणाम यह रहा कि प्रख्यात वकील और कांग्रेस के प्रत्याशी मनु सिंघवी हार गए और कांग्रेस के पूर्व मंत्री रहे और भाजपा के प्रत्याशी हर्ष महाजन जीत गए। इस प्रकरण से सरकार विशेष कर मुख्यमंत्री के विरुद्ध सुलगते विरोध और आक्रोश से न केवल जनता अवाक रह गई, बल्कि सरकार सुक्खू और उनके चुनावी व संसदीय प्रबंधन को भी इस बात की भनक तक न लगी कि उनके छह विधायक और तीन निर्दलीय वोटिंग के अवसर पर अपनी ही पार्टी के विरुद्ध जाएंगे। इस प्रकरण ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कार्य शैली और सरकार चलाने की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए। प्रदेश की जनता यह भलीभांति जानती है कि सुक्खू को संगठन का आदमी कहा जाता है और संगठन के वह अच्छे जानकार है। जब तक वीरभद्र मुख्यमंत्री रहे उन्होंने उन्हें दो बार विधायक होने के बावजूद मंत्री या संसदीय सचिव या सरकार में किसी पद से नहीं नवाजा। 1983 में जब वीरभद्र मुख्यमंत्री बने, तब सुक्खू कालेज सी आर के चुनाव लड़ रहे थे। कालेज विश्वविद्यालय की राजनीति करते-करते विभिन्न पदों पर रहते हुए कांग्रेस के अध्यक्ष पद तक जा पहुंचे।

देश दुनिया से

रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन को न्यायसंगत बनाना जरूरी

जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी दुष्परिणामों के मद्देनजर भारत में रिन्यूबल एनेर्जी से जुड़े महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किये गये हैं। इसके तहत कार्बन एमिशन को खत्म करने के लिये कोयला खदानों को दीर्घकाल में बंद करना होगा। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि इन खदानों में काम करने वाली बड़ी श्रम शक्ति के हितों के लिहाज से न्यायसंगत ट्रांज़िशन का स्वरूप कैसा होगा और बंद होने वाली खदानों को रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन के लिये किस तरह बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण विषय से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा के लिये जलवायु थिंक टैंक 'क्लाइमेट ट्रेंड्स' और 'स्वनीति' ने एक वेबिनार आयोजित किया।

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी दुष्परिणामों के मद्देनजर भारत में रिन्यूबल एनेर्जी से जुड़े महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किये गये हैं। इसके तहत कार्बन एमिशन को खत्म करने के लिये कोयला खदानों को दीर्घकाल में बंद करना होगा। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि इन खदानों में काम करने वाली बड़ी श्रम शक्ति के हितों के लिहाज से न्यायसंगत ट्रांज़िशन का स्वरूप कैसा होगा और बंद होने वाली खदानों को रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन के लिये किस तरह बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण विषय से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा के लिये जलवायु थिंक टैंक 'क्लाइमेट ट्रेंड्स' और 'स्वनीति' ने एक वेबिनार आयोजित किया। इसमें 'कोल इंडिया' की सौर शाखा के अधिशासी निदेशक श्री सौमित्र सिंह और अमेरिकी प्रान्त वेस्ट वर्जीनिया में कोलफील्ड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में सीनियर डायरेक्टर (कंजर्वेशन) कैसिडी रिले ने इस पूरे मामले के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। विशेषज्ञों का मानना है कि रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन को न्यायसंगत बनाना जरूरी है और भविष्य में खदानों के बंद होने से प्रभावित होने वाले समुदायों को रोजगार के वैकल्पिक

स्रोत उपलब्ध कराने के लिये उन्हें प्रशिक्षित किया जाना चाहिये। सौमित्र सिंह ने न्यायसंगत ट्रांज़िशन और रिन्यूबल एनेर्जी के समेकित परिप्रेक्ष्य को समझने के लिये कोल इंडिया की तरफ से नीतिगत स्तर पर बदलाव की वकालत करते हुए कहा कि कोल इंडिया द्वारा की गई पहल और भविष्य में कोयला खदानों को न्यायसंगत ट्रांज़िशन के मकसद से इस्तेमाल करने के लिए सोच में आमूल-चूल बदलाव करने की जरूरत है। कोल इंडिया स्तर पर पॉलिसी लेवल इंटरवेंशन सबसे ज्यादा जरूरी है ताकि न्यायसंगत ट्रांज़िशन और रिन्यूबल एनेर्जी को समझा जा सके। दूसरा, सरकार की तरफ से नीतिगत स्तर पर बदलाव करने होंगे। इसके लिए हमें बहुपक्षीय एजेंसियों की मदद लेनी होगी। साथ ही साथ केंद्र सरकार की भी सहायता जरूरी होगी। यह नीति से जुड़े मूलभूत मसले हैं जिन्हें बदलने की जरूरत है। उन्होंने ऊर्जा संयंत्रों के लिये पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया में जन भागीदारी पर जोर देते हुए कहा, ''वर्ष 1997 में विश्व बैंक के हस्तक्षेप से पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया में पब्लिक शेयरिंग प्रक्रिया शुरू की गई थी। अगर यह वर्ष 1997 में किया जा सकता था तो भारत सरकार जस्ट ट्रांजीशन को भी अपने पॉलिसी प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर लागू कर सकती है। जहां तक कोल इंडिया का सवाल है तो और भी ज्यादा बड़ी नीतिगत पहल की जरूरत है।'' सिंह ने कोयला खदानों की रिन्यूबल एनेर्जी और अन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2009 में पहली बार ऐसा सोचा गया था। वर्ष 2009 में जब केंद्र सरकार इस परिकल्पना को लेकर आई थी तो उस वक्त यही सोचा गया था कि कोयला खदानों को बंद किए जाने के बाद उनका इस्तेमाल सिर्फ वनीकरण करने और कुछ हद तक उन्हें जल स्रोतों के रूप में किया जाएगा। साथ ही अचल संपत्ति के रूप में बनाई गई जायदाद जैसे कि इमारतें इत्यादि संबंधित समिति या स्थानीय शासन निकाय को कंपनी द्वारा वापस किया जाएगा। यह सिलसिला कमोबेश आज भी जारी है। हालांकि बाद में मौजूदा केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल में खदान बंद करने की गतिविधि को रिन्यूबल एनेर्जी के लिये इस्तेमाल करने की सोच स्थापित हुई है।'' सिंह ने भारत के वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के मद्देनजर सामने खड़ी चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, ''हम सभी जानते हैं कि भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका मतलब यह है कि प्रतिवर्ष सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.50 प्रतिशत की दर से बढ़नी चाहिए। वर्तमान में हमारी कुल ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति में कोयले का योगदान 48% है। अंदाजा लगाइए कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए क्या करना होगा।'' हम न सिर्फ अपनी खदानों को कोयला उत्पादन के परिप्रेक्ष्य में देख रहे हैं बल्कि अब हम यह भी देख रहे हैं कि कैसे अपने सतत विकास लक्ष्यों और रिन्यूबल एनेर्जी कार्यक्रमों में खदानों का इस्तेमाल किया जाए ताकि सतत विकास लक्ष्यों को भी हासिल किया जा सके। सिंह ने खदानें बंद होने की स्थिति में उससे प्रभावित होने वाली आबादी को रोजगार के विकल्प उपलब्ध कराने की जरूरतों पर कहा, ''एक यह भी सोच है कि स्थानीय समुदायों का समावेशी विकास किया जाए। भारत यह भी सोच रहा है बंद की गई खदानों की जमीन पर स्थानीय समुदायों को कार्यकुशल बनाने के लिये कार्यक्रम चलाये जाएं।

आप का नजरिया

शहजादे बनाम शहंशाह

प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए 'शहजादे' सांकेतिक शब्द का इस्तेमाल करते रहे हैं। इस श्रेणी में अब उन्होंने तेजस्वी यादव को भी 'बिहार का शहजादा' करार दिया है। चुनाव आयोग को इन सांकेतिक शब्दों पर आपत्ति क्यों नहीं है अथवा ये शब्द आचार संहिता का उल्लंघन किस तरह नहीं करते हैं, इसका स्पष्टीकरण तो चुनाव आयोग ही देगा। अलबत्ता देश हैरान हो सकता है कि क्या इन शब्दों पर भी जनादेश मांगा या दिया जा सकता है? 'शहजादे' की प्रतिक्रिया में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को 'शहंशाह' करार दिया है। उन्होंने पलटवार की भाषा में कहा है कि वे उनके भाई को 'शहजादा' बुलाते हैं। उस 'शहजादे' ने ही कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4000 किलोमीटर की यात्रा की है। 'शहजादे' ने भाइयों, बहनों, किसानों और मजदूरों से उनकी तकलीफें, समस्याएं पूछी हैं तथा यह भी जानने की कोशिश की है कि उन्हें कैसे हल किया जा सकता है? प्रियंका ने प्रधानमंत्री पर हमला भी किया है कि वह तो महलों में रहते हैं। उन्हें देश के आम आदमी की मुश्किलों का एहसास कैसे होगा? लोकतंत्र में 'शहजादे' और 'शहंशाह' की कोई गुंजाइश नहीं है। दरअसल सवाल है कि आम चुनाव की सियासत इन सांकेतिक शब्दों पर क्यों आ गई? शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी ने ही की और फिर भाजपा के अन्य प्रचारक नेता भी व्यंग्य कसने लगे। मोदी को इसकी जरूरत क्यों आन पड़ी? उनके पक्ष में ऐसा 10-साला जनादेश रहा है, उसकी स्थिरता और विकास के मुद्दे आज कहां हैं? क्या प्रधानमंत्री चुनाव को अब 'मोदी बनाम राहुल गांधी' बना रहे हैं? क्या सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बजाय प्रधानमंत्री मोदी चुनाव को अपने ही इर्द-गिर्द केंद्रित कर देना चाहते हैं? क्या वह कांग्रेस की जातीय जनगणना और मुस्लिम आरक्षण का मुकाबला हिंदू धर्म की राजनीति से करना चाहते हैं? क्या चुनावी एजेंडा कांग्रेस तय करेगी और भाजपा उसकी प्रतिक्रिया में अपना चुनाव प्रचार जारी रखेगी? प्रधानमंत्री 2002 के गोधरा कांड सरीखे पुराने मुद्दों को सतह पर लाकर अतीत के आधार पर नया जनादेश मांगना चाहते हैं? 2014 और 2019 के आम चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही भाजपा-एनडीए ने तत्कालीन और प्रासंगिक मुद्दों पर ही लड़े थे और शानदार जनादेश हासिल किए थे। इस बार भी जनादेश को लेकर कोई संशय नहीं है। आंकड़े कम हो सकते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी से जिन मुद्दों पर चुनाव लडने की अपेक्षाएं थीं, वे गौण हैं या हाशिए पर सरका दिए गए हैं। फोकस 'शहजादे' और उनकी सियासत पर है। यकीनन प्रधानमंत्री मोदी भाजपा-एनडीए के लिए आज भी 'तुरुप का पत्ता' हैं, लेकिन ऐसे आकलन सामने आए हैं कि जब भी वह 'शहजादे' शब्द बोलते हैं, तो वोट बढ़ जाते है। 'शहजादा' कहने से बात मुस्लिम बादशाहत से जुड़ती है और हिंदू-मुस्लिम मुद्दा भाजपा को ताकत और ध्रुवीकरण देता है। बेशक प्रधानमंत्री की निजी, पारिवारिक पृष्ठभूमि 'गरीबी' की रही है, लेकिन बार-बार उसका राग अलापने से सहानुभूति मिलेगी, हमें तो ऐसा नहीं लगता।

इस हफ्ते आने वाले हैं तीन आईपीओ, मुनाफे पर चुकाना होगा टैक्स

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां) ।

शेयर बाजारों में तेजी के दम पर निवेशकों ने पिछले साल प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाया। इस सप्ताह भी तीन कंपनियां 6,400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाने वाली हैं, जिनमें पैसे लगाकर आप कमाई कर सकते हैं। ये तीनों कंपनियां हैं...आधार हाउसिंग फाइनेंस, इंडिजेन और टीबीओ टेक।

आईपीओ में मिले शेयरों को लिस्टिंग के दिन या उसके कुछ दिनों बाद बेचकर मुनाफा कमाते हैं तो टैक्स भरना होगा ।कर विशेषज्ञों का कहना है कि आवंटित शेयरों की बिक्री पर कर देनदारी उतनी ही बनती है, जितनी किसी सूचीबद्ध शेयर से कमाई पर।

मुनाफा एक लाख रुपये से ज्यादा तो बनेगी कर देनदारी

आईपीओ के सूचीबद्ध होने के बाद ही मुनाफे पर टैक्स देनदारी की गणना होती है। शेयरों की बिक्री से होने वाला लाभ अगर एक लाख रुपये से ज्यादा हुआ तो टैक्स चुकाना पड़ेगा।

सूचीबद्ध होने के एक साल के भीतर आईपीओ में मिले शेयरों को बेचकर लाभ कमाते हैं तो 15 फीसदी शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) टैक्स भरना होगा। इस पर 4 फीसदी उपकर भी लगेगा।

अगर एक साल के बाद शेयर बेचकर मुनाफा बनाते हैं तो 10 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स देना होगा।

ऐसे समझें गणित

अगर आपने आईपीओ में 500 रुपये के भाव पर 50 शेयर खरीदा। एक साल के भीतर इसे 800 रुपये के भाव पर बेच दिया। इस तरह, आपको 15,000 रुपये का शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स प्राप्त हुआ। इस कमाई पर 15 फीसदी की दर से 2,250 रुपये टैक्स देना होगा। 4 फीसदी यानी 90 रुपये उपकर भी लगेगा। इस तरह, कुल कर देनदारी 2,340 रुपये बनेगी। इसी भाव पर शेयर एक साल बाद बेचते हैं तो मुनाफे पर 10 फीसदी एलटीसीजी भरना होगा, जो 1,500 रुपये बनता है। शेयर होल्डिंग अवधि की शुरुआत निवेश की तारीख से नहीं बल्कि शेयर आवंटन तारीख से होती है। यानी मुनाफे पर कर की गणना आईपीओ में आवंटित शेयर की तारीख से होगी।

शेयर बिक्री से हुए घाटे की कर सकते हैं भरपाई

आईपीओ के सूचीबद्ध होने के बाद शेयरों की कीमत खरीद भाव से नीचे चली जाती है तो इस घाटे की भरपाई अन्य शेयरों में हुए मुनाफे के साथ कर सकते हैं। अगर छोटी अवधि में बेचे शेयरों में नुकसान हुआ है तो इसी अवधि में एक साल पहले बेचे गए अन्य शेयरों के लाभ से इसे समायोजित कर टैक्स संबंधी भरपाई कर सकते हैं। हालांकि, एलटीसीजी पर भरपाई की सुविधा नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

सीओओ भावेश गुप्ता के इस्तीफे के बाद पेटीएम की पैतृक कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत की गिरावट, लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली । पेटीएम की पैतृक कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के सीओओ भावेश गुप्ता के इस्तीफे के बाद कंपनी के शेयरों में बड़ी गिरावट दिखी। कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) के शेयर 5 प्रतिशत तक टूटकर 351 रुपये प्रति शेयर के भाव पर आ गए थे। यह 13 मार्च के बाद कंपनी के शेयरों का सबसे निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयर 4.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 354.40 रुपये के भाव पर कारोबार करते दिखे। पिछले 12 महीनों के दौरान कंपनी के शेयरों में 51 प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है। वहीं, 2024 में ही कंपनी के शेयर अब तक 44.20 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। भावेश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए कंपनी से इस्तीफा दिया है। उनका इस्तीफा 4 मई से प्रभावी होगी। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि 31 मई को कारोबारी घंटे समाप्त होने के बाद गुप्ता को पदमुक्त कर दिया जाएगा। हालांकि कंपनी ने यह भी बताया है गुप्ता 31 मई के बाद भी सीईओ के दफ्तर से सलाहकार की भूमिका में जुड़े रहेंगे। इससे पहले, वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के नॉमिनी के रूप में भी गुप्ता का नाम वापस ले लिया था। वे पेटीएम पेमेंट्स बैंक में निदेशक और बोर्ड के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा के बोर्ड से हटने के बाद गुप्ता नाम भी नॉमिनी के रूप में वापस ले लिया गया था।

रद्द उड़ानों का टिकट बेचने के आरोप में कंतास एयरलाइन पर गिरी गाज, चुकाने पड़ेंगे 7.9 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख एयरलाइन क्वांटास एयरवेज पहले से रद्द हो चुकी उड़ानों के लिए टिकटों की बिक्री से जुड़ा मुकदमा को निपटाने को तैयार हो गया है। एयरलाइन ने इसके लिए 120 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 7.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति दे दी। एयरलाइन 100 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर या 6.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि जुर्माने के रूप में देगी वहीं 86,000 से अधिक ग्राहकों को 20 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 1.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर मुआवजे के रूप में दिया जाएगा। यह मामला 2021-2022 का है। ऑस्ट्रेलियाई प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष जीना कैस-गॉटलिब ने एक बयान में कहा, क्वांटास का आचरण अहंकारी और अस्वीकार्य था। कई उपभोक्ताओं ने एक ऐसे विमान की बुकिंग कर छुट्टी, व्यापार और यात्रा की योजना बनाई होगी, जिसे पहले ही रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि हम यह कार्रवाई इसलिए सुनिश्चित कर रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में काम करने वाली कंपनियां हर समय अपने ग्राहकों के साथ स्पष्ट, सटीक और ईमानदारी से संवाद करती हैं। क्वांटास समूह की मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेनेसा हडसन ने कहा कि यह समझौता अदालत की मंजूरी के अधीन है और यह एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम राष्ट्रीय विमानन कंपनी के प्रति विश्वास बहाल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हडसन ने कहा, जब शटडाउन के बाद उड़ान फिर से शुरू हुई, तो हम मानते हैं कि कंटास ने ग्राहकों को निराश किया। हम जानते हैं कि हमारे कई ग्राहक समय पर विमान रद्द होने की सूचनाएं प्रदान करने में हुई हमारी विफलता से प्रभावित हुए थे और हमें ईमानदारी से इसके लिए खेद है।

18 जून को आ रही है बजाज की पहली सीएनजी बाइक

नई दिल्ली । भारत की पहली सीएनजी बाइक लेकर स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो अगले महीने आ रही है। बजाज ऑटो इसे 18 जून 2024 को लॉन्च करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज ने पल्सर एनएस400झेड के लॉन्च इवेंट में सीएनजी बाइक की लॉन्च डेट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा है कि यह बाइक कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी और यह भारत में मोटरसाइकिल उद्योग को बदलने में मदद करेगी। इसकी कीमत 90,000 रुपये से लेकर 1,10,000 रुपये के बीच हो सकती है। इसमें एक बड़ा ईंधन टैंक, एक बड़ा सीट, एक व्यापक ग्रैब रेल और निकेल गार्ड से लैस हैंडलबार मिलेगा,जिससे पता चलता है कि यह सीएनजी बाइक आरामदायक और लंबी दूरी के लिए बेहतरीन होगा। बजाज की अपकमिंग बाइक का नाम बजाज ब्रूजर 125 सीएनजी होगा। इसमें 125सीसी का इंजन होगा, जो सीएनजी पर चलेगा। कंपनी का दावा है कि यह बाइक पेट्रोल बाइक के मुकाबले आधी कीमत में चलेगी।

सिंघानिया बोले- निजी जीवन का बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं : मेरा निजी जीवन मेरा, 10,000 करोड़ का रेमंड ग्रुप तेजी से आगे बढ़ रहा

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां) ।

गारमेंट्स एंड अपैरल कंपनी रेमंड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सिंघानिया ने कहा कि उनके निजी जीवन का उनके बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे बीच जो कुछ हुआ है, मुझे उस पर टिप्पणी नहीं करना है। मैं पूरी तरह से अपने बिजनेस पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और नतीजों पर नजर रखूंगा।

दरअसल, सिंघानिया ने 13 नवंबर 2023 में अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से अलग होने का ऐलान किया था। हाल ही में रेमंड ग्रुप की तीन कंपनियों ने नवाज मोदी को अपने बोर्ड से बाहर कर दिया है।

31 मार्च को एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग के जरिए जेके इन्वेस्टर्स लिमिटेड , रेमंड कंज्यूमर केयर और स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व ने नवाज मोदी को बोर्ड से बाहर किया कर दिया है। जब सिंघानिया से इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि विश्वास की कमी के कारण कुछ कंपनियों ने उन्हें बोर्ड से हटाया है।

सिंघानिया बोले- मेरा निजी जीवन मेरा निजी जीवन है

गौतम सिंघानिया ने कहा, सभी बिजनेस बढ़ रहे हैं। मेरा निजी जीवन मेरा निजी जीवन है, मैं इससे निपट लूंगा। मेरी दो खूबसूरत बेटियां हैं और उनके हित में मैंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मेरा निजी जीवन कारोबारी क्षेत्र में किसी से संबंधित नहीं है।

10,000 करोड़ का रेमंड ग्रुप तेजी से आगे बढ़ रहा

गौतम सिंघानिया कहा कि 10,000 करोड़ का रेमंड ग्रुप तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें लाइफस्टाइल डिवीजन - अपैरल और फैबरिक की प्रमुख हिस्सेदारी है। उन्होंने ग्रुप के ऑर्गेनाइजेशन स्ट्रक्चर के बारे में भी बात की। सिंघानिया ने कहा - हमने ऑर्गेनाइजेशन में बदलाव किया है और हमारे पास मजबूत गवर्निंग बोर्ड हैं। पिछले 36 महीनों में हमारे पास बोर्ड में नए सदस्य आए हैं। हमारे हर बिजनेस में सीईओ हैं और बिजनेस बढ़ने के बाद उन्हें (स्टैटिक्स बिजनेस यूनिट) में डिवाइड किया जाएगा।

अलग होने के लिए संपत्ति में 75 प्रतिशत हिस्सा चाहती हैं नवाज मोदी

रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम सिंघानिया के अलग होने की ऐलान के बाद नवाज मोदी ने अलग होने के लिए शर्त रखी है। उन्होंने 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 11 हजार करोड़ रुपए) की कुल संपत्ति में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी है।

इसके बाद पिछले साल 22 नवंबर को रेमंड का शेयर बीएसई पर 1,666 के निचले स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, उसके बाद से शेयर में सुधार देखा गया। आज रेमंड का शेयर करीब 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,161 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सिंघानिया के क्लॉथ, रियल एस्टेट सहित कई बिजनेस

गौतम सिंघानिया रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 11 हजार करोड़ रुपए है। रेमंड ग्रुप के पास क्लॉथ, डेनिम, कंज्यूमर केयर, इंजीनियरिंग और रियल एस्टेट सहित अन्य बिजनेस हैं। रेडिमेड कपड़ों के बाजार में ग्रुप की दमदार मौजूदगी है। यह डेनिम कैटेगरी में भी लीडिंग मैन्युफैक्चरर है। कंपनी हाई क्वालिटी डेनिम सप्लाई करती है।

गौतम बचपन से ही कारों के लिए क्रेजी रहे हैं। इसी बात को समझते हुए उनके पिता ने उनके 18वें जन्मदिन पर उन्हें 1100 कार गिफ्ट की थी।

गौतम सिंघानिया के पास टेस्ला मॉडल एक्स, लेम्बोर्गिनी, लोटस एलिस कन्वर्टिबल, निसान स्काईलाइन जीटीआर, फेरारी 458 इटालिया और ऑडी सहित कई कारें हैं।

1999 में गौतम सिंघानिया ने नवाज से शादी की थी। इससे पहले 8 साल तक दोनों रिलेशनशिप में रहे थे। नवाज के पिता इस शादी के लिए राजी नहीं थे। 2005 में गौतम सिंघानिया ने मुंबई के बांद्रा में 'पॉइजन' नाम से एक नाइट क्लब खोला था। बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन सिंघानिया फैमिली की खास दोस्त हैं।

महाराष्ट्र के अलीबाग में गौतम का एक फार्म हाउस भी है, जहां वे हर साल अपने दोस्तों और फैमिली के लिए न्यू ईयर पार्टी ऑर्गेनाइज करते हैं।

नवाज के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे

गौतम ने बताया था कि, पारसी लड़की को पत्नी बनाना आसान नहीं रहा। नवाज के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे, लेकिन बेटी की जिद के आगे उन्हें झुकना पड़ा। शादी के बाद भी कल्चरल डिफरेंस होने के कारण गौतम और नवाज को कई एडजस्टमेंट्स करने पड़े। गौतम का उनके पिता विजयपत सिंघानिया से भी विवाद रहा है। गौतम सिंघानिया पर अपने पिता को घर से निकालने तक के आरोप लगे हैं। विजयपत सिंघानिया ने रेमंड्स की नींव रखी थी।

एलआईसी एजेंट ने बुढ़ापे में खड़ी कर दी 23 हजार करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां) ।

दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिन्होंने ढलती उम्र में बड़ी सफलता हासिल की है। ऐसे ही कहानी लक्ष्मण दास मित्तल की है। लक्ष्मण दास सोनालिका ट्रैक्टर्स के फाउंडर हैं। एक समय पर वह एलआईसी के एजेंट हुआ करते थे। उन्होंने अपनी सैलरी से पाई-पाई बचाई थी। रिटायरमेंट की उम्र में उन्होंने कारोबार की शुरुआत की थी। आज देश के टॉप ट्रैक्टर्स के ब्रांड में सोनालिका का नाम शामिल हो चुका है। वह देश के सबसे उम्रदराज अरबपति हैं। लक्ष्मण दास मित्तल की कहानी अनोखी है, उन्होंने लोगों के लिए एक मिसाल कायम की है। लक्ष्मण दास ने दिखा दिया कि सफलता किसी भी उम्र में हासिल की जा सकती है। लक्ष्मण दास मित्तल सोनालिका ग्रुप और सोनालिका ट्रैक्टर्स के चेयरमैन हैं। इनका जन्म 5 अगस्त 1931 को पंजाब के होशियारपुर में हुआ था।

इनके पिता हुकुमचंद स्थानीय मंडी में अनाज के डीलर थे, इसलिए उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी। उनके पिता उन्हें हमेशा से ही पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद 1955 में लक्ष्मण दास ने एलआईसी एजेंट के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। लक्ष्मण दास शुरू से ही बिजनेस करना चाहते थे। लेकिन बिजनेस के लिए पूंजी की जरूरत होती है। इसके लिए उन्होंने एलआईसी एजेंट के रूप में काम करते हुए अपनी सैलरी से पाई-पाई बचाई। उसी बचत से उन्होंने 1962 में नौकरी करते हुए थ्रेशर मशीन बनाने का काम शुरू किया, लेकिन इसमें वो सफल नहीं सके। उनका यह कारोबार डूब गया और वे दिवालिया हो गए, इस दौरान उनकी नेटवर्थ सिर्फ 1 लाख रुपये रह गई।

साल 1996 में लक्ष्मण दास मित्तल ने अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर सोनालिका ट्रैक्टर्स की शुरुआत की थी। लक्ष्मणदास मित्तल की ट्रैक्टर कंपनी का उत्तर भारतीय राज्यों में मजबूत कारोबार है। सोनालिका ग्रुप के 5 प्लांट पांच अलग-अलग देशों में स्थित है। कंपनी 120 से अधिक देशों में ट्रैक्टर निर्यात करती है। फोर्ब्स की लिस्ट में उन्हें अरबपतियों की लिस्ट में शामिल किया गया। उनकी नेटवर्थ 2.5 अरब डॉलर के आस पास है।

थार और जिम्नी को टक्कर देने आ गई 2024 फोर्स गुरखा कंपनी ने 3-डोर वेरिएंट और 5-डोर वेरिएंट किया लॉन्च

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय बाजार में 2024 फोर्स गुरखा लॉन्च हो गई है जो महिंद्रा की थार और मारुति की जिम्नी को टक्कर देगी। 2024 फोर्स गुरखा का कंपनी ने अपडेटेड 3-डोर वेरिएंट और 5-डोर वेरिएंट लॉन्च किया है। 3-डोर वेरिएंट की कीमत 16.75 लाख रुपए है और नए 5-डोर वेरिएंट की कीमत 18 लाख रुपए एक्स शोरूम है। कंपनी ने 2024 फोर्स गुरखा की बुकिंग शुरू कर दी गई है। ग्राहक इसे 25,000 रुपए टोकन मनी देकर बुक कर सकते हैं। इसकी डिलीवरी मई माह के अंत में शुरू की जाएगी। यह कार महिंद्रा थार और मारुति जिम्नी को टक्कर देगी। फोर्स गुरखा के दोनों वेरिएंट में 2.6-लीटर 4 सिलेंडर डीजल इंजन लगा है, जो 138बीएचपी की पावर और 320एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के जरिए पावर चारों पहियों तक जाती है। 5-डोर वेरिएंट की लंबाई 4,390 मिमी, चौड़ाई 1,865 मिमी और ऊंचाई 2,095 मिमी है। इसका व्हीलबेस 2,825 मिमी लंबा है। वहीं 3-डोर वेरिएंट की लंबाई 3,965 मिमी, चौड़ाई 1,865

मिमी, ऊंचाई 2,080 मिमी और व्हीलबेस 2,400 मिमी है। 2024 फोर्स गुरखा एसयूवी में साइड टायर (255/65 आर18) पर नए आकर्षक 18 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं। 2024 फोर्स गुरखा बैज के साथ एक नया फ्रंट ग्रिल, एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स (डीआरएल) के साथ रेट्रो-स्टाइल गोलाकार एलईडी हेडलैंप और बीच में एक छोटे एयर डैम और गोल फॉग लैंप के साथ एक ब्लैक फ्रंट बम्पर दिया गया है। गाड़ी में 9.0-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, एप्पल कारप्ले और एंड्राइड ऑटो कनेक्टिविटी, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, टेलीस्कोपिक स्टीयरिंग एडजस्ट, रियर कैमरा और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं ।

लंबी अवधि में लार्जकैप में निवेश बेहतर फैसला ऑटोमोबाइल व रियल एस्टेट आकर्षक क्षेत्र

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां) ।

चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम अब अंतिम चरण में है। लगातार चौथी तिमाही में मार्जिन बढ़ने से कमाई में वृद्धि का रुझान बरकरार है। बाजार उच्चतम स्तर पर है, इसलिए निकट अवधि में अस्थिरता पर नजर रखनी चाहिए। बाजार का मूल्यांकन महंगा है। मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, इसलिए लार्जकैप में बदलाव जरूरी है। निवेशकों को छोटी के बजाय लंबी अवधि पर ध्यान देना चाहिए। अगले दो महीने चुनाव के लिहाज से अहम हैं, जो निकट भविष्य में बाजार की दिशा तय कर सकते हैं।

भारत के लिए मजबूत सकारात्मक कारक

भारत वैश्विक स्तर पर उन कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में से एक बना हुआ है, जो इसे बनाए रखने के लिए कई सकारात्मक कारकों के साथ मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। यह कारक निवेशकों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करते रहना चाहिए।

चुनाव खत्म हो जाने के बाद उम्मीद है कि भारत का पूंजीगत खर्च तेज हो जाएगा। विश्व स्तर पर कम ब्याज दरों की उम्मीदें एक और महत्वपूर्ण घटना है जिस पर नजर रखनी होगी।

ऑटोमोबाइल व रियल एस्टेट आकर्षक क्षेत्र

बाजार की गतिशीलता अनुकूल चक्रीय कारकों से प्रभावित होगी, जो मुख्य रूप से निजी पूंजीगत खर्च से प्रेरित है, जिसके निकट अवधि में बढ़ने की उम्मीद है। यह चक्र इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और यूटिलिटीज जैसे निवेश वाले क्षेत्रों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट क्षेत्र भी निवेश के लिहाज से आकर्षक है। बिजली, रक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों पर भी विचार किया जा सकता है, जिन्हें सरकार की नीतियों से फायदा हो सकता है।

एसेट के एलोकेशन पर जरूर दें ध्यान

मिड व स्मॉलकैप में तेजी के कारणनिवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करने की जरूरत है। इन दोनों में से कुछ रकम लार्जकैप में निवेश की जा सकती है। हालांकि, निवेशकों के लिए जो अधिक महत्वपूर्ण है, वह एसेट एलोकेशन का पालन करना है। एक्सिस एएमसी के एमडी-सीईओ बी गोपकुमार कहते हैं कि अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग विभिन्न आर्थिक स्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

हर्षद मेहता युग की वापसी हो रही, उद्योगपति हर्ष गोयनका ने छोटे निवेशकों को दी चेतावनी

मुंबई, 06 मई (एजेंसियां) ।

आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन और मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका ने शेयर बाजार में गड़बड़ी की आशंका जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस गड़बड़ी की वजह से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हर्ष गोयनका ने चेताया कि शेयर बाजार में जो तेजी देखी जा रही है, वो हर्षद मेहता और केतन पारेख के दौर में जो धांधलियां हुईं, उनकी वापसी की वजह से हो सकती है।

हर्ष गोयनका ने ट्वीट कर दी चेतावनी - हर्ष गोयनका ने ये भी दावा किया कि कोलकाता से गड़बड़ी की जा रही है और इसमें गुजराती और मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ काम कर रहा है। हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि तेजी से बढ़ते शेयर बाजार के साथ हर्षद मेहता/केतन पारेख युग की वापसी हो

रही है और खासकर कोलकाता से ये सब हो रहा है।

प्रमोटर्स (प्रॉफिट एंट्री के जरिए) मुनाफा बढ़ा रहे हैं और गुजराती-मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ स्टॉक की कीमतों को अवास्तविक स्तर पर ले जा रहा है। इससे छोटे निवेशकों को भारी नुकसान हो सकता है। वक्त आ गया है, जब सेबी और वित्त मंत्रालय इसमें दखल दे और छोटे निवेशकों को नुकसान होने से पहले इसकी जांच करे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हर्ष गोयनका के ट्वीट के बाद शेयर बाजार में गिरावट भी देखी गई और शेयर बाजार 74 हजार के अंक से नीचे पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी में भी 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखी गई।

हालांकि कई ट्रेडर्स का कहना है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार आयकर व्यवस्था में बदलाव कर सकती है, इसकी वजह से मार्केट में गिरावट आई। हालांकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ये सिर्फ अफवाह है।

क्या था हर्षद मेहता घोटाला - 90 के दशक में भारत का शेयर बाजार हर्षद मेहता द्वारा किए गए घोटाले से हिल गया था।

हर्षद मेहता, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में एक सामान्य स्टॉक ब्रोकर था, जिसने देश की बैंकिंग व्यवस्था में खामियों का फायदा उठाकर स्टॉक मार्केट में धांधली की। हर्षद मेहता ने चुनिंदा शेयरों की कीमत को फर्जी तरीके से बढ़ा दिया। हर्षद मेहता ने इसके लिए सरकारी बैंकों से हुंडी पर पैसा उठाया और उसे शेयरों की कीमत बढ़ाने में इस्तेमाल किया। जिससे लोगों में इन शेयरों की खरीदने की होड़ मच गई और इससे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भारी वृद्धि हुई।

बाद में जब धांधली का खुलासा हुआ तो निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस घोटाले के बाद ही सेबी का गठन हुआ। हर्षद मेहता घोटाले के करीब दस साल बाद केतन पारेख पर भी ऐसा ही घोटाला करने के आरोप लगे।

अप्रैल में भारत की सेवा गतिविधियों की वृद्धि दर 14 साल में सबसे तेज, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली । देश के सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) की वृद्धि दर अप्रैल में थोड़ी कम रही, लेकिन इस दौरान अनुकूल आर्थिक हालात और मजबूत मांग के बीच नये कारोबार और उत्पादन की वृद्धि 14 साल में सबसे तेज रही। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मार्च के 61.2 से गिरकर अप्रैल में 60.8 पर आ गया। सर्वेक्षण के सदस्यों ने उत्पादन में ताजा तेजी के लिए अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों, मांग में मजबूती और नए काम बढ़ने को जिम्मेदार बताया। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे रहना संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजल भंडारी ने कहा, नए ऑर्डरों में और तेजी से भारत की सेवा गतिविधियां अप्रैल में थोड़ी नरम गति से बढ़ीं। इस दौरान घरेलू मांग में तेजी के अलावा, फर्मों ने दुनिया के कई हिस्सों से नए व्यापार लाभ का उल्लेख किया। सितंबर 2014 में पीएमआई सीरीज शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दूसरी सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''अप्रैल में भारत की सेवा गतिविधियों में थोड़ी धीमी गति से वृद्धि हुई, जिसे घरेलू मांग में उल्लेखनीय मजबूती के साथ नए ठेकों और वृद्धि का समर्थन मिला।'' घरेलू मांग में तेजी के अलावा, कंपनियों ने दुनिया के कई हिस्सों से नए कारोबारी लाभ का भी उल्लेख किया जिसने सामूहिक रूप से सितंबर 2014 में श्रृंखला शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दूसरी सबसे तेज वृद्धि को बल दिया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अप्रैल में 61.5 रहा जो मार्च में 61.8 था। यह 14 वर्षों में दूसरे सबसे मजबूत उछाल को दर्शाता है। भंडारी ने कहा, ''समग्र गतिविधि के संदर्भ में, विनिर्माण व सेवा दोनों क्षेत्रों में कुल उत्पादन अप्रैल में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा यद्यपि थोड़ी धीमी गति से जो इन क्षेत्रों में निरंतर बेहतरी का संकेत देता है।

भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने पेरिस ओलंपिक का टिकट किया पक्का, पुरुष टीम भी पीछे नहीं

बहामास, 06 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इसके साथ ही भारतीय पुरुषों की 4×400 मीटर रिले टीम ने भी नासाउ, बहामास में विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट रेस के दौरान पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

रूपल चौधरी, एम आर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन ने तीन मिनट और 29.35 सेकेंड का समय लेकर हीट नंबर एक में जमैका (3: 28.54) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, भारतीय टीम पहले दौर की क्वालीफाइंग हीट में तीन मिनट और 29.74 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रही थी।

दूसरे स्थान पर रही पुरुष टीम

मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, आरोकिया राजीव और अमोज जैकब की पुरुष टीम ने तीन मिनट 3.23 सेकेंड के साथ अपनी हीट में अमेरिका (2:59.95) के बाद दूसरे स्थान पर फिनिश किया।

मालूम हो कि दूसरे दौर में तीनों हीट में शीर्ष दो पर रहने वाली टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा।

अब तक 19 ट्रैक एंड फील्ड एथलीट कर चुके हैं क्वालीफाई पुरुष टीम क्वालीफाइंग हीट के पहले दौर में दौड़ समाप्त करने में नाकाम रही थी क्योंकि सेकेंड लेग रनर राजेश रमेश को क्रैंप्स के कारण बाहर हटना पड़ा था।

इस कोटा के साथ ही भारत के पेरिस ओलंपिक में 19 ट्रैंक एंड फील्ड एथलीट हो गए हैं जिसमें टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं। पेरिस ओलंपिक में एथलेटिक्स इवेंट एक अगस्त से शुरू होंगे।

न्यूज ब्रीफ

अस्थाई रूप से निलंबित होने के बाद बजरंग का पहला बयान, कुश्ती संघ ने नाडा पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली । बजरंग पूनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उसे अंधेरे में रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से शिकायत करने की योजना बना रहा है। बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थाई निलंबन सौंपा था। उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था। बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग अपना मुकाबला हारने के बाद मूत्र का नमूना दिए बिना ही प्रतियोगिता स्थल से चले गए थे। बजरंग ने अपने निलंबन पर कहा कि उन्होंने कभी भी नाडा अधिकारियों को अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया। उन्होंने नाडा पर एक्सपायर हो चुकी किट देने का आरोप लगाते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा- मेरे बारे में जो डोप टेस्ट के लिए खबर आ रही है उसके लिए मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को नमूना देने से इनकार नहीं किया। मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे जवाब दें कि वे पहले मेरा नमूना लेने के लिए जो 'एक्सपायर किट' लाए थे, उस पर उन्होंने क्या कदम उठाए या क्या कार्रवाई की उसका जवाब दे दीजिए और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए। उन्होंने कहा, मेरे वकील इस पत्र का जवाब समय अनुसार देंगे। बजरंग अगर तय समय में अपना जवाब देने में असफल रहते हैं तो वह पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। इस बीच कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नाडा ने उन्हें बजरंग के निलंबन के बारे में सूचित नहीं किया। संजय ने कहा- यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि नाडा ने बजरंग को निलंबित करते समय हमें सूचित नहीं किया। मैंने 25 अप्रैल को नाडा महानिदेशक और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी और उस बैठक में यह मामला नहीं उठाया गया था। उन्होंने कहा, वे रहने के स्थान संबंधी शर्तों, लंबी सूची (पेरिस ओलंपिक के लिए संभावित दावेदार) जैसे मामलों पर हमारे साथ संवाद करते रहते हैं। यहां तक कि हमने हाल ही में हुए फेडरेशन कप के बारे में भी चर्चा की, जहां उन्होंने विजेताओं से नमूने इकट्ठा करने के लिए अधिकारियों को भेजा था। संजय ने कहा- उन्होंने हमें बजरंग पुनिया के निलंबन के बारे में नहीं बताया। मैंने नाडा अधिकारियों को फोन किया और उनके पास मेरे प्रश्न का कोई जवाब नहीं था। अब मैं नाडा को पत्र लिखने और वाडा को इस बारे में सूचित करने की योजना बना रहा हूं। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि विनेश फोगाट ने भी पटियाला में महिलाओं के 50 किग्रा का ट्रायल जीतने के बाद शुरू में अपना नमूना देने से इनकार कर दिया था। संजय ने कहा- हमें किसी ने भी यह नहीं बताया कि ट्रायल (सोनीपत और पटियाला में) के बाद किसके नमूने लिए गए थे और उन नमूनों से क्या निकला। जरा कल्पना करें कि अगर बजरंग फेडरेशन कप में प्रतिस्पर्धा करने आए होते तो हमने उन्हें अनुमति दे दी होती क्योंकि हमारे पास कोई जानकारी नहीं थी कि उन्हें निलंबित कर दिया गया है। ओलंपिक के लिए विश्व क्वालिफायर्स का आयोजन नौ मई से तुर्किये में होगा।

रोहित के नाम है सबसे अधिक टी20 विश्वकप खेलने का रिकार्ड

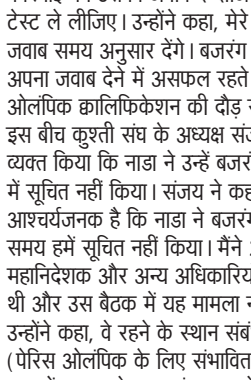

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा एक बार फिर भारतीय टीम की कप्तानी करते नजर आयेंगे। रोहित के नाम इस विश्वकप में एक ऐसा रिकार्ड है जिसके करीब आज तक कोई भी खिलाड़ी नहीं पहुंचा। यहां तक कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी इस मामले में पीछे रह गये हैं। रोहित ने सबसे अधिक बार इस टूर्नामेंट में खेला है। वह इस टूर्नामेंट के पहले सत्र से लेकर अब तक सभी विश्व कप में टीम में शामिल रहे हैं। इस प्रकार उनके नाम टी20 विश्व कप में कुल 39 मैच खेलने का रिकॉर्ड हो गया है। वहीं दूसरे नंबर पर 36 मैच खेलने वाले बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन शामिल हैं। ऐसे में शाकिब ही एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो उनका ये रिकार्ड तोड़ सकते हैं। टी20 विश्वकप में खेलने की इस सूची में श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान, वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो, पाकिस्तान के शाहिद अफीरीद, शोएब मलिक, भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल भी शामिल हैं। इन सभी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, वहीं विराट कोहली ने केवल 27 मुकाबले खेले हैं, इससे वह भी रोहित शर्मा के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंच पाएंगे।

सूर्यकुमार का तूफानी शतक, मुंबई ने हैदराबाद को सात विकेट से हराया

मुंबई, 06 मई (एजेंसियां)।

सूर्यकुमार यादव नाबाद (105) और तिलक वर्मा नाबाद 37 रनों की पारियों की तूफानी पारियों की के दम पर मुंबई इंडियंस ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 55वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया है। मुम्बई की 12 मैचों में यह चौथी जीत है।

174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में इशान किशन (9) का विकेट गवां दिया। इसके बाद चौथे ओवर में रोहित शर्मा (4) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। भुवनेश्वर कुमार ने पांचवें ओवर में नमन धीर को शून्य पर आउट कर मुम्बई को तीसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने पारी को संभाला। सूर्यकुमार यादव ने 51 गेंदों में 12 चौके और छह छक्के लगाते हुये नाबाद (102) रनों की पारी खेली। सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। वहीं तिलक वर्मा 32 गेंदों में 37 रन बनाकर नाबाद रहे। तिलक और सूर्यकुमार के बीच अवजित 143 रनों की साझेदारी मुंबई के लिए आईपीएल में चौथे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। मुम्बई ने 17.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। हैदराबाद की ओर से भुवनेश्वर कुमार, मार्को यानसन और पैट कमिंस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड की (48) और कप्तान पैट कमिंस की तबातोड़ नाबाद 35 रन की पारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस को जीत के लिए 174 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीता और सनराइजर्स हैदराबाद को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। छठें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने अभिषेक शर्मा आउट कर मुम्बई को पहली सफलता दिलायी। इसके बाद आईपीएल में पदार्पण करने वाले अंशुल कम्बोज ने मयंक अग्रवाल (5) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हैदराबाद के विकेट लगातार अंतराल पर गिरते रहे। नितीश कुमार रेड्डी 15 गेंदों में 20 रन, हाइनरिक क्लासन (2), मार्को यानसन (17), शाहबाज अहमद (10), अब्दुल समद (3) रन बनाकर आउट हुए। ट्रैविस हेड ने 30 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुये सर्वाधिक (48) रनों की पारी खेली। उन्हें 11वें ओवर में पीयूष चावला ने आउट किया। कप्तान पैट कमिंस और सनबीर ने पारी को संभाला। कमिंस ने 17 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 35 रनों की पारी खेली। सनबीर सिंह आठ रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 173 रन का स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस की ओर से हार्दिक पांड्या और पीयुष चावला ने तीन-तीन विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह और अंशुल कंबोज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए सिंगापुर, भारत के साथ बातचीत अंतिम चरण में: फिडे

चेन्नई, 06 मई (एजेंसियां) ।

अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) इस साल के अंत में खेले जाने वाले विश्व शतरंज चैंपियनशिप मैच की मेजबानी के लिए भारत और सिंगापुर के साथ अग्रिम बातचीत कर रहा है।

विश्व शतरंज खिताबी मुकाबला मौजूदा चैंपियन और चीनी ग्रैंडमास्टर (जीएम) डिंग लिरेन और दुनिया के सबसे कम उम्र के शतरंज खिताब के दावेदार भारतीय जीएम, 17 वर्षीय डी. गुकेश के बीच खेला जाएगा।

फिडे के सीईओ जीएम एमिल सितोवस्की ने बताया, कोई औपचारिक बोली नहीं आई है, लेकिन हम कई देशों के साथ गहन बातचीत कर रहे हैं, जिसमें सिंगापुर और भारत सबसे उन्नत चरण में हैं। ऐसी संभावना है कि हमें एक से अधिक औपचारिक बोलियां मिलेंगी।

पिछले महीने, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने आईएएनएस को बताया था कि महासंघ भारत में विश्व शतरंज खिताबी मुकाबले की मेजबानी की संभावना का आकलन कर रहा है। फिडे के अनुसार, विश्व चैम्पियनशिप मैच में 14 मुकाबले होते हैं, और जो खिलाड़ी 7.5 अंक या अधिक स्कोर करता है वह मैच जीत जाता है। यदि 14 गेम के बाद स्कोर बराबर है, तो विजेता का फैसला टाईब्रेक गेम के माध्यम से किया जाता है। फिडे ने हाल ही में 20 नवंबर से 15 दिसंबर, 2024 के बीच अस्थायी रूप से निर्धारित विश्व शतरंज चैम्पियनशिप मैच की मेजबानी के लिए इच्छुक पार्टियों से बोलियां मांगी थीं। फिडे के मुताबिक, 31 मई बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख है।

अन्य विवरण हैं:

आयोजन की कुल अवधि - 25 दिनों तक विनियम 1 जुलाई, 2024 तक अनुमोदित किए जाएंगे। आयोजन का न्यूनतम कुल बजट - 85,00,000 न्यूनतम पुरस्कार राशि - 25,00,000 फिडे शुल्क - 11,00,000 वाणिज्यिक, प्रायोजन और प्रसारण अधिकारों के लिए भुगतान बोलीदाताओं के प्रस्तावों के अनुसार निर्दिष्ट किया जाएगा। आयोजक वीडियो प्रसारण सहित फिडे प्रायोजकों और भागीदारों के अधिकारों का सम्मान करेगा। दिलचस्प बात यह है कि गुकेश अब ओपन वर्ग में छठे स्थान पर हैं, जबकि लिरेन सातवें स्थान पर हैं।

आईसीसी इवेंट खेलने से मना करना बीसीसीआई के लिए नुकसानदेह रहेगा : राशिद लतीफ

लाहौर, 06 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ अपने विवादास्पद बयानों के लिए जाने जाते हैं। वहीं अब लतीफ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को चेताया है कि अगर उसने अगले साल चैम्पियंस ट्राफी खेलने के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजी तो उसे भी भारी नुकसान होगा। वहीं पाक बोर्ड पीसीबी ने पहले ही साफ कर दिया है कि इस बार वैकल्पिक जगहों पर मुकाबले नहीं होंगे और एशिया कप की तरह से हाइब्रिड मॉडल पर विचार नहीं किया जाएगा।

इसका कारण है कि जब आईसीसी अपनी योजना बनाती है, तो टीमों को पता होता है कि उन्हें कहां खेलने जाना है। जैसे पाकिस्तान को पता था कि उन्हें विश्व कप खेलने के लिए भारत जाना है। इसी कारण आईसीसी क्रिकेट बोर्डों से अनुबंध पर हस्ताक्षर करने को कहती है।

लतीफ ने ये भी कहा कि साल 1996 विश्व कप में, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने श्रीलंका जाने से इनकार कर दिया और पूरा समूह बदल गया और श्रीलंकाई टीम विजेता बन गया। ये बहुत बड़ी गलती थी, अगर भारत ने करार पर हस्ताक्षर किये हैं तो उन्हें जाना चाहिये।

इसी को लेकर लतीफ ने कहा कि, आप द्विपक्षीय सीरीज खेलने से मना कर सकते हैं पर आईसीसी आयोजनों से मना करना मुश्किल है।

कैथरीन ब्राइस की बदौलत स्कॉटलैंड ने रचा इतिहास, पहली बार महिला टी20 वर्ल्ड कप में पक्की की अपनी जगह

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां) ।

स्कॉटलैंड क्रिकेट के लिए दिन ऐतिहासिक रहा क्योंकि महिला टीम ने बांग्लादेश में इस साल होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। स्कॉटलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला टी20 वर्ल्ड कप में जगह पक्की की। कैथरीन ब्राइस ने स्कॉटलैंड का सामने आकर नेतृत्व किया और उनकी यात्रा में सुनहरा अध्याय जोड़ा।

स्कॉटलैंड ने लौरा डेलानी के नेतृत्व वाली आयरलैंड को अबुधाबी के जायेद क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में 8 विकेट से मात देकर अपनी जगह पक्की की। स्कॉटलैंड को पहले गेंदबाजी का मौका दिया गया और उसने विरोधी टीम को 110/9 के स्कोर पर रोक दिया।

स्कॉटिश कप्तान का उम्दा प्रदर्शन

26 साल की कैथरीन ब्राइस ने शानदार गेंदबाजी स्पेल डाला, जिसमें 19 तो डॉट बॉल रही। उन्होंने 4

ओवर के अपने स्पेल में केवल 8 रन खर्च किए और चार विकेट चटकाए। बाएं हाथ की तेज गेंदबाज रचेल स्लेटर ने कप्तान का अच्छा साथ निभाया और तीन विकेट झटके। रचेल ने 3 ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट लिए। प्रियानाज चैटर्जी और हनाह रैनी को विकेट नहीं मिला, लेकिन दोनों ने 8 ओवर में केवल 38 रन खर्च किए।

मेगन मैकॉल का अर्धशतक

लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड के लिए सासकिया होर्ली कुछ कमाल नहीं कर सकी, लेकिन उनकी ओपनिंग जोड़ीदार मेगन मैकॉल ने 47 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाए और स्कॉटलैंड की जीत की राह आसान बना दी। गेंद से धांसू प्रदर्शन करने के बाद कैथरीन ब्राइस ने बल्ले से भी कमाल दिखाया। कैथरीन ब्राइस ने 29 गेंदों में पांच चौके की मदद से नाबाद 35 रन की मैच विजयी पारी खेली। कैथरीन की पारी की मदद से स्कॉटलैंड ने 22 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल किया।

कैथरीन का दमदार प्रदर्शन

कैथरीन ब्राइस ने पूरे टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया। वह क्वालीफायर्स में इस समय सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला बैटर हैं। उन्होंने 5 मैचों में 88.50 की औसत और 112.02 के स्ट्राइक रेट से 177 रन बनाए। इसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। गेंदबाजी में भी युवा खिलाड़ी ने कमाल का प्रदर्शन किया। कैथरीन ब्राइस ने 5 मैचों में केवल 3.87 की इकोनॉमी दर से 9 विकेट चटकाए। कैथरीन स्कॉटलैंड के लिए कप्तान के तौर पर बड़ी प्रेरणादायी हैं।

आईजीयू का गोल्फ को आगे बढ़ाने, खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर पर जोर

नई दिल्ली, 06 मई (एजेंसियां) ।

अपने युवा भारतीय एमेच्योर खिलाड़ियों की हालिया सफलता से उत्साहित होकर इंडियन गोल्फ यूनियन ने पूरे देश में गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षकों की ट्रेनिंग सहित विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। आईजीयू को भारत सरकार के खेल और युवा मामलों के मंत्रालय से सक्रिय समर्थन और धन भी मिल रहा है। इससे गोल्फ के लिए समुचित माहौल बनाने में आईजीयू को बहुत मदद मिल रही है। खेल मंत्रालय पेरिस में ओलंपिक खेलों से पहले गोल्फ खिलाड़ियों का समर्थन करने में बहुत उदार रहा है। आईजीयू प्रेसीडेंट ब्रिजिंदर सिंह के अनुसार, इससे देश में गोल्फ के लिए एक महत्वपूर्ण वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी। आईजीयू, जो राष्ट्रीय पीजीए के संघ, व्यावसायिक गोल्फ परिसंघ (सीपीजी) का एक संबद्ध सदस्य है, ने अपने विंग, नेशनल गोल्फ अकादमी ऑफ इंडिया (एनजीएआई) के माध्यम से विशेष सत्र आयोजित करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक भी नियुक्त किया है जो शिक्षण पेशेवरों और प्रशिक्षकों को उनके ज्ञान को अद्यतन और उन्नत करने में मदद करेंगे। आईजीयू को खेल को आगे बढ़ाने में गोल्फ के लिए विश्व की शासी निकाय रॉयल एंड एंशिएंट का भी सक्रिय समर्थन

प्राप्त है। आईजीयू अब खेल को बढ़ाने के लिए उत्तर-पूर्व सहित देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस पूरे मामले पर बात करते हुए आईजीयू के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने कहा, हमने आधार बनाने में एक साल से अधिक समय बिताया है और धन जुटाने में काफी सफलता मिली है और प्रायोजकों के माध्यम से और इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) बनाने जैसी अपनी गतिविधियों के माध्यम से अधिक धन प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं। समय-समय पर, हमें अंतरराष्ट्रीय बैठकों में बताया गया है कि क्षेत्र में खेल को विकसित करने के लिए बिरादरी भारत को कैसे देखती है। हमारे पास संख्याएं हैं, हमारे पास एक कोच प्रमाणन प्रणाली है और अब हमारे शिक्षकों को पढ़ाने और अधिक लोगों को खेल खेलने के लिए प्रेरित करने के कार्यक्रमों के साथ हमें उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों में भारत एक गोल्फ शक्ति बन जाएगा।%% उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य लोकप्रिय 'खेलो इंडिया गेम्स' जैसे कार्यक्रमों में गोल्फ को शामिल करना और स्कूलों में गोल्फ को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना है। इस संबंध में हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और खेल इस विचार के लिए खुले हैं। आईजीयू ने यह भी खुलासा किया कि सीपीजी ने भारतीय प्रशिक्षकों, सहायक शिक्षकों और अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला के लिए मास्टर ट्रेनर भेजे हैं जो समाप्त होगी। यह एनजीएआई द्वारा किए गए सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक है, जिसे आईजीयू ने लगभग दो दशक पहले स्थापित किया था। भारत के पूर्व गोल्फर मानव दास इसके माध्यम से एनजीएआई का मार्गदर्शन कर रहे हैं। आईजीयू के प्रमुख कार्यक्रम, हीरो इंडियन ओपन के अध्यक्ष, एस के शर्मा ने कहा, ये कार्यक्रम सुनिश्चित करेंगे कि युवाओं को उनके घरेलू मैदान पर अवसर मिलें। गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षकों के अभाव में, युवा गोल्फ खिलाड़ी अक्सर दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे बड़े शहरों में आते हैं और दक्षिणी भारत और अन्य हिस्सों में भी यही स्थिति है। हम चाहते हैं कि उनके घरों के पास कोच हों। हमें सुविधाएं देने के लिए पाठ्यक्रम प्राप्त करने चाहिए और एक बार जब हमारे पास सीपीजी के साथ बातचीत के माध्यम से अधिक गुणवत्ता वाले कोच होंगे, तो खेल बढ़ेगा और यह गेम चेंजर हो सकता है।

भारत के एमेच्योर खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए आईजीयू के महानिदेशक मेजर जनरल विभूति भूषण ने कहा, हमारे एमेच्योर सितारों ने हमें गौरवान्वित किया है, जैसे अवनि प्रशांत जिन्होंने क्लीन सिरिकिट कप में व्यक्तिगत सम्मान जीता और विश्व एमेच्योर टीम चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने यूरोप में एक प्रो इवेंट भी जीता और रॉयल जूनियर कप में दूसरे स्थान पर रहीं। उसका भविष्य बहुत अच्छा है।

उन्होंने कहा, आईजीयू सरकार का आभारी है, जो ओलंपिक से पहले हमारे गोल्फरों को आयोजनों के लिए वित्त पोषण कर रही है। हमारे सभी चार शीर्ष पेशेवरों को टॉप्स (ओलंपिक पोडियम स्कीम) में रखा गया है और आईजीयू टॉप्स तथा सरकार के संपर्क में है, और हम समर्थन से रोमांचित हैं। ओलंपिक टीम की तैयारी भारत के अग्रणी गोल्फर शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर अपना ओलंपिक ग्रेड बनाने और पेरिस 2024 में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं और अगस्त में ले गोल्फ नेशनल में भाग लेने वाले 60 पेशेवरों में से एक होंगे।

चीन के राष्ट्रपति के खिलाफ सड़कों पर जुटे लोग तिब्बत-शिनजियांग में ड्रैगन के कृत्यों का किया विरोध

पेरिस, 06 मई (एजेंसियां) ।

फ्रांस और चीन अपने रिश्तों को सुधारने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पेरिस पहुंचे। हालांकि, तिब्बत और शिनजियांग की वकालत करने वाले कार्यकर्ता भी इन क्षेत्रों में मानवाधिकारों के हनन पर चिंताओं को उजागर करने के लिए एकत्र हुए। उन्होंने शी के आने का विरोध किया।

सर्बिया और हंगर भी जाएंगे शी - चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहली बार यूरोप की यात्रा कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान यूक्रेन-रूस युद्ध और बीजिंग तथा ब्रुसेल्स के बीच आर्थिक तनाव को लेकर बात होने की उम्मीद है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि शी के यूरोप की यात्रा की शुरुआत फ्रांस से होगी। इसी को लेकर वह पेरिस पहुंच गए हैं। वहीं, पाइरेनीज क्षेत्र में जाने से पहले शी फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ एक बैठक में शामिल होंगे। इसके अलावा, वह सर्बिया और हंगर भी जाएंगे।

चीन और फ्रांस के झंडों से सजी हुई थीं सड़कें - शी के पेरिस पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों चीन और फ्रांस के झंडों से सड़कें सजी हुई थीं। वहीं, चीनी नागरिकों के समूहों ने अपने राष्ट्रपति का स्वागत किया। उत्सव के माहौल के बीच, तिब्बत और शिनजियांग की वकालत करने वाले कार्यकर्ता भी राजधानी की सड़कों पर मौजूद थे। उन्होंने चीनी राष्ट्रपति के पहुंचने पर विरोध-प्रदर्शन किया।

बता दें, मार्च 2021 में शिनजियांग की स्थिति को लेकर यूरोपीय संघ द्वारा कुछ चीनी अधिकारियों और कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने पर बीजिंग ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी।

जरूरी मुद्दों को सामने रखने का आग्रह - ह्यूमन राइट्स वॉच ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों से शी की पेरिस यात्रा के दौरान इन मुद्दों को सामने रखने का आग्रह किया। वहीं, मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की रिहाई का भी आह्वान किया, जिसमें इल्हाम तोहती, एक उइगर अर्थशास्त्री और सखारोव शामिल हैं। संगठन ने जोर देकर कहा कि मैक्रों को तिब्बत और हॉन्गकॉन्ग के बारे में भी चिंता व्यक्त करनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

आज शुरू होगा पुतिन का पांचवां कार्यकाल

मास्को, 06 मई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में संपन्न संघीय चुनाव रिकॉर्ड मतों से जीतने के बाद अपने पांचवें कार्यकाल की शुरुआत मंगलवार को करने जा रहे हैं। रूसी सरकार के सूत्रों के अनुसार 87 प्रतिशत वोट के साथ निर्वाचित होने वाले श्री पुतिन सात मई को पांचवीं बार राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे और इस के साथ ही उनका 2030 तक नया छह साल का राष्ट्रपति कार्यकाल शुरू होगा।

नये कार्यकाल का शुभारंभ मॉस्को समयानुसार मध्याह्न 12 बजे शुरू होगा और यह समारोह लगभग एक घंटे तक चलेगा। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण रूस के संघीय चैनलों चैनल वन,रूस 1, एनटीवी और अन्य पर उपलब्ध होगा। कार्यक्रम शुरू होने से कुछ देर पहले श्री पुतिन लग्जरी कार में ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस पहुंचेंगे। राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रपति मानक, रूसी संविधान और राष्ट्रपति चिन्ह (एक श्रृंखला पर रूसी संघ के हथियारों के कोट के साथ एक सुनहरा क्रॉस) को मुख्य हॉल में लाया जाएगा। क्रॉस के पीछे की तरफ एक गोल पदक है, जिसकी परिधि के चारों ओर 'लाभ, सम्मान और महिमा' का आदर्श वाक्य है। इसका उपयोग 1996 से उद्घाटन समारोहों में किया जाता रहा है, जब बोरिस येल्तसिन ने पदभार संभाला था। इसके बाद,श्री पुतिन ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस के सेंट एंड्रयू हॉल में प्रवेश करेंगे जहां वर्ष 2000 से राष्ट्रपति शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किये जाते रहे हैं। उस समय राष्ट्रपति रेजिमेंट के मेहमान और गार्ड मौजूद रहेंगे। समारोह में श्री पुतिन संविधान पर अपना हाथ रखकर राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

लापता अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई पर्यटकों के शव की पहचान हुई, सिर पर गोली मारकर जान लिए जाने की आशंका

मैक्सिको। मैक्सिको में आस्ट्रेलियाई और अमेरिकी पर्यटकों के शव बरामद किए हैं। अब तक तीन शव मिल चुके हैं, मैक्सिको प्रशासन की ओर से यह जानकारी दी गई है। इसमें से दो के सिर पर गोली मारी गई है और एक की कुएं में कूदने से मौत हुई है। यह तीनों पर्यटक काफी समय से लापता थे। बाजा कैलिफोर्निया अटॉर्नी जनरल की ओर से बयान जारी कर बताया गया कि अमेरिका जैक कॉर्टर रॉड और ऑस्ट्रेलियाई जेक और कैलम जो कि भाई थे, उनके शव की शिनाख्त की जा चुकी है। जांच में पता चला कि तीन मैक्सिकन लोगों से पर्यटकों के लापता होने के संबंध में पूछताछ की जा रही थी। पर्यटकों के अपहरण का संदेह था। तीनों 29 अप्रैल को तिजुआना से लगभग 60 मील दक्षिण में एनसेनडा शहर के पास एक सर्फिंग और कैंपिंग अभियान के दौरान गायाब हो गए थे। अधिकारियों का मानना है कि उनकी हत्या हुई है। हालांकि बाजा कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल मारिया ऐलेना एंड्रेड ने पीड़ियों अभिभावकों से मुलाकात की। उन्होंने उनको आश्वासन दिया कि जांच को जारी रखा जाएगा। मौत किन वजहों से हुई है इसका पता लगाया जाएगा और आरोपियों को सजा भी दी जाएगी। अब तक की जांच में वाहन लूटने के प्रयास में इनको निशाना बनाया जाना लग रहा है। वहीं सूत्र ने बताया कि एक जला हुआ सफेद पिकअप जो कि कैलम रॉबिन्सन ने लापता होने से पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया था, उससे लगभग 40 मील दूर एक कुए में उनका शव मिला है। वहीं मैक्सिको विदेश मंत्रालय ने पीड़ितों के परिवार के प्रति शोक व्यक्त किया है।

ब्राजील में बाढ़ से 75 लोगों की मौत, कई लापता

ब्राजीलिया। ब्राजील के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांड डो सुल में भारी बारिश से आई बाढ़ में पिछले सात दिन में कम से कम 75 लोगों की मौत हो गई है और 103 लापता हैं। बाढ़ से सड़क और पुल भी ढह गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक बाढ़ से हुई घटनाओं में कम से कम 155 लोग घायल हुए हैं, जबकि 88 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए है। करीब 16 हजार लोगों ने स्कूलों, व्यायामशालाओं और अन्य जगहों पर शरण ली है। बाढ़ से राज्य में जगह-जगह भूस्खलन, सड़कें बहने और पुलों के ढह जाने की भी खबरें मिली हैं। बताया जा रहा है बाढ़ से आठ लाख से ज्यादा लोग बिना पानी के रहने को मजबूर हैं। गवर्नर एडुअर्डो लीते ने कहा कि मैं एक बार फिर दोहरा रहा हूं कि तबाही का यह मंजर बहुत ही खतरनाक है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि राज्य को पुनर्निर्माण के लिए एक तरह के 'मार्शल प्लान' की जरूरत होगी।'' राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला डि सिल्वा ने दूसरी बार राज्य का दौरा किया।

हमास के हमले से फिर बिगड़े हालात, इजराइल ने राफा में बोला हमला-16 की मौत, लोगों से इलाका छोड़ने को कहा

यरूशलम, 06 मई (एजेंसियां) ।

हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां सभी देश संघर्ष विराम की उम्मीद लगाए हुए थे। वहीं, अब एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। हमास ने इजराइल के मुख्य क्रॉसिंग पॉइंट पर कई मिसाइलें दागी थीं। इस हमले में तीन इस्राइली सैनिक मारे गए। आगबबूला हुए इजराइल ने भी पलटवार किया। उसने दक्षिणी शहर राफा में हवाई हमले किए, जिसमें 16 लोग मारे गए। अब इन सबके बीच, इजराइल ने नागरिकों को राफा शहर को तुरंत खाली करने का आदेश दिया है। दरअसल, देश के रक्षा मंत्री द्वारा हमले तेज करने की चेतावनी के बाद राफा के लोगों को नोटिस जारी किया गया है।

आईडीएफ प्रवक्ता की इकाई के अरब मीडिया प्रभाग के प्रमुख अविचय अदराई ने निवासियों से अपनी सुरक्षा के लिए चौकियों के सटी जगहों को तुरंत खाली करने का अनुरोध किया है। जिन क्षेत्रों को विशेष रूप से खाली करने का आदेश दिया गया है, उनमें अल-शौका की नगर पालिका और राफा में अल-सलाम, अल-जनीना, तिबा जरा और अल-बयौक शामिल है।

आइए जानते हैं अबतक क्या-कुछ हुआ।

इजराइल बलों ने हमास द्वारा किए गए हवाई हमलों का जमकर जवाब दिया। इस्राइली सेना ने गाजा के राफा में हवाई हमले किए, जिसमें 16 लोगों की जान चली गई। गाजा के अधिकारियों का कहना है कि मारे गए लोगों में एक परिवार के सात सदस्य और दूसरे परिवार के नौ सदस्य शामिल हैं। चिकित्सा सूत्रों ने शहर में विभिन्न स्थानों पर दो हमलों की पुष्टि की है।

इससे पहले, हमास ने केरेम शालोम क्रॉसिंग पर रॉकेट दागने की जिम्मेदारी ली थी। इस हमले में तीन इस्राइली सैनिक मारे गए थे। इसी के जवाब में इस्राइली बलों ने गाजा में हवाई हमले तेज कर दिए।

दक्षिण लेबनान में, एक इस्राइली हवाई हमले में चार नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हमला मेस अल जबल में उस समय हुआ, जब यहां के लोग पिछले हमलों से हुए नुकसान का निरीक्षण कर रहे थे।

वहीं, इजराइल की सरकार ने कतर के स्वामित्व वाले प्रसारक अल जजीरा के खिलाफ कार्रवाई की है। ल जजीरा के कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया। पुलिस ने उसी दिन दोपहर को समाचार नेटवर्क के यरूशल स्थित कार्यालय से सके प्रसारण उपकरण जब्त किए। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजराइल के होलोकॉस्ट मेमोरियल डे के दौरान गाजा संघर्ष को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर इजराइल को अकेले खड़े होने के लिए मजबूर किया जाता है, तो वह अकेला ही खड़ा होगा। हमास द्वारा हमले किए जाने के बाद इजराइल ने गाजा में केरेम शालोम क्रॉसिंग को बंद करने का एलान किया। साथ ही सहायता रोक दी गई। संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल पर गाजा में मानवीय पहुंच में बाधा डालने का आरोप लगाया। साथ ही इस क्षेत्र में गंभीर अकाल के बारे में चेतावनी जारी की।

इस्लामिक सहयोग संगठन ने गाजा में नरसंहार की निंदा की और सदस्य देशों से हिंसा को समाप्त करने की मांग करते हुए इजराइल पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया।

अधिकारी ने कहा कि फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के प्रमुख को संघर्ष शुरू होने के बाद दूसरी बार गाजा में प्रवेश से वंचित कर दिया गया।

गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देशभर में लोग इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध विश्वविद्यालयों तक पहुंच गया है। दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में छात्र प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की धमकियों के बीच हंगामा जारी रखा। जबकि नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी की शुरुआत फेनवे पार्क में शांतिपूर्वक प्रदर्शन हुआ।

इशाक डार की जगह पाकिस्तान के विदेश मंत्री बन सकते हैं बिलावल भुट्टो, सरकार में शामिल होगी पीपीपी

इस्लामाबाद, 06 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री पद पर बिलावल भुट्टो जरदारी की वापसी हो सकती है। दरअसल बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपल्स पार्टी यानी कि पीपीपी सत्ताधारी पीएमएलएन के साथ सत्ता साझा करने के लिए तैयार हो गई है और दोनों पार्टियों के बीच सत्ता बंटवारे को लेकर बातचीत अंतिम दौर में हैं। इसी के तहत बिलावल भुट्टो जरदारी को इशाक डार की जगह पाकिस्तान का नया विदेश मंत्री बनाया जा सकता है।

पीपीपी कैबिनेट में होगी शामिल

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, बिलावल भुट्टो जरदारी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कैबिनेट में बतौर विदेश मंत्री शामिल हो सकते हैं। बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी पीपीपी पहले सत्ता में शामिल होने से झिझक रही थी और इस वजह से पीपीपी कैबिनेट में शामिल नहीं हुई थी। पीपीपी ने पीएमएलएन को समर्थन देने के बदले सिर्फ राष्ट्रपति पद लिया था, जिसके तहत बिलावल भुट्टो जरदारी के पिता आसिफ अली जरदारी राष्ट्रपति बने। अब बिलावल भुट्टो जरदारी समेत पीपीपी के अन्य नेता भी कैबिनेट में शामिल होने के लिए तैयार हो गए हैं।

इशाक डार बने रहेंगे उप-प्रधानमंत्री

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएम शहबाज शरीफ चाहते हैं कि पीपीपी जून के पहले हफ्ते में आने वाले बजट से पहले कैबिनेट में शामिल हो जाए। हालांकि अभी तक ये साफ नहीं है कि पीपीपी बजट तक कैबिनेट में आधिकारिक रूप से शामिल होगी या नहीं, लेकिन ये बात तय है कि पीपीपी जून में कैबिनेट का हिस्सा बन जाएगी। इशाक डार उप-प्रधानमंत्री के तौर पर सेवाएं देते रहेंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इशाक डार का ऑफिस प्रधानमंत्री कार्यालय में शिफ्ट किया जा रहा है और जब बिलावल भुट्टो विदेश मंत्री बन जाएंगे तो इशाक डार विदेश मंत्री का ऑफिस खाली कर देंगे। दरअसल इशाक डार विदेश मंत्री के तौर पर खुश नहीं हैं और वे वित्त मंत्रालय का काम देखना चाहते हैं, लेकिन पार्टी के दबाव के चलते उन्हें उप-प्रधानमंत्री पद संभालना पड़ रहा है। 8 फरवरी को हुए आम चुनाव के नतीजों के बाद पीपीपी ने पीएमएलएन की सरकार को समर्थन दिया था, लेकिन कैबिनेट में शामिल होने से इनकार कर दिया था।

ईरान-पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार, प्रवासियों ने की आलोचना, बताई अपनी दुर्दशा

काबुल, 06 मई (एजेंसियां) ।

अफगान प्रवासियों ने पाकिस्तान और ईरान के अधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार की आलोचना की है। इन देशों से जबरन निर्वासित किए गए अफगान प्रवासियों की दुर्दशा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। ईरान से वापस आए अफगान प्रवासियों ने अपनी दुर्दशा की कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि उन्हें वहां ईरानी सरकारी बलों द्वारा पीटा जाता था। वहीं पाकिस्तान से आए अफगान प्रवासियों ने भी अपनी चुनौतियों के बारे में बताया।

अफगान प्रवासियों ने सुनाई अपनी कहानी

ईरान में दो साल रहने के बाद वापस आए अफगान के नागरिक बसिर ने कहा, उन्होंने जब हमारी तलाशी लेनी चाही, तो मैंने इसका विरोध किया। इसके लिए उन्होंने मुझे पीटा। अब मुझे नहीं मालूम कि मेरी पसलियां टूट गई हैं या मेरे साथ क्या हुआ है। क्योंकि मैं अब दो किलो वजन भी नहीं उठा सकता हूं। ईरान से लौटे एक अन्य अफगान प्रवासी सलाउद्दीन ने कहा, हम

अपने बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए मजबूरी में ईरान गए थे, लेकिन उन्होंने हमारे लिए इसे बहुत कठिन बना दिया। पाकिस्तान से वापस आए रेजा साजेश ने कहा, जिनके पास कार्ड थे, उन्हें भी पाकिस्तान के क्वेटा और इस्लामाबाद से निर्वासित कर दिया गया। हम इस प्रक्रिया को लेकर परेशान हैं।

ईरान-पाकिस्तान में 77 लाख अफगान प्रवासी

पाकिस्तान के कराची में तालिबान के वाणिज्य दूत ने इन देशों के अधिकारियों से अफगान प्रवासियों को लौटने के लिए अतिरिक्त समय देने का आग्रह किया है।

पूरी हो गई नासा के तीन उपग्रहों की उम्र, दो दशक से धरती पर रख रहे नजर, वैज्ञानिकों में चिंता

वॉशिंगटन, 06 मई (एजेंसियां) ।

धरती पर नजर रखने वाले नासा के तीन उपग्रहों की उम्र पूरी हो गई है। लंबे वक्त से चल रहे ऑर्बिटर टेरा, एक्वा और ऑरा को जल्द ही बंद कर दिया जाएगा। एक हाथी जितने भारी ये उपग्रह अगले कुछ वर्षों में अंधेरे में चले जायेंगे, लेकिन कोई नहीं जानता कि ऐसा कब होगा। ये धीरे-धीरे अपनी ऊंचाई खो रहे हैं। यह एक ऐसा पल है जिससे वैज्ञानिक डर रहे हैं। दो दशकों से भी अधिक वक्त से ये उपग्रह पृथ्वी पर नजर रखे हुए हैं। जो उम्मीद से भी अधिक है। इनसे मौसम की भविष्यवाणी करने, जंगल की आग का प्रबंधन करने, तेल रिसाव की निगरानी करने और बहुत कुछ करने में मदद मिलती है।

इसके बाद वैज्ञानिकों को बदलती जा रही पृथ्वी के बारे में अपने नजरिए को परखने का समाधान खोजने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। लेकिन अब इन उम्र उन पर हावी हो रही है। ये जल्द ही अपना आखिरी प्रसारण भेजने के साथ पृथ्वी पर धीमी रफ्तार से गिरना शुरू कर देंगे। उपग्रहों के बंद होने

के साथ ही इनका इकट्ठा किया गया अधिकांश डेटा भी खत्म हो जाएगा।

सारा डेटा नहीं ले पाएंगे नए उपग्रह

इनकी जगह लेने वाले नए उपग्रह सारा डेटा नहीं ले पाएंगे। शोधकर्ताओं को या तो अपनी सटीक जरूरतों को पूरा न कर सकने वाले वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भर रहना होगा या अपने रिकॉर्ड को जारी रखने के लिए नया रास्ता तलाशना होगा। इन उपग्रहों के इकट्ठा किए गए कुछ डेटा के साथ हालात और भी बदतर है, क्योंकि कोई अन्य उपकरण इसे इकट्ठा करना जारी नहीं रखेगा। हमारी दुनिया के बारे में जो बढ़िया विशेषताएं इन उपग्रहों ने बताई थी वो जल्दी ही धुंधली हो जाएगी।

मुश्किल हो सकता है ओजोन परत को समझना

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वायुमंडलीय रसायनज्ञ सुसान सोलोमन के मुताबिक, इस अपूरणीय डेटा को खोना बेहद दुखद है। वो भी उस वक्त जब यह समझने पर ध्यान केंद्रित करने की सबसे अधिक जरूरत है कि हम पृथ्वी को कैसे प्रभावित होते हैं और हम इससे कैसे प्रभावित कर रहे हैं। इन उपग्रहों के खत्म होने से हम समताप मंडल पर नजर खो देंगे। ये ओजोन परत का सबसे अहम घर है। समताप मंडल की ठंडी, पतली हवा में, ओजोन अणु लगातार बनते और नष्ट होते, उछलते और बहते रहते हैं, क्योंकि वे अन्य गैसों के साथ संपर्क करते हैं। इनमें से कुछ गैसों की उत्पत्ति प्राकृतिक है; दूसरे हमारी वजह से वहां हैं।

भारतीय मूल की सुनीता तीसरी बार अंतरिक्ष की उड़ान भरने को तैयार, बोलीं- घर वापस जाने जैसा होगा

वॉशिंगटन, 06 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स एक बार फिर अंतरिक्ष जाने के लिए तैयार हैं। इस बार उनके साथ बुच विल्मोर भी रहेंगे। नासा के दो अनुभवी अंतरिक्ष यात्री बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में सवार होकर अंतरिक्ष जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष यान होगा, जो सात मई को उड़ान भरेगा। नासा के अनुसार, यूनाइटेड लॉन्च अलायंस एटलस वी रॉकेट और बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान सात मई की सुबह आठ बजकर चार मिनट पर कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा।

नए अंतरिक्ष यान में उड़ान भरने को लेकर उत्साहित

मिशन को संचालित करने जा रहीं सुनीता विलियम्स ने मीडिया कर्मियों से बात की। उन्होंने कहा कि वह थोड़ी सी घबराई हुई हैं। लेकिन नए अंतरिक्ष यान में उड़ान भरने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा, जब मैं अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचूंगी, तो यह घर वापस जाने जैसा होगा।

अंतरिक्ष में बिता चुकी हैं कुल 322 दिन

डॉ. दीपक पांड्या और बोनी पांड्या के घर जन्मीं सुनीता विलियम्स एक बार फिर इतिहास रचेंगी। वह ऐसी पहली महिला होंगी, जो मानवयुक्त अंतरिक्ष यान के पहले मिशन पर उड़ान भरेंगी। वह साल 2006 और 2012 में दो बार अंतरिक्ष जा चुकी हैं। विलियम्स ने दो मिशनों में अंतरिक्ष में कुल 322 दिन बिताए हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

यह रिकॉर्ड भी इनके नाम

एक समय ऐसा था जब उनके नाम पर एक और रिकॉर्ड दर्ज था। वह एक महिला अंतरिक्ष यात्री द्वारा सबसे अधिक स्पेसवॉक समय के लिए रिकॉर्ड रखती थी क्योंकि उन्होंने सात स्पेसवॉक में 50 घंटे और 40 मिनट बिताए थे। सुनीता ने दूसरी अंतरिक्ष उड़ान 14 जुलाई 2012 को भरी थी। तब वो अंतरिक्ष में चार महीने रही थीं। सुनीता ने 50 घंटे 40 मिनट स्पेसवॉक करके फिर एक नया

रिकॉर्ड बनाया था। हालांकि, उसके बाद पेगी व्हिटसन ने 10 स्पेसवॉक के साथ उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष यात्रा में अपने साथ भगवान गणेश की मूर्ति, उपनिषद के साथ-साथ समोसे भी लेकर गईं थी। 18 नवंबर, 2012 को उनका दूसरा मिशन खत्म हुआ था।

दो बार जा चुकी हैं अंतरिक्ष

सुनीता विलियम्स के पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झुलासान में पैदा हुए एक न्यूरोएनाटोमिस्ट थे, लेकिन बाद में अमेरिका चले गए और बोनी पांड्या से शादी कर ली। फिलहाल, सुनीता अब बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन का पायलट बनने की तैयारी कर रही हैं। उनका जून 1998 में अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा में चयन हुआ था। नौ दिसंबर 2006 में वह पहली बार अंतरिक्ष गई थीं। उन्हें इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में भेजे गए 14वें शटल डिस्कवरी के साथ रवाना किया गया था। इसके बाद 2012 में उनकी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा शुरू हुई थी। तब उन्होंने कजाकिस्तान के बैकोनूर से रूसी रॉकेट सोयूज टीएमए-05एम से उड़ान भरी थी।

गणेश की मूर्ति साथ लेकर जाएंगी

तीसरी बार उड़ान भरने से पहले विलियम्स ने बताया कि वह भगवान गणेश की एक मूर्ति साथ लेकर जाएंगी। उनका मानना है कि गणेश उनके लिए भाग्यशाली हैं। वह अपने साथ भगवान गणेश की मूर्ति साथ ले जाने को लेकर खुश थीं। इससे पहले सुनीता अपने साथ अंतरिक्ष में भगवदगीता लेकर गईं थीं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें समासे बहुत पसंद हैं।

अपनी पिछली उड़ानों में, वह भगवद गीता की प्रतियां अंतरिक्ष में ले गई हैं। उसने यह भी कहा कि उसे समोसे बहुत पसंद हैं! अपने अन्य जुनून के बीच, वह एक मैराथन धावक भी हैं और आईएसएस में रहते हुए मैराथन दौड़ती हैं। अपने अन्य जुनून के अलावा, वह एक मैराथन धावक भी हैं और आईएसएस में रहते हुए उन्होंने मैराथन दौड़ भी लगाई।

अंतरिक्ष यात्री बनने से पहले क्या काम करती थीं

सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को यूक्लिड, ओहियो में हुआ था। 1987 में उन्होंने अमेरिकी नौसेना अकादमी से फिजिकल साइंस में बैचलर की डिग्री ली। इसके बाद उन्होंने इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर की। नासा से जुड़ने से पहले वो अमेरिका की नौसेना में काम करती थी। उस समय उन्होंने 30 से ज्यादा विभिन्न विमानों में 3000 से ज्यादा उड़ान घंटे दर्ज किए थे। सुनीता विलियम्स फिलहाल अभी अपने तीसरे अंतरिक्ष मिशन की तैयारी कर रही हैं। भारतीय मूल की सुनीता को कई देशों की सरकार ने सम्मानित किया है। भारत सरकार ने उन्हें 2008 में पद्मभूषण से सम्मानित किया था। रूस की सरकार ने उन्हें मेडल ऑफ मेरिट इन स्पेस एक्सप्लोरेशन दिया। वहीं, स्लोवेनिया की सरकार ने उन्हें गोल्डन ऑर्डर ऑफ मेरिट सम्मान से नवाजा था।

24 साल बाद अक्षय तृतीया पर नहीं है विवाह का मुहूर्त

अक्षय तृतीया पर अस्त रहेगा गुरु व शुक्र तारा

अक्षय तृतीया स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त है, शुभ संस्कार होंगे संपन्न

बिना पंचांग देखे शुभ कार्य संपन्न किए जाने वाला अबूझ महामुहूर्त अक्षय तृतीया को माना जाता है। लगभग 24 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है, जब अक्षय तृतीया के दिन विवाह का कारक ग्रह माने जाने वाले शुक्र और गुरु तारा अस्त होने से इस दिन विवाह मुहूर्त नहीं है। हालांकि अक्षय तृतीया को महामुहूर्त माने जाने से शुभ संस्कार संपन्न होंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि खास बात यह है कि जो लोग गर्मी के मौसम में विवाह करने की सोच रहे हैं, उन्हें यह मौका नहीं मिलेगा, क्योंकि मई और जून में एक भी दिन विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे। इसकी वजह इन दोनों माह में शुक्र ग्रह का अस्त होना है। इसके उदित होने के बाद जुलाई में ही मुहूर्त शुरू होंगे। 24 वर्ष बाद मई और जून में एक भी दिन विवाह मुहूर्त नहीं रहेगा। इसकी वजह दोनों महीनों में शुक्र ग्रह का अस्त होना है। शुक्र उदित होने के बाद जुलाई में ही विवाह मुहूर्त शुरू होंगे। ऐसी स्थिति वर्ष 2000 में भी बनी थी, तब भी मई और जून में कोई विवाह मुहूर्त नहीं था। अक्षय तृतीया पर गुरु तारा अस्त रहेगा। इससे पहले सन 2000 में भी ऐसा ही संयोग बना था। अंग्रेजी वर्ष के अनुसार 29 अप्रैल से 28 जून तक शुक्र तारा अस्त रहेगा। इसी बीच गुरु तारा 6 मई से 3 जून तक अस्त रहेगा। गुरु व शुक्र तारा अस्त होने से शुभ संस्कार नहीं किए जाएंगे।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया 10 मई को आ रही है। अक्षत तृतीया को अबूझ मुहूर्त कहा जाता है, इस दिन बिना मुहूर्त के भी विवाह की मान्यता है। इस बार अक्षय तृतीया के दिन गुरु व शुक्र का तारा अस्त होने से विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं होंगे। विवाह के शुद्ध व शुभ मुहूर्त के लिए जुलाई तक इंतजार करना होगा। विवाह के लिए गुरु व शुक्र के तारे का उदित होना आवश्यक है। इन दोनों में से किसी एक के भी अस्त रहने पर विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं होते हैं। अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त कहा जाता है, इस दिन बिना मुहूर्त के भी युवक-युवतियों का विवाह कराया जाता है। लेकिन इसके लिए भी गुरु व शुक्र के तारे का उदित होना आवश्यक है।

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त है अक्षय तृतीया

शास्त्रों में अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त माना गया है। यानी इस तिथि पर बिना मुहूर्त का विचार किए सभी प्रकार के शुभ कार्य संपन्न किया जा सकता है। इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, सोने-चांदी के आभूषण. घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस अबूझ मुहूर्त की तिथि पर व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान-पुण्य,पूजा-पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता।

मई और जून 2024 में अस्त रहेंगे गुरु-शुक्र

विवाह मुहूर्त में गुरु और शुक्र अस्त का भी विचार किया जाता है। अच्छा शुक्र भोग विलास का नैसर्गिक कारक है और दांपत्य सुख को दर्शाता है। वहीं, गुरु कन्या के लिए पति सुख का कारक है। दोनों ग्रहों का शुभ विवाह हेतु उदय होना शास्त्र सम्मत है, विवाह के लिए शुक्र व गुरु ग्रह का उदित रहना जरूरी है। दोनों ग्रह विवाह के कारक हैं। इनके अस्त रहने पर विवाह नहीं होते हैं। 29 अप्रैल 2024 को शुक्र ग्रह दोपहर में अस्त हो जाएगा, जो 28 जून तक अस्त रहेगा। 6 मई से गुरु ग्रह भी अस्त हो जाएगा, जो 3 जून को उदित होगा, परंतु शुक्र अस्त ही रहेगा इस कारण से मई व जून माह में विवाह की शहनाई नहीं बजेंगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

गुरु और शुक्र विवाह का कारक ग्रह

ज्योतिष शास्त्र में विवाह के लिए कुंडली मिलान, गुण दोष मिलान किया जाता है। इसके अलावा गुरु और शुक्र को विवाह का कारक ग्रह माना जाता है। यदि आकाश मंडल में गुरु और शुक्र ग्रह उदितमान हो तो ही विवाह के शुभ मुहूर्त होते हैं। यदि ये ग्रह अस्त हो तो विवाह के लिए मुहूर्त नहीं होता। दोनों ग्रह के अस्त होने से मई-जून में विवाह के फेरे नहीं लिए जा सकेंगे।

अबूझ मुहूर्त होने से दोष नहीं

29 अप्रैल से 28 जून तक शुक्र तारा अस्त रहेगा। इसी बीच गुरु तारा 6 मई से 3 जून तक अस्त रहेगा। गुरु व शुक्र तारा अस्त होने से शुभ संस्कार नहीं किए जाएंगे। हालांकि वैशाख शुक्ल तृतीया यानी अक्षय तृतीया को महामुहूर्त कहा गया है, जो 10 मई को है। इस दिन गुरु-शुक्र तारा अस्त होने से मुहूर्त नहीं है, लेकिन अबूझ मुहूर्त माने जाने से विवाह किया जा सकता है।

अक्ती के नाम से प्रसिद्ध

अक्षय तृतीया, जो छत्तीसगढ़ में अक्ती के नाम से प्रसिद्ध है। इस दिन सूर्य और चंद्रमा चन्द्रमा उच्च के होते हैं। सूर्य मेष राशि में और चंद्रमा वृषभ राशि में होते हैं। इसीलिए अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त कहा जाता है। अक्षय तिथि अर्थात जिस तिथि का कभी क्षय नहीं होता।

17 जुलाई से 12 नवंबर तक चातुर्मास

17 जुलाई को आषाढ़ शुक्ल एकादशी है, जिसे देवशयनी एकादशी कहते हैं। इस दिन से चातुर्मास प्रांरभ हो जाएगा। चातुर्मास का समापन 12 नवंबर को होगा। इसे कार्तिक शुक्ल एकादशी अर्थात देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इस दिन से विवाह एवं अन्य शुभ संस्कार शुरू होंगे।

9 जुलाई से शुरू होंगे विवाह

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि गुरु व शुक्र का तारा उदित होने के बाद 9 जुलाई से एक बार फिर विवाह समारोह की धूम शुरू होगी। जुलाई में क्रमशः 9 ,11, 12, 13 व 15 जुलाई विवाह की तारीख हैं। इनमें अपने चंद्र बल व गुरु बल की गणना से विवाह के लिए तारीख का चयन किया जा सकता है।

17 जुलाई से चार माह इंतजार करना होगा

पंचांगीय गणना के अनुसार 17 जुलाई को देव शयनी एकादशी है। इस दिन से भगवान विष्णु राजा बलि का आतिथ्य स्वीकार करते हुए चार माह पाताल लोक में निवास करेंगे। यह समय पृथ्वी पर चातुर्मास के रूप में जाना जाएगा। इस दौरान चार माह विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं होंगे। श्रद्धालु जप,तप, नियम का पालन करते हुए धर्म अध्यात्म में रमेंगे। दीपावली के बाद कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की देव उत्थापनी एकादशी से विवाह आदि शुरू होंगे।

बड़ी रोचक है सोमनाथ ज्योतिर्लिंग कहानी

बहुत कम ही लोग जानते होंगे ये दिलचस्प बातें

देवों के देव यानि महादेव..जो स्वयंभू हैं..शाश्वत हैं..सर्वोच्य सत्ता हैं..महाकाल यानि समय के देवता है...जिनको सौम्य और रौद्र दोनों रूपों में पूजा जाता है। वो त्रिदेवों में सबसे बड़े देव हैं..वो अविनाशी हैं ..जिसने स्वयंभू शिव को समझ लिया समझो उसका बेड़ा पार हो गया...जी हां हम बात कर रहे हैं सौराष्ट्र के सोमनाथ मंदिर का । गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र के वेरावल बंदरगाह पास स्थिति सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की महिमा अपार है.. इसकी महिमा महाभारत, श्रीमद्भागवत, स्कन्द पुराण और ऋग्वेद में बताई गई है। सोमनाथ मंदिर असंख्य भक्तों की आस्था का केंद्र है। सोमनाथ मंदिर के बारे में पौराणिक मान्यता है कि इसका निर्माण स्वयं चंद्रदेव यानि सोम ने किया था। इसका उल्लेख ऋग्वेद में है।

जब भी सोमनाथ मंदिर का जिक्र होता है तो अतीत याद आता है..इस मंदिर को कई बार तोड़ा गया लेकिन जितनी बार भी इसका निर्माण हुआ इसकी भव्य और दिव्यता और बढ़ गई।.ऐसा माना जाता है कि समुद्र तट पर बने सोमनाथ मंदिर को चार चरणों में भगवान सोम ने सोने से, रवि ने चांदी से, भगवान श्री कृष्ण ने चंदन से और राजा भीमदेव ने पत्थरों से बनवाया था। हालांकि, जो मंदिर अब खड़ा है, उसे 1947 के बाद भारत के गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने बनवाया था और 1 दिसंबर 1995 को भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया था। आजादी के बाद बनाया गया। पटेल ने इसका निर्माण कराया था। महात्मा गांधी के प्रस्ताव से खुश हुए। शंकर दयाल शर्मा ने इसे राष्ट्र के नाम समर्पित किया।

..ऐसे हुए थे भगवान शिव प्रसन्न

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर का महत्व इतना ज्यादा कि राजनेता से लेकर अभिनेता और देश से लेककर विदेशी श्रद्धालु दर्शन के लिए यहां आते हैं.. लोगों को लगता है कि सोमनाथ का आशीर्वाद जिसे मिलेगा वही देश का सरदार होगा। सोमनाथ मंदिर के इतिहास को लेकर बड़ी मान्यता है-स्कन्द पुराण में चंद्रमा और राजा दक्ष प्रजापति की कहानी ज्यादा मशहूर ह।जिसमें चंद्रदेव ने अपने ससुर के श्राप से बचने के लिए त्रिवेणी पर महामृतुन्जय मंत्र का जाप किया और भगवान शिव को प्रशन्न किया। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का नाम यानि सोम मतलब चंद्रमा और नाथ मतलब शिव। इन्हीं पौराणिक कथाओं में मिलता है।

हिंदू आस्था का प्रतीक है मंदिर

त्रिवेणी संगम यानी कपिला, हिरण और सरस्वती का संगम यहीं चंद्रदेव ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए तप किया था। ऐसा माना जाता है कि अपने ससुर दक्ष प्रजापति के एक श्राप के बाद चंद्रमा ने अपनी चमक खो दी थी। जिसे पाने के लिए चंद्रदेव ने यहीं कई सालों तक तपस्या की थी। गुजरात समंदर तट पर बना भव्य सोमनाथ मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है।।श्रद्दालुओं से लेकर दुनिया भर के कारोबारियों, नेताओं, अभिनेताओं को जीत का आशीर्वाद यहीं से मिलता है। ऐसी मान्यता है कि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

इस आसान तरीके से बुरी शक्तियों का होगा खात्मा

बनी रहेगी हनुमान जी की कृपा, इस मंत्र के साथ चढ़ाएं ये प्रसाद

कलयुग के सिद्ध देवों में सबसे ऊपर आने वाले महाबली-हनुमान की आराधना के लिए मंगलवार का दिन हिंदू धर्म में बेहद ही शुभ बताया गया है। मान्यता है कि इस दिन जो भी हनुमान जी की सच्चे मन से आराधना करता है तो उनकी सारी इच्छाएं हनुमान जी पूरी कर देते हैं। अगर आप मंगलवार के दिन हनुमान जी को प्रसन्न करना चाहते हैं तो ज्योतिषी द्वारा बताए गए यह कुछ आसान उपाय कर सकते हैं। इन आसान उपायों को करने से न केवल आपके घर के कई रोग-दोष समाप्त होंगे, बल्कि कई प्रकार के असाध्य रोग भी खत्म हो जाएंगे। इसके लिए केवल आपको मंगलवार के दिन हनुमान जी को उनका प्रिय फल अर्पण करना है और एक चमत्कारी मंत्र का जाप करना है।

जरूर चढ़ाए यह फल

हनुमान जी सबसे ज्यादा प्रसन्न एक खास फल से होते हैं। इसलिए मंगलवार के दिन हनुमान जी को उनका प्रिय दाड़म फल जरूर चढ़ाना चाहिए और इस फल को चढ़ाने के साथ सीताराम, सीताराम नाम का जप अवश्य ही करना चाहिए। उन्होंने बताया कि 108 बार इस नाम के जप करने से जिस घर में भूत-प्रेत और बुरी शक्तियों का वास होता है, वह एकदम समाप्त हो जाता है।

रोगों से मुक्ति के लिए जरूर चढ़ाएं ये प्रसाद

मंगलवार के दिन हनुमान जी को गुड और चने का भोग भी लगाया जा सकता है। इससे व्यक्ति के असाध्य रोग भी मिट सकते है। क्योंकि एक हनुमान ही है जिनके लिए कहा गया है नासै रोग हृदय सब पीड़ा जपत निरंतर हनुमत वीरा

असाध्य रोग के लिए जरूर करें इस मंत्र का जाप

'ॐ मनोजवं मारुततुल्यवेगं, जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्, वातात्मजं वानरयूथमुख्यं, श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये'।

पंडित ललित शर्मा ने बताया कि असाध्य रोग से बचने के लिए इस मंत्र का जाप करने के बाद राम नाम की 108 माला भी साधक को करनी है। 108 माला पूर्ण होते ही हनुमान चालीसा की चौपाई-नासै रोग हरे सब पीड़ा.. का 7 बार जाप करते हुए हनुमान जी की प्रतिमा पर छीटा देना है। इस उपाय को करने से किसी के घर के अंदर कोई भी असाध्य रोग होता तो, वह निश्चित रूप से खत्म हो जाता है।

डर और रोग से मिलेगी मुक्ति, नियमित रूप से करें हनुमान चालीसा का पाठ, 5 मनोकामनाएं होंगी पूरी !

हनुमान जी के भक्त अगर उनकी पूजा-पाठ सच्चे मन से करें तो उनके जीवन की सारी समस्याएं अपने आप ही खत्म होने लगती है। हनुमान जी की भक्ति से जीवन के सारे संकट खत्म हो जाता हैं। इसलिए इन्हें संकट मोचक हनुमान भी कहा गया है। इनका स्मरण करना इतना शक्तिशाली है कि यदि आप किसी भी मुसीबत में हों वो चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो अगर आपने हनुमान जी को सच्चे मन से याद किया तो वे आपकी किसी न किसी रूप में आकर मदद जरूर करेंगे। वहीं अगर कोई व्यक्ति उनकी कृपा पाना चाहता हैं तो उसे नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। दिल्ली निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित आलोक पाण्ड्या के अनुसार अगर नियम के साथ भक्त हनुमान जी का पाठ हर दिन एक ही समय पर ही करें तो उसकी हर मनोकामना पूरी हो सकती है।

नियमित हनुमान चालीसा पाठ के फायदे

मानसिक तनाव से मुक्ति

हनुमान जी के स्मरण से ही आप हर प्रकार के डर को खुद से दूर रख सकते हैं। मान्यता है कि जो व्यक्ति नियम के साथ रोज हनुमान चालीसा का पाठ करे उसके मन से हर प्रकार की चिंता, डर समाप्त हो जाता है। जीवन में सकारात्मकता का संचार होता है। वहीं नेगेटिव एनर्जी कोसों दूर रहती है।

तरक्की के मार्ग बनते हैं

ऐसे व्यक्ति जिनके जीवन में कठिनाईयां ज्यादा हैं, आगे बढ़ने में बाधा उत्पन्न होती हो रही है, उन्हें हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए वो भी नियमित रूप से। कहते है कि इससे कामयाबी मिलती है, तरक्की में आ रही अड़चनें खत्म हो जाती है।

रोगों से मुक्ति मिलती है

अगर आपके घर में किसी को कोई रोग परेशान कर रहा है। परिवार का कोई भी सदस्य लंबे समय से बीमार है तो हनुमान चालीस आपको इस संकट से मुक्ति दिला सकती है। कहते हैं जो व्यक्ति रोगों से घिरा है वो अगर हनुमान चालीसा का पाठ करें तो उसे रोगों से छुटकारा मिलता है।

आर्थिक तंगी होती है दूर

ऐसे लोग जिनके जीवन में आर्थिक तंगी बनी हुई है, उन्हें नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति सुधरती है।

गलती से भी झाड़ू पर पैर न लगाएं, वरना भुगतने पड़ सकते हैं बुरे परिणाम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, झाड़ू का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसे में अगर आप झाड़ू से जुड़े कुछ नियमों का पालन किया जाए, तो बुरे परिणामों से बचा जा सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस दिन झाड़ू खरीदनी चाहिए। साथ ही इससे जुड़ी किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

इस दिन न खरीदें झाड़ू

शनिवार के दिन नई झाड़ू खरीदना अच्छा शगुन नहीं माना जाता है। क्योंकि इससे व्यक्ति शनि दोष लगता है। इसके अलावा शुक्ल पक्ष में भी झाड़ू नहीं खरीदनी चाहिए। यह आर्थिक तंगी का संकेत माना जाता है। रविवार और गुरुवार के दिन झाड़ू खरीदना भी शुभ नहीं माना जाता है। यदि इन नियमों का पालन न किया जाए, तो व्यक्ति को कई तरह की परेशानियां घेर लेती है।

इस स्थान पर रखें झाड़ू

झाड़ू को कभी भी ऐसे स्थान पर न

रखें, जहां हर किसी की नजर उस पर पड़े। वास्तु शास्त्र के अनुसार, झाड़ू को घर की दक्षिण और पश्चिम दिशा के बीच में रखना अच्छा माना जाता है। झाड़ू को कभी भी सीधा खड़ा करके नहीं रखना चाहिए बल्कि हमेशा लिटाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

झाड़ू पर न लगाएं पैर

वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि टूटी हुई झाड़ू का इस्तेमाल करना अच्छा नहीं होता है। ऐसी स्थिति में टूटी हुई झाड़ू को तुरंत बदल देना चाहिए। झाड़ू पर बार-बार पैर नहीं लगाना चाहिए, नहीं तो इससे देवी लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

आमिर खान और सनी देओल की फिल्म लाहौर 1947 की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

आमिर खान को पिछली बार फिल्म लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका बुरा हाल हुआ।लाल सिंह चड्ढा के बाद आमिर ने एक्टिंग से कुछ समय का ब्रेक ले लिया और फिलहाल उनका ध्यान फिल्में बनाने पर है।आमिर ने हाल ही में बतौर निर्माता अपनी अगली फिल्म लाहौर 1947 का ऐलान किया था, जिसके हीरो सनी देओल हैं।अब इस फिल्म को अपनी रिलीज तारीख मिल गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म लाहौर 1947 अगले साल गणतंत्र दिवस के खास मौके सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।एक सूत्र ने कहा, फिल्म की शूटिंग अभी चल रही है और यह जून 2024 तक खत्म हो जाएगी। आमिर लाहौर 1947 को अगले साल गणतंत्र दिवस पर रिलीज करना चाहते हैं।सूत्र ने यह भी कि फिल्म में आमिर मेहमान की भूमिका निभा सकते हैं।लाहौर 1947 के निर्देशन की जिम्मेदारी राजकुमार संतोषी पर है।संतोषी और सनी ने 27 साल बाद हाथ मिलाया है। दोनों की जोड़ी ने हिंदी सिनेमा को घायल और दामिनी जैसी हिट फिल्में दी हैं।1996 में आई फिल्म घातक के लिए आखिरी बार साथ आए थे।उधर आमिर, इस फिल्म से संतोषी के साथ 29 साल बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने 1994 में आई फिल्म अंदाज अपना अपना में संतोषी संग काम किया था।

अमिताभ बच्चन के बाद मुझे प्यार और सम्मान मिलता है

बिग बी से तुलना करने पर ट्रोल हुईं कंगना रनौत

बॉलीवुड इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए जानी जाती हैं। कंगना रनौत पिछले काफी समय से लगातार चर्चा में बनी हुई हैं क्योंकि उन्हें बीजेपी ने अपने टिकट पर लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया है। दिनों कंगना रनौत के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी की प्रत्याशी कंगना रनौत का एक नया वीडियो सामने आया जो चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, कंगना रनौत ने अपनी तुलना सिनेमा की दुनिया के अमिताभ बच्चन से की है। आइए जानते हैं कि कंगना रनौत ने आखिर क्या कहा है।

कंगना रनौत का वीडियो बन गया चर्चा का विषय

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की अदाकारा कंगना रनौत ने अपनी एक चुनावी जनसभा के दौरान भाषण दिया जहां पर खुद की तुलना अमिताभ बच्चन से की सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कंगना रनौत कह रही हैं, 'सारा देश हैरान है, कि वो कंगना रनौत, चाहे राजस्थान चली जाऊं, चाहे मैं वेस्ट बंगाल चली जाऊं, चाहे मैं दिल्ली चली जाऊं, चाहे मणिपुर चली जाऊं, ऐसा लगता है कि मानो इतना प्यार और सम्मान, दावे से कह सकती हूं कि अमिताभ बच्चन जी के बाद आज किसी को इंडस्ट्री में मिलता है तो वो मुझे मिलता है।' कंगना रनौत के इस वीडियो के वायरल होने के पर फैंस तो पॉजिटिव कमेंट कर रहे हैं। वहीं, तमाम सोशल मीडिया यूजर्स कंगना रनौत को जमकर कर रहे हैं।

'फिल्मों के फ्लॉप होने पर राजनीति में नहीं आई'

कंगना रनौत को लेकर काफी समय से कहा जा रहा था कि वह अपने फिल्मों के लगातार फ्लॉप होने की वजह राजनीति में आई हैं। इस पर कुछ दिनों पर कंगना रनौत ने रिएक्शन देते हुए कहा कि उनका राजनीति में आने का फैसला फिल्म की खराब परफॉर्मेंस की वजह से नहीं था। कंगना रनौत ने शाहरुख खान करियर ग्राफ और अपनी फिल्मों 'क्वीन' और 'मणिकर्णिका' का हवाला देते हुए कहा था कि वर्ल्डवाइड फिल्म की सफलता में उतार-चढ़ाव आम है।

सुनिधि चौहान ने लाइव कॉन्सर्ट में हुए हमले पर तोड़ी अपनी चुप्पी

माइक्रोफोन पर बहुत तेजी से अटैक हुआ

बॉलीवुड की शानदार सिंगर सुनिधि चौहान अपनी आवाज से लाखों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। सिंगर का हर नया गाना फैंस को खुश कर देता है और सुनिधि चौहान के कॉन्सर्ट में भी लोगों की भारी भीड़ देखने के लिए है, जहां फैंस उन्हें भर-भरकर प्यार देते हैं। वहीं, हाल ही में सुनिधि चौहान के साथ एक लाइव कॉन्सर्ट में हैरानी करने वाली घटना हुई। सुनिधि चौहान पर लाइव कॉन्सर्ट में भीड़ में मौजूद लोगों ने हमला कर दिया। सिंगर पर भीड़ से कुछ लोगों ने पानी की बोतल मारी, जिस पर अब सिंगर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

सुनिधि चौहार ने लाइव शो में हुए हमले पर कही ये बात

दरअसल, बॉलीवुड इंडस्ट्री की शानदार सिंगर सुनिधि चौहान ने हिंदुस्तान टाइम्स को एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें सिंगर ने अपने वायरल हो रहे वीडियो पर बात की इस मामले पर सुनिधि ने कहा कि ये किसी ने भी जानबूझकर नहीं किया था। शो के दौरान वह अपना दूसरा आखिरी गाना गा रही थीं और भीड़ में मौजूद सभी लोग अपनी मस्ती में थे, तभी उन्होंने हवा में बोतलें फेंकते देखीं। सुनिधि ने आगे कहा कि एक स्टेज पर गिर गई क्योंकि उसमें पानी था। ये देखकर वह काफी हैरान हो गई। उनके मुंह से यही निकला.. ये क्या हो रहा है? 'देखो रुक जाएगा। सुनिधि ने बताया कि उनकी ये बात सुनकर फैंस ने गाना ना रोकने की गुजारिश की जब फैन्स ने जवाब दिया, कृपया मत करो।'

चोट लगने से बचीं सुनिधि चौहान

सुनिधि चौहार ने आगे यह भी कहा कि एक बोतल उनके माइक्रोफोन पर बहुत जोर से लगी थी। वह बहुत तेज हमला हुआ था, लेकिन बस उन्हें कुछ नहीं हुआ। अगर वह माइक उनके मुंह के पास होता, तो उन्हें चोट लग सकती थी। सुनिधि ने आगे बताया कि वह पहले भी ऐसी कई घटनाओं का सामना कर चुकी हैं, जह लोग कलाकारों के साथ गलत बर्ताव करते हैं, जो गलत है। हालांकि, ये कोई पहली बार नहीं है जब किसी शो में सेलेब के साथ गलत बर्ताव हुआ इससे पहले भी कई सिंगर्स के साथ शोज में ऐसा होता हुआ नजर आया है।

नेहा मलिक ने बिकनी पहन दरिया किनारे दिए सेक्सी पोज, एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया तापमान

भोजपुरी अदाकारा नेहा मलिक सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने के लिए मशहूर हैं. आए दिन अपने सिजलिंग अवतार से फैंस के छक्के छुड़ाती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर बिकनी में तस्वीरें शेयर की हैं. नेहा मलिक ने ऑरेंज कलर की बिकनी पहनी है और दुबई के बीच किनारे एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देती नजर आई हैं, एक्ट्रेस के बाल उनकी हॉटनेस को और बी इनहांस कर रहे हैं. दुबई के भव्य फाइव पाम जुमेराह में धूप का आनंद लेते हुए अपनी आकर्षक उपस्थिति से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। चमकीले नारंगी रंग की कटआउट मोनोकिनी पहने हुए, जो उसके कर्व्स को निखार रही थी, ने आत्मविश्वास और आकर्षण का प्रदर्शन किया, पूल के किनारे अपनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली आभा से आग लगा दी। अपने सुस्वादु बालों को कंधों पर खूबसूरती से लहराते हुए और आकर्षक चश्मे की एक जोड़ी के साथ, नेहा ने ऐसे पोज़ दिए जो लालित्य और आकर्षण बिखेर रहे अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले संगीत वीडियो और शानदार मॉडलिंग शॉट्स के लिए प्रसिद्ध, नेहा ने इंस्टाग्राम पर 4 मिलियन से अधिक प्रशंसकों का एक समर्पित अनुयायी बना लिया है। ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों जगह उनके चुंबकीय व्यक्तित्व ने उन्हें मनोरंजन उद्योग में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में किया है, जिन्होंने अपनी सुंदरता और प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।एक्ट्रेस का हॉट वीडियो देख यूजर्स घायल हो गए हैं और तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. नेहा मलिक के शानदार करियर में गांधी फेर आ गे (2020), पिंकी मोगे वाली 2 (2021), और मुसाफिर 2020 फिल्मों में उल्लेखनीय प्रदर्शन शामिल हैं। एक अभिनेत्री के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा चमकती है क्योंकि वह सहजता से विविध भूमिकाएँ निभाती हैं, जिससे उन्हें प्रशंसकों और आलोचकों से समान रूप से प्रशंसा और प्रशंसा मिलती है।

दिशा पाटनी ने समंदर किनारे बिकिनी में दिए ऐसे पोज

बॉलीवुड की बोल्डनेस क्वीन दिशा पाटनी अपने लुक्स की वजह से इंटरनेट पर छाई रहती हैं। दिशा पाटनी का अंदाज बेहद कातिलाना है। कई बॉलीवुड में धमाल मचा चुकी दिशा पाटनी की फोटोज इंटरनेट पर गर्दा उड़ा देती हैं। इस बीच दिशा पाटनी ने अपने फैंस को मदहोश कर दिया है। दिशा पाटनी की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वो बेहद बोल्ड लग रही हैं।बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी इन दिनों थाईलैंड में क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। इस बीच दिशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। सामने आई इन फोटोज में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी बिकिनी में बेहद बोल्ड लग रही हैं। दिशा पाटनी का ये अंदाज देख फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं।

इन बिकिनी फोटोज में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपना परफेक्ट फिगर दिखाया है। दिशा पाटनी इन तस्वीरों पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं।इन बिकिनी फोटोज में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपना परफेक्ट फिगर दिखाया है। दिशा पाटनी इन तस्वीरों पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं।सामने आई इस फोटो में दिशा पाटनी दूर से जलपरी लग रही हैं। दिशा पाटनी की ये तस्वीर इंटरनेट पर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं।बताते चलें कि दिशा पाटनी बोल्डनेस के मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी को भी टक्कर देती हैं। दिशा पाटनी अपने बेबाक अंदाज से सभी को घायल कर देती हैं।बताते चलें कि बॉलीवुड की क्वीन दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। वो अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर फैंस को विजुअल ट्रीट देती रहती हैं।मालूम हो कि बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा में नजर आई थीं, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था। अब दिशा पाटनी जल्द ही वेलकम टू जंगल में दिखाई देंगी।

उर्फी जावेद ने अंडे से तैयार किया आउटफिट

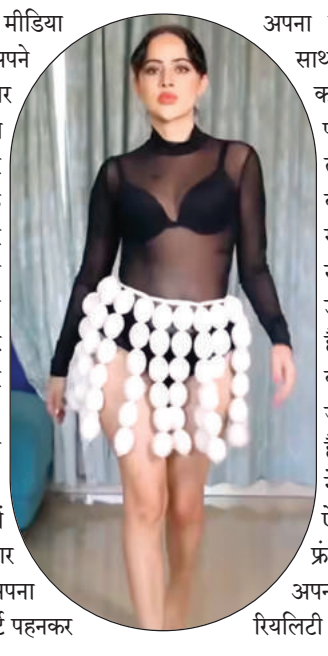

टीवी एक्ट्रेस और मॉडल उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उर्फी जावेद अक्सर अपने जुड़े फोटोज और वीडियोज फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। उर्फी जावेद के अधिकतर सोशल मीडिया पोस्ट आने के बाद उनके ड्रेसिंग और फैशन सेंस के चर्चे होते हैं। उर्फी जावेद ने एक बार फिर अपना एक वीडियो शेयर किया है और हमेशा की तरह अपनी ड्रेस को नया प्रयोग किया है। दरअसल, इस बार उर्फी जावेद ने अंडे से अपना स्कर्ट बना लिया है। उर्फी जावेद का लेटेस्ट वीडियो शेयर होते ही वायरल हो गया है और लोग इस पर रिएक्शन दे रहे हैं।

उर्फी जावेद का इंस्टाग्राम अकाउंट यूनिक ड्रेस से भरा पड़ा है। उर्फी जावेद कांच, फल, साइकिल की चेन, मोबाइल सहित तमाम घर में इस्तेमाल में होने वाली चीजों से अपने ड्रेस तैयार कर चुकी हैं। अब उर्फी जावेद ने अंडों से अपना स्कर्ट तैयार किया है। उर्फी जावेद ने अंडे का स्कर्ट पहनकर अपना इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इसके साथ ही उर्फी जावेद ने कैप्शन लिखा है, अंडे का फंडा। उर्फी जावेद के वीडियो को फैंस पसंद कर रहे हैं और उनकी क्रिएटिविटी की तारीफ कर रहे हैं। उर्फी जावेद का वीडियो वायरल ही लोग इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। उर्फी जावेद के वीडियो पर तमाम सोशल मीडिया यूजर्स ने हमेशा की तरह उनकी क्लास लगाई है। एक यूजर ने लिखा है, 'अगली बार लॉलीपॉप से ड्रेस तैयार करना।' एक यूजर ने लिखा है, 'बाहर मत जाना वरना आमलेट बन एक यूजर ने लिखा है, 'मेरे घर से अंडे चोरी हुए हैं।' एक यूजर ने लिखा है, 'इनके पास कपड़े नहीं हैं जो ऐसे ड्रेस तैयार करती है।' उर्फी जावेद के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने टीवी सीरियल से अपना करियर शुरू किया था। वहीं, उर्फी जावेद रियलिटी शोज में नजर आ चुकी हैं।

समंदर के पानी में अठखेलियां करती दिखीं काइली जेनर

हॉलीवुड मीडिया पर्सानिलिटी और इंटरनेट सेंसेशन काइली जेनर ने हाल ही में अपनी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। सामने आईं इन तस्वीरों में काइली जेनर समंदर के पानी में बच्चों की तरह खेलती दिखीं। काइली जेनर ने ग्रीन बिकिनी में समंदर के पानी खेलते हुए अपनी तस्वीरें फैंस को दिखाई। जिसके बाद इन तस्वीरों पर लोगों ने जमकर कमेंट्स कर डालें। सामने आईं इन तस्वीरों में काइली जेनर बेहद बोल्ड और सुपरफिट नजर आ रही हैं।अदाकारा काइली जेनर सामने आईं इन तस्वीरों में समंदर के पानी के मजे लेते हुए दिख रही ये काइली जेनर की वेकेशन तस्वीरें हैं जो अदाकारा ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर कीं।सामने आईं इन तस्वीरों में काइली जेनर ने अपना बोल्ड अवतार दिखाया है। जिस पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। इन तस्वीरों में अदाकारा की बोल्डने स देखते ही बनती है।अदाकारा काइली ने इस दौरान जमकर मी-टाइम बिताया है। अदाकारा की ये तस्वीरें फैंस को भी वेकेशन मूड में ले जाने के लिए काफी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप ख़ुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। अपने वरिष्ठों को नज़रअंदाज़ न करें। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। महिला सहकर्मी बहुत मददगार रहेंगी और अटके कामों को भली–भांति पूरा करने में सहयोग देंगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है। आज कोई लेनदार आपके दरवाज़े पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। छोटे भाई–बहन आपसे राय मांग सकते हैं अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपके जीवनसाथी के लबों की मुस्कान पल भर में आपका सारा दर्द गायब करने की क़ाबिलियत रखती हे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन इस दौरान आप शराब का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं तो समय की बर्बादी हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्त और रिश्तेदार साथ में ज़्यादा वक़्त बिताने की मांग करेंगे लेकिन यह सभी दरवाज़े बन्द करके राजसी आनन्द लेने का समय है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। अगर आप सही लोगों को अपनी क्षमताएँ और प्रतिभा दिखाएंगे, तो जल्दी ही लोगों की निगाहों में आपकी नयी और बेहतर छवि होगी। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ थकान दूर करेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड के साथ अभद्र व्यवहार न करें। नयी योजनाओं को शुरू करने के लिए बढ़िया दिन है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 07 मई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी दोपहर 11:43 तक
नक्षत्र : अश्विनी दोपहर 03:33 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 08:58 तक
करण : शकुन प्रातः 11:43 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:38 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39, सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पितृ कार्य भौमवती अमावस्या , भौमाश्विनी अमृत सिद्धि योग , शुक्र तारा अस्त है , कवि टैगोर जयंती , गण्डमूल दोपहर 03:33 तक , गुरु तारा अस्त

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान जांच में फेल हुए सैंपल

14 फर्मों पर 41 लाख रुपए का जुर्माना

दौसा,06 मई (एजेंसियां)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य पदार्थों के अवमानक पाए पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने 14 फर्मों पर 41 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। दौसा खाद्य सुरक्षा टीम दौसा ने पिछले कुछ माह में कई प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए थे। प्रयोगशाला जांच में ये अवमानक पाए गए। इस पर संबंधित फर्म के खिलाफ एडीएम में चालान पेश किए थे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश प्रजापत और प्रकाश चंद सैनी ने बताया कि एडीएम दौसा सुमित्रा पारीक ने एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत मामलों में तीव्रता दिखाते हुए इस महीने प्रकरणों का निस्तारण करते हुए ये जुर्माना लगाया गया है।

मैसर्स उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड रलावता जुर्माना राशि तीन लाख रुपये, मैसर्स श्रीगोपाल ट्रेडर्स सिकंदरा रोड बांदीकुई पर जुर्माना राशि 10 लाख रुपये, मैसेज वरुण बेवरेज लिमिटेड भिवाड़ी अलवर पर जुर्माना राशि 10 लाख रुपये, मैसर्स अरिहंत एजेंसी सिकंदरा पर जुर्माना राशि 6 लाख रुपये, मैसर्स वरुण बेवरेज लिमिटेड गिरधरपुरा कलाई सिकराय शास्ति पर राशि 6 लाख रुपये, मैसर्स विष्णु किराना स्टोर मानपुर शास्ति पर राशि 10 हजार रुपये, मैसर्स बालाजी डेयरी उद्योग गुढ़ा रोड बांदीकुई शास्ति पर राशि 80 हजार रुपये, मैसर्स श्रीदेव पवित्र भोजनालय और रेस्टोरेंट मेहंदीपुर बालाजी शास्ति पर राशि एक लाख रुपये, मैसेज आस मोहम्मद सप्लायर मंडावर शास्ति पर राशि 40 हजार रुपये, मैसर्स केदावत प्रोविजन स्टोर लालसोट रोड दौसा शास्ति राशि 10 हजार रुपये, मैसेज शर्मा प्रोविजन स्टोर गीजगढ़ शास्ति राशि 10 हजार रुपये, मैसेज श्रीगणेश बीकानेर स्वीट्स एंड बेकरी सोमनाथ सर्कल के पास, आगरा रोड दौसा शास्ति राशि 2 लाख रुपये, मैसर्स मिष्ठान भंडार एवं रेस्टोरेंट गांधी सर्किल मंडावर शास्ति राशि 50 हजार रूपये, मैसर्स कृष्णा डेरी सूरजकुंड भरतपुर रोड महवा शास्ति राशि 1 लाख रूपये, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण द्वारा मई माह में खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

मादक पदार्थ तस्करी मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बीते 11 माह से पुलिस कर रही थी तलाश

सिरोही,06 मई (एजेंसियां)। अनादरा पुलिस ने 48 किलोग्राम डोडा तस्करी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बीते 11 माह से फरार रहा था।अनादरा थानाधिकारी हिंगलाजदान की अगुवाई में लाडुराम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार गत साल 13 जुलाई 2023 को मंडार थानाधिकारी की अगुवाई में टीम ने गुजरात पासिंग सफेद स्विफ्ट कार से डोडा चूरा 48 किलो 470 ग्राम जब्त किया गया था। उस दौरान आरोपी वाहन डोडा चूरा छोड़कर मौके से फरार हो गए थे।

पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। इस मामले में पूर्व में एक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सीकर,06 मई (एजेंसियां)। सीकर की कोतवाली थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने सीकर शहर सहित कई अन्य इलाकों में एटीएम बूथ पर एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाली गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में 12 से ज्यादा वारदात का खुलासा हुआ हालांकि इनका एक साथी अभी फरार है। कोतवाली पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

शहर कोतवाल सीआई विक्रांत शर्मा ने बताया कि 12 जनवरी 2024 को निकिता कुमावत ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह अपने बड़े भाई का एटीएम कार्ड लेकर सीकर के सालासर बस स्टैंड पर स्टेट ऑफ इंडिया के एटीएम पर पैसे निकालने के लिए गई थी। इसी दौरान वहां एक लड़का आया और उसने निकिता को बातों में फंसाकर एटीएम कार्ड बदल लिया। इसके बाद एटीएम कार्ड से करीब 23500 रुपये निकाल लिए।

घटना के पहले भी सीकर के लक्ष्मणगढ़ और फतेहपुर सहित अन्य में ऐसी ही कई वारदात हो चुकी थीं। ऐसे में कोतवाल विक्रांत शर्मा ने एक स्पेशल टीम बनाई। टीम ने वारदात के पहले और बाद के करीब 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरा की फुटेज चेक किए। इसके बाद अब पुलिस ने मामले में हरियाणा के हिसार जिले के बरवाला में दबिश देकर दो आरोपी सत्यवान सांसी(47) पुत्र महेंद्र और प्रवीण सांसी(26) को गिरफ्तार किया है।

ब्रेजा कार में की तस्करी

प्लास्टिक के कट्टों में 39 लाख रुपए का माल बरामद, आरोपी फरार

सिरोही,06 मई (एजेंसियां)। सिरोही जिले की पिंडवाड़ा पुलिस ने गुजरात पासिंग ब्रेजा कार में 13 प्लास्टिक के कट्टों में ले जाया जा रहा 260 किलोग्राम डोडा पोस्त जब्त किया है। इसकी कीमत 39 लाख रुपये बताई गई है। इस मामले में नाकाबंदी के बावजूद आरोपी पुलिसकर्मियों को चकमा देने में सफल रहे। वे जंगल की ओर भाग खड़े हुए।

पुलिस के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार की अगुवाई में पिंडवाड़ा थानाधिकारी हमीर सिंह भाटी और उपनिरीक्षक जगदीश की अगुवाई में टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर, झाडोली पर की थी। उस दौरान पुलिसकर्मियों ने वहां से गुजर रही गुजरात पासिंग एक ब्रेजा कार को रुकवाकर तलाशी ली। उसमें 13 प्लास्टिक के कट्टों में ले जाया जा रहा 260 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच कर दी है। बरामद डोडा पोस्त की कीमत 39 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई में पिंडवाड़ा पुलिस थाना के हेड कांस्टेबल दिलीप कुमार, कांस्टेबल जीवाराम, सोहनलाल और कल्याण सिंह सम्मिलित रहे।

माउंटआबू मार्ग पर शॉर्ट सर्किट से चलती कार में लगी आग

सिरोही,06 मई (एजेंसियां)। सिरोही जिले के आबूरोड माउंट आबू मार्ग पर छीपाबेरी में शिव मंदिर के पास शॉर्ट सर्किट से चलती कार में आग लग गई। घटना के समय कार में 4 लोग सवार थे। सभी ने सूझबूझ दिखाते हुए आग तेज होने से पहले उतरकर अपनी जान बचाई। घटना की मिलते ही माउंटआबू थानाधिकारी सुरेश चौधरी, छीपाबेरी चौकी प्रभारी मुश्ताक कुरैशी, यातायात पुलिस प्रभारी सोमदेव चौधरी आबूरोड एवं माउंटआबू से फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार कार में सवार सभी लोग पंजाब के रहने वाले हैं। सभी अजमेर से माउंटआबू जा थे। आबूरोड माउंट आबू मार्ग पर छीपाबेरी में शिव मंदिर के पास शॉर्ट सर्किट से चलती कार में आग लग गई। इसके बाद इन लोगों ने सूझबूझ दिखाते तत्काल कार से उतरकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में आग ने कार को अपनी चपेट में ले लिया तथा जलकर खाक हो गई।

माउंटआबू थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से कार में आग लगी थी। घटना के बाद मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात जाम भी हुआ था। आग पर काबू पाते ही कार को एक ओर करने के बाद वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी गई।

झुंझुनू में हुआ सड़क हादसा

यात्री बस और स्कॉर्पियो की टक्कर में चार की मौत, 24 से ज्यादा घायल

जयपुर,06 मई (एजेंसियां)। जिले के खेतड़ी थाना इलाके में थली गांव के पास एक बस और स्कॉर्पियो की भीषण भिड़ंत होने से 4 लोगों की मौत हो गई, वहीं 24 ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं। आज सवेरे 10:30 के आसपास हुए हादसे में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। सूचना पाकर मौके पर सभी प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे गए हैं।

मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि बस सवारियों से भरी हुई थी और सिंघाना से बुहाना की तरफ रही थी लेकिन थली के पास पहुंचते ही अनियंत्रित होकर सामने से आ रही स्कॉर्पियो से भिड़ गई, जिससे स्कॉर्पियो में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं बस के ड्राइवर को भी गंभीर चोट लगने के कारण उसने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया।

स्कॉर्पियो सवार हमीरवार (खेतड़ी) के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हादसा इतना भयंकर था कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में 24 लोग घायल हुए हैं, जिनका सिंघाना अस्पताल में इलाज जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर के पास नहीं आभूषण, हथियार और गाड़ी

करनाल,06 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं करनाल लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी मनोहर लाल के पास न तो कोई गहना है न गाड़ी व हथियार।

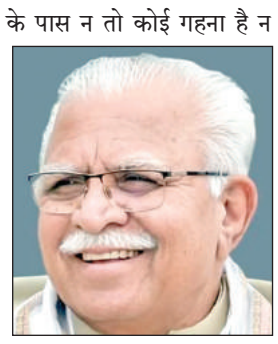

उन्होंने कहीं निवेश किया है न कोई कर्ज लिया हुआ है। संपत्ति के नाम पर उनके पास 40 लाख रुपये का पुश्तैनी घर और जमीन है।करीब 2.14 करोड़ की चल संपत्ति है। इसमें से भी महज 50 हजार 50 रुपये ही उनके पास नकदी है। हालांकि मुख्यमंत्री रहते हुए उनकी वार्षिक आय में करीब 5.94 लाख रुपये की बढ़ोतरी जरूर हुई है। 2018–19 में उनकी आय लाख 95 हजार 972 रुपये थी, जोकि 2023–24 में बढ़कर 34 लाख 90 हजार 820 रुपये हो गई है।

अजय सिंह चौटाला का मानसिक संतुलन खराब हो चुका है, उन्हें इलाज की जरूरत है :देवेंद्र बबली

फतेहाबाद/टोहाना,06 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के टोहाना में पूर्व पंचायत मंत्री एवं टोहाना जजपा विधायक देवेंद्र सिंह बबली ने कहा है कि जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। हमने पार्टी में ईमानदारी से सेवा की है। अपनी मर्यादा में रहकर भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

पार्टी पर बोझ हम लोग नहीं है, बल्कि खुद बोझ हैं, जिनकी वजह से प्रदेशाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी से लेकर स्थानीय कार्यकारिणी तक के लोग छोड़कर चले गए। हमने तो पार्टी की निस्वार्थ भाव से सेवा की है। देवेंद्र सिंह बबली ने फोन पर संवाददाता से बातचीत में यह बात कहीं।

पूर्व मंत्री ने कहा कि जब अजय जेल में गए थे तो उस दौरान उनका मानसिक संतुलन खराब हो गया था। अब उन्हें अच्छे डॉक्टर से इलाज की जरूरत है। वे पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से फोन पर बातचीत करके कहेंगे कि अपने पिता का इलाज करवाए।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, हत्या का शक, केस दर्ज

अंबाला,06 मई (एजेंसियां)। अंबाला सिटी के मनमोहन नगर की रहने वाले विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका 35 वर्षीय रजी के पिता लाडी ने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें रविवार देर रात डेढ़ बजे उसकी बेटी के ससुराल से फोन आया और बेटी की मौत की जानकारी मिली। जब वे वहां पहुंचे तो देखा कि मृत पड़ी है।पिता ने बताया कि 15 वर्ष पहले उसकी बेटी रजी की शादी मनमोहन नगर के रहने वाले फौजी से हुई थी। उसकी बेटी के पांच बच्चे हैं। शादी के बाद से उसकी बेटी रजी के साथ कई बार मारपीट हो चुकी इसको लेकर कई बार पंचायतें भी हुई थी। पिता ने बताया कि दो दिन पहले ही उसकी बेटी उन्हें मिलने यमुनानगर आई थी। तब तक वह ठीक थी। जांच अधिकारी विजय कुमार का कहना है कि महिला के शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में ही मौत का कारणों का खुलासा होगा।

कर्नाटक की अर्थव्यवस्था पाक से भी बदतर

विधायकों को भी नहीं मिल रही नियमित सैलरी : सीसी पाटिल

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सीसी पाटिल ने रविवार शाम को आरोप लगाया कि राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति पाकिस्तान से भी बदतर है और सरकार विधायकों को नियमित रूप से वेतन भी नहीं दे रही है। नरगुंड से विधायक पाटिल ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए दावा किया कि रोडवेज के ड्राइवरों और कंडक्टरों को वेतन नहीं दिया जाता है और यहां तक कि विधायकों का वेतन भी हर दो या तीन महीने में एक बार दिया

जा रहा है। उन्होंने कहा कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के तहत खजाना खाली है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो राज्य के बारे में बहुत ऊंची बातें करते हैं, उन्हें राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति पर श्वेत पत्र लाने दें। उन्होंने कहा कि गरीबों को गारंटी योजनाएं मुहैया कराने में उनकी भाजपा की ओर से कोई विरोध नहीं है, लेकिन उन्हें (कांग्रेस को) इस संबंध में होने वाले खर्च के बारे में अच्छी योजना बनानी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया एक कुशल वित्त मंत्री थे। मुझे नहीं पता कि उन्होंने सत्ता के लिए इतना समझौता क्यों किया। पाटिल ने यह भी कहा कि भाजपा कर्नाटक में 23 से 24 लोकसभा सीटें जीतने के लिए पूरी तरह तैयार है।

महिला ने 6 साल के बेटे को मगरमच्छ से भरी नहर में फेंका

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर कन्नड़ जिले में एक महिला ने कथित तौर पर अपने पति से झगड़े के बाद अपने छह वर्षीय विकलांग बेटे को मगरमच्छ से भरी नहर में फेंक दिया। यह घटना शनिवार रात डांडेली तालुक के हलामदी गांव में हुई। महिला की पहचान 36 वर्षीय सावित्री और उसके पति 36 वर्षीय रवि कुमार के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर अपने बेटे विनोद की सुनने और बोलने की समस्या के कारण अक्सर झगड़ा करते थे। पुलिस ने रविवार को सरीसृप के जबड़े से 6 साल के बच्चे का आंशिक रूप से खाया हुआ शव बरामद किया। जैसा कि पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है, बच्चे के शरीर पर हर जगह काटने के निशान थे और उसका दाहिना हाथ गायब था। दोनों माता-पिता, जो क्रमशः घरेलू सहायिका और राजमिस्त्री सहायक के रूप में काम करते हैं, को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राज्य में दूसरे चरण का मतदान आज

सुरक्षा के लिए 40 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कानून एवं व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हितेंद्र ने कहा कि राज्य में दूसरे चरण के मतदान को स्वतंत्र एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों सहित 40 हजार से अधिक पुलिस कर्मियों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय पुलिस के साथ केंद्रीय बलों की 70 कंपनियां, केएसआरपी और डीएआर प्लाटून की 150 प्लाटून तैनात की गई हैं। दूसरे चरण के मतदान के लिए सुरक्षा की दृष्टि से बेंगलूरु और मैसूरु समेत अन्य जिलों से भी अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस की कड़ी व्यवस्था की गयी है। हितेंद्र ने बताया कि राज्य के 14 लोकसभा क्षेत्रों में मंगलवार को मतदान होगा और वरिष्ठ अधिकारी सोमवार से ही गश्त पर हैं।

बिहार में पीएम मोदी करेंगे रोड शो एनडीए उम्मीदवार के लिए मांगेंगे वोट

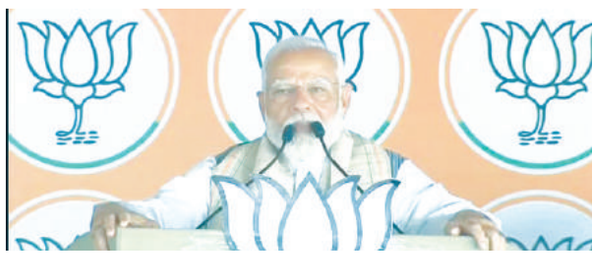

पटना (एजेंसियां)।

एक जून को काराकाट, आरा,बक्सर, जहानाबाद, नालंदा और सासाराम सहित पाटलिपुत्रा और पटना साहिब में मतदान है। पटना सिटी से रविशंकर प्रसाद और पाटलिपुत्र से रामकृपाल यादव एनडीए उम्मीदवार हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इनकी जीत को सुनिश्चित कराने के लिए पटना आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बार दो दिनों तक बिहार में रहेंगे। पटना में एक मई को आखिरी चरण में चुनाव है। इस दौरान मतदान से पहले 12 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजधानी में एक रोड शो करेंगे। इस रोड शो के दौरान पीएम भाजपा उम्मीदवार रविशंकर प्रसाद और रामकृपाल यादव के लिए पटना की जनता से वोट मांगेंगे।

जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो आयकर गोलंबर से डाक बंगला चौराहा होते हुए कदमकुआं तक होना है। इस बीच उनका काफिला जेपी गोलंबर, बाकरगंज होते हुए ठाकुरबाड़ी की तरफ़ से गुजरेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रात्रि विश्राम पटना में करेंगे। 12 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजधानी में रोड शो करने के बाद अगले दिन 13 मई को वह मुजफ्फरपुर, छपरा और हाजीपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे।

तेजस्वी बड़बोले पिता के बड़बोले पुत्र हैं, उन्होंने झूठ के भ्रम का वातावरण बनाया : विजय सिन्हा

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा रविवार की शाम बेगूसराय पहुंचे। जहां उन्होंने एक बार फिर लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। प्रेस वार्ता के दौरान विजय सिन्हा ने आरोप लगाते हुए कहा कि अगुवानी पुल मामले में दोषियों के खिलाफ़ कार्रवाई की बजाय पैसा लेकर अधिकारी को प्रमोशन देने वाले लोग बख्शे नहीं जाएंगे। चुनाव के बाद इसकी जांच कराई जाएगी। इनका हाल भी दिल्ली के मुख्यमंत्री और झारखंड के मुख्यमंत्री जैसा ही होगा।

विजय सिन्हा ने दावा किया कि इस चुनाव में बिहार के अंदर लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। ये कहीं न कहीं राजद द्वारा बिहार में अराजकता, नकारात्मक वातावरण, अपराध और भ्रष्टाचार को संरक्षित और पोषित करने के साथ साथ अपराधियों को टिकट देकर अपराध को फलने-फूलने का जो संकेत दिया है, उसके खिलाफ है। जिसका

जवाब पूरी ताकत से बिहार की जनता देगी। उन्होंने कहा कि राजद की मानसिकता 18 साल के सुशासन और 15 वर्ष जंगलराज की मानसिकता के बाद भी नहीं बदली है जिसका जवाब जनता अपने वोट के माध्यम से देगी।

उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने राजद नेता तथा पूर्व उप मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि तेजस्वी यादव बड़बोले पिता के बड़बोले पुत्र हैं। वह झूठ के भ्रम का वातावरण बना रहे थे, जिन्होंने कहा था कि वह रोजगार और नियुक्ति के लिए चिंतित हैं। उनके जैसे लोगों के कारण बिहार के लोग बेरोजगार हो गए। पांच विभाग के मंत्री रहने के बावजूद भी एक भी नियुक्ति करने का काम इनके द्वारा नहीं किया गया। जिसने अगुवानी पुल में गड़बड़ी की, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए थी। उसमें इन्होंने माल लेकर लीपा-पोती की, जिसकी शिकायत लोगों ने किया है। हम उसकी उच्च स्तरीय जांच कराएंगे। चुनाव के बाद ऐसे कार्यों से जिसने अकूत संपत्ति बनाई है, उसको बख्शेंगे नहीं।

विजय सिन्हा ने कहा कि इनका भी वही हाल दिल्ली के मुख्यमंत्री और झारखंड के मुख्यमंत्री की तरह होगा। जिसने भी जनता की गाढ़ी कमाई को लूटा है, उसकी दुर्दशा तय है। वहीं, तेजस्वी यादव द्वारा बीजेपी को झुठ्ठा पार्टी कहने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा झूठे वादे करने के सवाल पर भी विजय सिन्हा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये राजा हरिश्चंद्र के खानदान के हैं? उनके बारे में लोग कहते हैं कि चपरासी क्वार्टर में रहने वाले महलों के राजा बन गए। जब ईडी-सीबीआई और इनकम टैक्स ने इनसे पूछताछ की तो इन्होंने कहा था कि ये भाजपा के जमाई हैं। वह भाजपा के जमाई नहीं, बल्कि मां भारती की संतान हैं जिसपर भाजपा को गर्व है। लेकिन ये नहीं बता पाते हैं कि इनका यार कौन है आतंकवाद, उग्रवाद और भ्रष्टाचार। वह कितना सत्य बोलते हैं, इनकी बातों को कोई गंभीरता से नहीं लेता है।

उन्होंने कहा कि ये लोग प्रधानमंत्री को लेकर जिन शब्दों का उपयोग करते हैं, उस शब्द का अर्थ भी यह नहीं समझ पाते हैं। बिहार की जनता की गाढ़ी कमाई को लूटकर इन्होंने जो 100 लोगों की टीम बनाई है, वह जो लिख कर देती है वह वही बोलते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि यह पूरी तरीके से सोने का चम्मच लेकर जन्म लेने वाले और चार्टर विमान पर बैठकर केक खाने वाले लोग हैं। जो बिहार की जनता को भरमाते हैं, इनके पास शब्दों की मर्यादा नहीं है।

विजय सिन्हा ने कहा कि अगुवानी पुल मामले में मुख्यमंत्री ने आज मंच से कहा है कि इन लोगों ने बहुत गड़बड़ की है, वह इसकी जांच कराएंगे। उन्होंने आगे कहा कि पीएचडी विभाग में उन्होंने 1,100 टेंडर को एक साथ रद्द करने का काम किया है। इतना ही नहीं बालू माफ़िया पर पूरी तरीके से शिकंजा कसने का आदेश भी उनके द्वारा दिया गया है, जिसका असर चुनाव के बाद लोगों को देखने को मिलेगा।

विभाजनकारी, वैर और नफरत को बढ़ावा देने वाली बातें कर रहे पीएम मोदी : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की पांच सीटों पर मतदान से एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर कहा कि पीएम मोदी अपनी चुनावी सभाओं ने नकारात्मक बातें ही करतें हैं। वह पिछले 10 साल का हिसाब नहीं दे रहे हैं। देश में नौकरी, शिक्षा, चिकित्सा, विकास जैसे मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा की बजाय पीएम मोदी केवल नफरत और ईर्ष्या बांट रहे हैं। तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर झूठ बोलने का फ़िक्र से आरोप लगाया।

तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि बचपन से सुनते आए है कि समाज के बड़े-बुजुर्ग ज्ञान-ध्यान और काम की बातें करते है

लेकिन यहां तो 74 वर्षीय प्रधानमंत्री जी बुजुर्ग होने के बावजूद चुनाव में एक भी काम की बात नहीं कर रहे हैं। हम नव पीढ़ी के लोग केवल नौकरी, रोजगार, शिक्षा-चिकित्सा और विकास की सकारात्मक बातें ही कर रहे है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री जी विभाजनकारी, वैर एवं नफरत को बढ़ावा देने वाली नकारात्मक बातें ही कर रहे हैं।

यह एक अनुभवी, बुजुर्ग और प्रधानमंत्री के गरिमामय पद बैठे शख्स को शोभा नहीं देता। चुनाव तो आते-जाते रहेंगे लेकिन इससे समाज व देश की जो हानि होती है उसकी रिकवरी में दशकों लग जाते है।

एक दिन पहले तेजस्वी यादव ने कहा था कि बिहार में राजद और महागठबंधन का तूफ़ान चल रहा है। इस बार इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। हमलोग तीसरी बार यहां की सभी पांचों सीटें जीत रहे हैं। अगले चरण के चुनाव में भाजपा का पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

अनोखी पहल : पांच फीसदी अधिक वोटिंग कराने पर बूथ से टैग पांच जीविका दीदी को मिलेगा इनाम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की अधिक से अधिक भागीदारी को सुनिश्चित कराने को लेकर बड़ी पहल की गई है। लोकतंत्र के महा पर्व में मतदाताओं की भागीदारी को सुनिश्चित कराने और वोटिंग प्रतिशत को बढ़ाने के लिए जन जागरूकता का अभियान तेज कर दिया गया है। इसके तहत जहां रंगोली और अन्य प्रचार प्रसार के माध्यम से लोगों के बीच में वोटिंग करने को लेकर के अभियान चलाया जा रहा है।

वहीं, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम प्रभावी रूप से चलाने को कहा है। इसके साथ जीविका के अधिकारियों और कर्मियों को सक्रिय तथा तत्पर स्वीप कार्यक्रम में सहयोग करने को कहा है।

इसको लेकर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जीविका ने लोकसभा चुनाव में जीविका का सहयोग प्राप्त करने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामुदायिक संगठन जीविका मित्र को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अब प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सुब्रत सेन ने इसको लेकर जिला कार्यक्रम प्रबंधक जीविका के साथ सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को जीविका के अधिकारियों एवं कर्मियों को स्वीप कार्यक्रम में सहभागी बनाते हुए कार्यक्रम को सफ़ल तथा प्रभावी बनाने का निर्देश दिया है। बेहतर वोटिंग प्रतिशत वाले संकुल को 25 हजार का मिलेगा इनाम और सभी जीविका सामुदायिक समन्वयक एवं जीविका मित्र को भी विधानसभावार प्रत्येक मतदान केंद्र से संबद्ध रहेंगे। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र जहां इस वर्ष मतदान प्रतिशत में वर्ष 2019 की हुई लोकसभा निर्वाचन की तुलना में पांच प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि होती है। तो उन मतदान केंद्रों से संबद्ध सर्वश्रेष्ठ पांच जीविका मित्रों को 5,000 की दर से प्रत्येक को प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

साथ ही ऐसे मतदान केंद्रों से संबद्ध स्वयं सहायता समूहों को 21,000 की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा।

नीट यूजी के पेपर लीक की आशंका

बिहार पुलिस ने आठ संदिग्धों को हिरासत में लिया

पटना (एजेंसियां)।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से मेडिकल में दाखिले के लिए रविवार को बिहार समेत देश भर में नीट यूजी का इंट्रेंस एग्जाम का आयोजन किया गया था। बिहार पुलिस को पटना में पेपर लीक होने की आशंका है। केंद्रीय एजेंसियों की सूचना पर पटना पुलिस ने शास्त्री नगर थाने में इसको लेकर एक प्राथमिकी भी दर्ज करवाई है। इतना ही नहीं पुलिस ने आठ ऐसे संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को पेपर की स्कैन कॉपी भी मिली है। यह कॉपी

दानापुर के लड़के के मोबाइल पर भेजी गई थी। इसके अलावा पूर्णिया में चार और हाजीपुर में एक फ़र्जी परीक्षार्थी भी धराया है। यह लोग दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे थे। बिहार पुलिस की टीम इस मामले की जांच में जुट गई है।

पटना एसएसपी राजीव मिश्रा के अनुसार, पुलिस को पेपर लीक की सूचना मिली थी। इसके आधार पर ही कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। इनकी निशानदेही के आधार पर कुछ इलाकों में छापेमारी भी चल रही है। सूत्रों की मानें तो बिहार पुलिस ने बोरिंग केनाल रोड से दो समेत कुल आठ लोगों को पटना से उठाया। इनसे पूछताछ चल रही है। वहीं हाजीपुर में बुद्ध वर्ल्ड स्कूल एक फ़र्जी परीक्षार्थी पकड़ाया है। बायोमीट्रिक जांच में वह पकड़ा गया है।

इतना ही नहीं बिहार पुलिस की टीम ने कटिहार के जवाहर नवोदय विद्यालय में बने सेंटर पर से सात फ़र्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया है। यह सभी बायोमीट्रिक जांच में पकड़े गए। इनके अंगूठे के निशान का मिलान नहीं हुआ था। बिहार पुलिस का कहना है कि रांची से सीबीआई की टीम ने पेपर लीक के बारें में कुछ जानकारी दी गई। इसके बाद पटना समेत कई जगह छापेमारी की गई। दानापुर में छापेमारी के दौरान एक संदिग्ध के पास से लैपटॉप और मोबाइल मिला। दोनों को जब्त कर लिया गया। मोबाइल के जरिए ही कुछ स्कैन कॉपियां भेजी जा रही थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com